राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अकं : 210 पटना (बिहार) रविवार, 01 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

जंग-ए-दिल्ली में शिकस्त के बाद बिहार में तंबू गाढ़ने की तैयारी में केजरीवाल

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

किशनगंजः दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में शिकस्त झेलने के बाद आम आदमी पार्टी (AAP) बिहार में राजनीति करने आ रही है। चर्चा है कि अअढ प्रमुख अरविंद केजरीवाल बिहार में तंबू गाढ़ने की तैयारी में हैं। गौर करने वाली बात यह है कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहे अरविंद केजरीवाल बिहार विधानसभा चुनाव में अकेले दम पर प्रत्याशी उतारने की प्लानिंग पर काम कर रहे हैं। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की ओर से बिहार में पदयात्रा के जरिए राजनीतिक ताकत जुटाने के प्रयास को देखते हुए अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने भी इसी रास्ते को चुना है। आम आदमी पार्टी ने बिहार चुनाव से पहले यहां 7 चरणों में पदयात्रा करने की प्लानिंग की है। AAP 31 मई से 3 जून तक बिहार के अलग-अलग जिलों में पदयात्रा करेगी। पदयात्रा का पहला चरण मुस्लिम बाहुल्य किशनगंज में 2 जून को निकाली जाएगी। कोचाधामन प्रखंड के डेरामारी चौक पर बनाए गए अअढ जिला कार्यालय से पदयात्रा शुरू होकर मस्तान चौक होते हुए किशनगंज शहर तक ले जाने का प्लानिंग है। इस पदयात्रा को केजरीवाल जनसंपर्क यात्रा नाम दिया गया है। बिहार के राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि क्या AAP की पदयात्रा में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शामिल होंगे। पार्टी की ओर से अभी तक इसपर कोई भी औपचारिक बयान नहीं आया है। लेकिन जानकारों का कहना है कि जब तक अरविंद केजरीवाल इस पदयात्रा में शामिल नहीं होते हैं तबतक इसका कोई मतलब नहीं है। आम आदमी पार्टी को लोग अरविंद केजरीवाल की वजह से ही बिहार जैसे राज्य में थोड़ा बहुत जानते हैं। वैसे भी AAP की पहली पदयात्रा

का नाम केजरीवाल के नाम पर ही रखा गया है। इस बात की चर्चा हो रही है कि अरविंद केजरीवाल को बिहार में आकर राजनीति करने की क्या जरूरत आ पड़ी है। जानकार इस सवाल पर कहते हैं कि दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनने के बाद अअढ को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल चुका है। अब दिल्ली में अअढ की सरकार जा चुकी है। ऐसे में अअढ को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा बनाए रखने की योग्यता को बनाए रखना मुश्किल हो गया है। बिहार चुनाव में AAP का सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने का फैसला कहीं ना कहीं केवल कुछ वोट प्रतिशत हासिल करना है। आप चाहती है कि पंजाब में सरकार तो अभी है ही, इसके अलावा कुछ और राज्यों की विधानसभाओं में उनके कुछ विधायक जीतकर आते हैं तो यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रजेंस बनाए रख पाएगी। आम आदमी पार्टी के बिहार चुनाव में उतरने की खबरों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर यह किस गठबंधन या पार्टी को ज्यादा डैमेज करेंगे। बिहार में आप के अब तक के राजनीतिक मूव को देखें तो उन्होंने पहले चरण की पदयात्रा के लिए किशनगंज जैसे जिले को चुना है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि AAP बिहार में मुस्लिम बाहुल्य इलाकों पर फोकस करने की प्लानिंग में हैं। अगर AAP बिहार में मुस्लिम वोटों में थोड़ी बहुत भी सेंधमारी कर पाती है तो इसका सीधा असर तेजस्वी यादव की अगुवाई वाले आरजेडी-कांग्रेस और वामदल वाले महागठबंधन पर पड़ेगा। बिहार में आरजेडी और कांग्रेस के एक साथ रहने पर माना जाता है कि अधिकतम मुस्लिम वोटर इसी खेमे के साथ जाते हैं। हालांकि यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि 2020 के बिहार चुनाव में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद से आकर बिहार के सीमांचल इलाके में प्रत्याशी उतारे थे। मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर ओवैसी की पार्टी के 5 विधायक जीते। माना जाता है कि ओवैसी के इसी शानदार प्रदर्शन के चलते तेजस्वी यादव बिहार के सीएम नहीं बन पाए और महागठबंधन करीब 12000 वोटों से एनडीए से पीछे रह गया। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर अरविंद केजरीवाल मजबूती के साथ सीमांचल इलाके में चुनाव लड़ते हैं तो वह सीधे-सीधे इंडिया या महागठबंधन को डैमेज करेंगे। यहां याद दिला दूं कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के बजाय अरिवंद केजरीवाल को सपोर्ट किया था। लेकिन अब बिहार में आरजेडी और कांग्रेस एक गठबंधन में हैं तो केजरीवाल बिहार की सभी 243 सीटों पर प्रत्याशी उतारने की बात कर रहे हैं।

युवक थाना में करने लगा आत्मदाह, खूब हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा; पुलिस ने बताई वजह

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना :राजधानी पटना के एक थाना कैंपस में अचानक अफरातफरी का माहौल हो गया। कई पुलिसकर्मी एक युवक को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। इस तरह से थाना परिसर में काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा होता रहा। काफी कोशिश करने के बाद युवक को शांत किया जा सका। मामला पाटलिपुत्र थाना का है। घटना के संबंध में पाटलिपुत्र थाना अध्यक्ष राज किशोर सिंह ने बताया कि एक युवक कहीं से मिटटी का तेल लेकर आ गया और खुद के शरीर पर मिट्टी का तेल छिड़कर चिल्ला-चिल्लाकर यह कहने लगा कि मैं आत्महत्या कर लूँगा। इससे पहले कि वह अपने इरादे में कामयाब हो पाता, थाना में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। यह हाई वोल्टेज ड्रामा के दौरान थाने में अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

पटना :राजधानी पटना के एक थाना कैंपस में अचानक अफरातफरी का माहौल हो गया। कई पुलिसकर्मी एक युवक को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे।

घटना के संबंध में पाटलिपुत्र थाना अध्यक्ष राज किशोर सिंह ने बताया कि वह किसी केस के मामले में पुलिस पर दवाब बनाने की कोशिश कर रहा था। उसकी मांग थी कि पुलिस विरोधी पक्ष पर कार्रवाई करे। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस कानून के हिसाब से ही काम करेगी। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार ही पुलिस दूसरे पक्ष के खिलाफ कार्रवाई करेगी। इसी बात को लेकर युवक मिटटी का तेल लेकर थाना आया और कैंपस में आकर मिटटी का तेल अपने शारीर पर डाल लिया। फिर पॉकेट से माचिस निकालने लगा, लेकिन तबतक वहां मौजूद पुलिसकर्मी उसकी मंशा को समझ गये और जबरदस्ती करते हुए उसके हाथ से माचिस छिन लिया।

बिहार में 18 जिलों के डीएम बदले गए, बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटना : नीतीश सरकार ने चुनावी साल में बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है. पटना सहित 18 जिलों के डीएम बदले गए हैं. इसके साथ ही 6 प्रमंडल के कमिश्नर भी बदले गए हैं. इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से अधीसूचना जारी हुई है. गया के डीएम त्यागराजन एसएम को पटना का डीएम बनाया गया है. राज्य परिवहन आयुक्त नवीन कुमार को खगड़िया का डीएम बनाया गया है. सुपौल के डीएम कौशल कुमार को दरभंगा का डीएम बनाया गया है. निदेशक अर्थ एवं सांख्यिकी योजना एवं विकास विभाग बिहार डॉक्टर विद्यानंद सिंह को अगले आदेश तक बक्सर का डीएम बनाया गया है. बंदोबस्त पदाधिकारी मुंगेर सुनील कुमार -1 को अगले आदेश तक भभुआ कैमूर का डीएम बनाया गया है. जिला नए डीएम का नाम पटना त्यागराजन एस एम खगड़िया नवीन कुमार दरभंगा कौशल कुमार

नालंदा बिहार शरीफ कुंदन कुमार मुंगेर अरविंद कुमार वर्मा पश्चिम चंपारण (बेतिया) धर्मेंद्र कुमार बांका नवदीप शुक्ला मधुबनी आनंद शर्मा जमुई नवीन बक्सर डॉक्टर विद्यानंद सिंह कैमूर सुनील कुमार -1 गोपालगंज पवन कुमार सिन्हा गया शशांक शुभंकर सिवान आदित्य प्रकाश सुपौल सावन कुमार वैशाली वर्षा सिंह पूर्णिया अंशुल कुमार सहरसा दीपेश कुमार दरभंगा के डीएम राजीव रौशन का तबादला आयुक्त सारण प्रमंडल छपरा के पद पर किया गया है. पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह को आयुक्त पटना प्रमंडल के पद पर तबादला किया गया है. मुंगेर के डीएम अवनीश कुमार सिंह को मुंगेर प्रमंडल का कमिश्नर बनाया गया है. पूर्णिया के डीएम कुंदन कुमार को अगले आदेश तक नालंदा बिहार शरीफ का डीएम बनाया गया है. मधुबनी के डीएम अरविंद कुमार वर्मा को अगले आदेश तक मुंगेर का डीएम बनाया गया है. निदेशक पंचायती राज विहार आनंद शर्मा को अगले आदेश तक मधुबनी का डीएम

बनाया गया है. अपर सचिन संसदीय कार्य विभाग नवीन को अगले आदेश तक जमुई का डीएम बनाया गया है. कॉम्फेड के प्रबंध निर्देशक राजकुमार को तिरहुत प्रमंडल मुजफ्फरपुर का कमिश्नर बनाया गया है. समिति समेकित बाल विकास सेवाएं के निदेशक कौशल किशोर को दरभंगा का कमिश्नर बनाया गया है. योजना विकास विभाग के सचिव हिमांशु कुमार राय को भागलपुर का कमिश्नर बनाया गया है.

प्रमंडल नए कमिश्नर सारण राजीव रौशन पटना चंद्रशेखर सिंह मुंगेर अवनीश कुमार सिंह तिरहुत राजकुमार दरभंगा कौशल किशोर भागलपुर हिमांशु कुमार राय

अपर सचिव नगर विकास एवं आवास विभाग श्रीमती वर्षा सिंह को अगले आदेश तक हाजीपुर वैशाली का डीएम बनाया गया है. बांका के डीएम अंशुल कुमार को अगले आदेश तक पूर्णिया का डीएम बनाया गया है. विकास आयुक्त समझ कार्यपालक पदाधिकारी मधुबनी दीपेश कुमार को अगले आदेश तक सहरसा का डीएम बनाया गया है. प्रबंध निदेशक बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड धर्मेंद्र कुमार को अगले आदेश तक पश्चिम चंपारण बेतिया का डीएम बनाया गया है. निदेशक निदेशक पशुपालन बिहार नवदीप शुक्ला को अगले आदेश तक बांका के डीएम के पद पर स्थापित किया गया है.

अपर सचिव जल संसाधन विभाग बिहार पवन कुमार सिन्हा को अगले आदेश तक गोपालगंज का डीएम बनाया गया है. नालंदा बिहार शरीफ के डीएम शशांक शुभंकर को अगले आदेश तक गया का डीएम बनाया गया है. अपर सचिव स्वास्थ्य विभाग पटना आदित्य प्रकाश को अगले आदेश तक सिवान का डीएम बनाया गया है. भभुआ कैमूर के डीएम सावन कुमार को अगले आदेश तक सुपौल का डीएम बनाया गया है.

5 महीने में 5वीं बार बिहार आएंगे राहुल गांधी, 6 जून को नालंदा में कार्यक्रम

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

नालंदाः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर बिहार दौरे पर आ रहे हैं. वह इस साल पांचवीं दफे बिहार आएंगे. 6 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में उनका कार्यक्रम होगा. जहां वह संविधान सुरक्षा संवाद के तहत पिछड़ा-अति पिछड़ा सम्मेलन को संबोधित केंगे. इसको लेकर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं. राहुल गांधी 6 जून को आएंगे नालंदाः यह आयोजन बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर के अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में होगा. राहुल गांधी पटना एयरपोर्ट पर उतरेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए सीधे नालंदा रवाना होंगे. इस सम्मेलन के दौरान वे अतिपिछड़ा और पिछड़ा वर्ग के लोगों से संवाद करेंगे. यह वही वर्ग है, जिसे सीएम नीतीश कुमार का पारंपरिक वोट बैंक माना जाता है. 5 महीने में 5वीं बार आएंगे बिहारः दरअसल, राहुल गांधी का यह कार्यक्रम पहले इसी महीने 27 मई को निर्धारित था लेकिन राजगीर में हॉल उपलब्ध नहीं होने के कारण इसे स्थगित कर 6 जून को निर्धारित किया गया है.

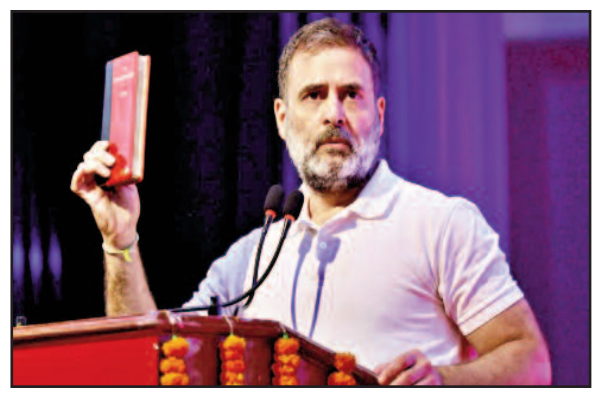

इस वर्ष चुनावी माहौल के बीच राहुल गांधी का यह पिछले 5 महीनों में पांचवां बिहार दौरा होगा. इससे पहले वे 18 जनवरी, 4 फरवरी, 7 अप्रैल और 15 मई को भी बिहार के अलग अलग जिलों का दौरा कर चुके हैं. राहुल गांधी बिहार में कांग्रेस को लगातार मजबूत करने में लगे हुए हैं. हालिया दिनों में संगठन स्तर पर कई बदलाव भी देखने को मिले हैं. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 6 जून को नालंदा में अतिपिछड़ा एवं पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में भाग लेंगे. इस सम्मेलन में अतिपिछड़ा वर्ग के लोगों से वे संवाद करेंगे. साथ ही बड़ी संख्या में ईबीसी के लोगों के शामिल होने की संभावना है.₹- नरेश प्रसाद अकेला, जिलाध्यक्ष, नालंदा नालंदा पर कांग्रेस की नजरः आपको बताएं कि बिहार में महागठबंधन की ओर से नालंदा के तीन विधानसभा क्षेत्रों से कांग्रेस के उम्मीदवार को टिकट मिलने की उम्मीद है. जिनमें राजगीर से जेडीयू से पूर्व विधायक सह वर्तमान में कांग्रेस नेता रवि ज्योति के टिकट की दावेदारी पक्की है, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह विधानसभा क्षेत्र हरनौत से कांग्रेस के कद्दावर नेता अनिल सिंह की दावेदारी है. नालंदा विधानसभा क्षेत्र से कौन होगा उम्मीदवार, अभी कुछ भी तय नहीं दिख रहा है.

महागठबंधन के बहकावे में नहीं आने वाले लोग :महाचंद्र प्रसाद सिंह

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : "नरेंद्र मोदी ने गरीब सवर्णों के दुख दर्द को समझा है. केंद्र की सरकार ने 10% आरक्षण का प्रावधान किया. इसी आधार पर बिहार सरकार ने भी आरक्षण का प्रावधान किया है. 2025 के चुनाव में एनडीए के पक्ष में सवर्ण वोटर मजबूती के साथ खड़े रहेंगे. सवर्ण मतदाता महागठबंधन के बहकावे में आने वाले नहीं हैं." ये कहना है बिहार में सवर्ण आयोग के अध्यक्ष नियुक्त किए गए महाचन्द्र प्रसाद सिंह का. महाचन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि सवर्ण के अंदर गरीब और अमीर के बीच खाई बहुत अधिक है. कुछ लोग तो बेहद अमीर हैं, लेकिन कुछ लोग बेहद गरीब हैं. उनकी गरीबी ऐसी है कि उन्हें दो वक्त का भोजन नहीं मिल पाता है. उनकी स्थिति कैसे सुधारें इसे लेकर मैं काम करूंगा और सरकार को वास्तविक स्थिति से अवगत कराने का काम करूंगा. बिहार में सवर्ण की स्थिति चिंताजनक : कार्यभार संभालने के बाद महाचंद्र प्रसाद

सिंह ने कहा कि मेरे लिए यह जिम्मेदारी चुनौती पूर्ण है. मेहनत के साथ मैं इस जिम्मेदारी को निभाने का काम करूंगा. महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रदेश इकाई के प्रति आभार व्यक्त करता हूं. बिहार में स्वर्ण की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है. कई परिवार भूखे पेट सोने को मजबूर हैं. बिहार में 25 प्रतिशत सवर्ण गरीबी रेखा से नीचे : दरअसल, बिहार में हुए जातिगत गणना के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में सवर्णों की तादात 15.52 % है. बिहार में इनकी संख्या 2 करोड़ दो लाख 91 हजार के आसपास है. सवर्ण में 25% से अधिक आबादी गरीब हैं. जातिगत आधार पर अगर बात कर लें तो भूमिहार 27.58%, ब्राह्मण 25.32%, राजपूत 24.89, कायस्थ 13.83% परिवार गरीब हैं. सवर्ण में 27.6 प्रतिशत लोग भूमिहीन हैं. 'सरकार की उम्मीद पर खरा उतरूंगा' : महाचंद्र प्रसाद सिंह के कौटिल्य नगर आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है. सवर्ण आयोग के अध्यक्ष के रूप में महाचंद्र प्रसाद सिंह के सामने चुनौती बड़ी है. राज्य के अंदर स्वर्ण की दिशा और दशा कैसे सुधारे इसे लेकर आयोग को सुझाव देना है. महाचंद्र प्रसाद सिंह ने ईटीवी भारत से बातचीत के दौरान कहा कि मेरे कंधों पर सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी दी है और इसे मैं बखूबी निभाने की कोशिश करूंगा. नीतीश सरकार का मास्टर स्ट्रोक! : बता दें कि नीतीश सरकार ने एक बार फिर सवर्ण आयोग का गठन किया है. विधानसभा चुनाव से पहले सवर्ण आयोग के गठन का फैसला लिया गया है. भाजपा नेता महाचंद्र प्रसाद सिंह को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है. 36 साल तक रहे विधान पार्षद : महाचंद्र प्रसाद सिंह तिरहुत स्नातक क्षेत्र से विधान पार्षद चुने जाते रहे हैं. 36 साल तक महाचंद्र प्रसाद सिंह विधान पार्षद रहे. फिलहाल महाचंद्र सिंह भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में काम कर रहे थे.

लालू यादव जिंदाबाद' के बाद जमकर चले लात-घूसे, कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर फेंकी कुर्सी

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

भागलपुरः सुलतानगंज में राजद के संघटनात्मक चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी. इसी दौरान नेताओं ने जैसे ही लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाए कि दो पक्षों के समर्थक आपस में भिड़ गए. पहले दो पक्षों में बहस हुई. इसके बाद धक्का मुक्की के साथ साथ लात-घूसे भी चलने लगे. एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकी गयी. इस घटना का वीडियो भी मौजूद है. दो गुटों में बहसः सुल्तानगंज में राजद का संघटनात्मक चुनाव होना था. प्रखंड अध्यक्ष चुने जाने को लेकर निर्वाचन की प्रक्रिया चल रही थी. सुलतानगंज प्रखंड अध्यक्ष के लिए वर्तमान अध्यक्ष के अलावा 10 अन्य लोगों ने भी नामांकन किया था. चुनावी प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही वर्तमान प्रखंड अध्यक्ष कैलाश यादव और विवेकानंद यादव गुटों के बीच बहस शुरू हो गई. बवाल के कारण चुनाव स्थगितः देखते ही देखते आपस में गाली-गलौज पर उतर आए, फिर जमकर लात घूसे और कुर्सियां चलने लगी. चुनावी प्रक्रिया को

बाधित होते देख पार्टी पदाधिकारियों ने चुनाव को स्थगित करने का फैसला लिया. चुनावी प्रक्रिया सुल्तानगंज प्रखंड के कुमैठा पंचायत स्थित दिनदयाल किसान भवन में आयोजित किया गया था.

पदाधिकारी के सामने भिड़े कार्यकर्ताः कार्यक्रम की निगरानी के लिए जिला राजद अध्यक्ष ने निर्वाचन पदाधिकारी रोहित यादव और सहायक निर्वाचन पदाधिकारी धनेसर मंडल को भेजा था. दोनों अधिकारी के सामने ही राजद कार्यकर्ता एक दूसरे पर कुर्सियां चलने लगे. इस दौरान राजद के जिला और प्रखंड स्तर के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौके पर उपस्थित थे. मैदान में कुल 11 प्रत्याशीः प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए कुल 11 प्रत्याशी मैदान में थे. नामांकन प्रक्रिया के बाद जब चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली थी तभी दो प्रमुख गुटों एक ओर से विवेकानंद यादव और दूसरी ओर से वर्तमान प्रखंड अध्यक्ष कैलाश यादव के समर्थकों में बहस शुरू हो गई. यह बहस धीरे-धीरे उग्र रूप लेती गई और दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई. कार्यकताओं में तनावः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हंगामे के दौरान कुर्सियों का उपयोग हथियार की तरह किया गया. कुछ लोगों को हल्की चोटें भी आईं. माहौल तनावपूर्ण हो गया जिससे चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह बाधित हो गई. हालात बेकाबू होते देख मौके पर मौजूद पार्टी पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभालने की कोशिश की. ₹प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए काफी संख्या में उम्मीदवार होने के कारण समर्थकों की संख्या भी अधिक थी. बहस और गहमागहमी के बीच स्थिति तनावपूर्ण हो गई इसलिए चुनाव को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है. आगे की तिथि पार्टी द्वारा तय की जाएगी.- रोहित यादव, निर्वाचन पदाधिकारी, राजद

प्रधानमंत्री ने गोवा के लोगों को राज्य दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के लोगों को राज्य दिवस के अवसर पर बधाई दी है। मोदी ने कहा कि गोवा की अनूठी संस्कृति भारत का गौरव है। गोवा के लोगों ने विविध क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यह राज्य हमेशा से दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है।प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, गोवा की अनूठी संस्कृति भारत का गौरव है। गोवा के लोगों ने विविध क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यह राज्य हमेशा से दुनिया भर से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। पिछले एक दशक में बहुत से ऐसे काम हुए हैं जो गोवा की प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं। आशा है कि आने वाले समय में राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में दिल्ली में विकास की रफ्तार थमेगी नहीं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने पर शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में दिल्ली में विकास की रफ्तार नहीं थमेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'पीएम मोदी ने जब मुझे दिल्ली की सेवा का अवसर दिया, तो यह सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक संकल्प था- जनसेवा पर केंद्रित राजनीति, और नीति जो जनकल्याण के लिए हो। इन 100 दिनों में हमने हर वादा जमीन पर उतारने की दिशा में प्रभावी काम किया। हमारी प्राथमिकता साफ थी- विकास ऐसा जो दिखाई भी दे और महसूस भी हो। स्वच्छता, सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और ई-गवर्नेंस- हर मोर्चे पर हमारी कोशिश यही रही कि दिल्ली एक सशक्त, सुरक्षित और समावेशी राजधानी बने। पीएम मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन और 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन से ही यह संभव हो पाया है। दिल्ली की जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। बदलाव की नींव रखी जा चुकी है, विकास की रफ्तार अब थमेगी नहीं। दिल्ली अब सुशासन और सेवा के संकल्प के साथ, निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर एक वर्कबुक जारी की गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस वर्कबुक में सरकार की अब तक की प्रमुख उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का विवरण शामिल है। आयुष्मान भारत योजना का विस्तार, यमुना सफाई अभियान और महिला समृद्धि योजना जैसे महत्वपूर्ण कदम इन 100 दिनों की सेवा का प्रतिबिंब है। हमारी सरकार पीएम मोदी के दिखाए गए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के राह पर अग्रसर है।

दिन निकलते ही गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा ग्रेटर नोएडा, मुठभेड़ में तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार, एक घायल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने शनिवार तड़के एनआरआई कट परी चौक के पास चेकिंग के दौरान लुटेरों से मुठभेड़ में एक बदमाश को घायल कर तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की। जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में एक बदमाश को पैर में गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपी राह चलते लोगों से बंदूक की नोक पर मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम देते थे। एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार का कहना है कि शनिवार तड़के एनआरआई कट के पास चेकिंग के दौरान एक ईको गाड़ी को रुकने का इशारा किया गया। लेकिन उसमें सवार बदमाश तेजी से वाहन चलाकर भागने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर पीछा किया तो घिरते देख तीनों बदमाश गाड़ी छोड़कर भागने लगे और पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया। उसकी पहचान आकाश निवासी गांव भदेदू थाना राजपुर जिला चित्रकूट के रूप में हुई है। वह वर्तमान में फेज-2 कोतवाली क्षेत्र के भंगेल में किराये पर रह रहा था। घायल आकाश के दो अन्य साथियों कृष्ण निवासी बुलंदशहर व राम मौर्या निवासी कासगंज को पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। दोनों भी भंगेल क्षेत्र में किराये पर रह रहे थे।

वायु प्रदूषण रोकने के लिए ऊंची इमारतों पर एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य, नहीं तो होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए दिल्ली सरकार ने ऊंची इमारतों पर सालभर एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य कर दिया है। यह देश में पहली बार है जब किसी शहर ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ऊंची इमारतों को कानूनी रूप से शामिल किया है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह हमारे बच्चों की शुद्ध सांसों के लिए उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। अब बहानों की कोई जगह नहीं है। एंटी-स्मॉग गन लगाने का आदेश व्यावसायिक परिसरों, मॉल, होटलों और संस्थागत भवनों पर लागू होगा। इसका निर्मित क्षेत्र 3,000 वर्ग मीटर से ज्यादा होगा और ऊंचाई ग्राउंड फ्लोर के अलावा 5 मंजिल या उससे अधिक होगी। आवासीय भवनों, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों और व्यक्तिगत मकानों को इसमें छूट दी गई है।

राष्ट्रपति ने 15 नर्सों को प्रदान किए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 15 नर्सों को वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट नर्सिंग कर्मियों द्वारा प्रदान की गई सराहनीय सेवाओं को मान्यता देने और सम्मानित करने के लिए की थी।

पुरस्कार प्राप्त करने वालों में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से रेखा रानी सरकार, आंध्र प्रदेश वलिवेती सुभावती, दादर एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव से सरोज फकीरभाई पटेल, लक्षद्वीप से रजिया बेगम पी बी, महाराष्ट्र से सुजाता अशोक बागुल, असम से बीना पानी डेका, अरुणाचल प्रदेश से किजुम

सोरा कारगा, नई दिल्ली के आरएमएल अस्पताल से डिम्पल अरोड़ा, नर्स दिल्ली से मेजर जनरल शीना पी डी, कर्नाटक से डॉ बानू एम आर, मणिपुर से लीमापोकपम रंजीता देवी, मिजोरम से वी लालमंगई, पुडुचेरी से एल एस मणिमोझी, तमिलनाडु से अलामेलु मगयारकरसी और पश्चिम बंगाल से डॉली बिस्वास शामिल हैं। इस मौके पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने देश के समर्पित नर्सिंग पेशेवरों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2025 से सम्मानित करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आभार व्यक्त किया। अपने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में जेपी नड्डा ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान मानवता की सेवा के प्रति आपके समर्पण का जश्न मनाता है और आपको सकारात्मक प्रभाव डालते रहने के लिए प्रेरित करेगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ब्रिक्स संसदीय फोरम में लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 3 से 5 जून तक ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित होने वाले 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व करेंगे। इस फोरम का मुख्य विषय अधिक समावेशी और दीर्घकालिक वैश्विक शासन विधि के निर्माण में ब्रिक्स संसदों की भूमिका है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, फोरम में ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान) और आमंत्रित देशों के संसदीय अध्यक्ष और सांसद भाग लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला फोरम के पूर्ण सत्र में इंटर-पार्लियामेंट्री सहयोग के लिए जिम्मेदार और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य विषयों पर बोलेंगे। फोरम में भारत की डिजिटल पहल, जिसमें भाषिनी भी शामिल है, पर प्रकाश डाला जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा के उपाध्यक्ष हरिवंश, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र सिंह नागर, लोकसभा सदस्य विजय बघेल, विवेक ठाकुर, डॉ. शबरी बिरेड्डी, लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी शामिल होंगे। फोरम का उद्देश्य ब्रिक्स संसदों की भूमिका को मजबूत करना और वैश्विक शासन में अधिक समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देना है। फोरम में विभिन्न सत्रों में ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी।

चार देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए

एजेंसी

नई दिल्ली। चाड, बेनिन, अल्जीरिया और नाइजर सहित चार देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और उन्हें अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रपति को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत करने वालों में चाड की राजदूत इल्दजिमा बद्दा मल्लोत, बेनिन के राजदूत एरिक जीन-मैरी जिन्सोउ, अल्जीरिया के जनवादी गणराज्य के राजदूत अब्देनोर खलीफी और नाइजर के राजदूत ज़ादा सेडौ शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन राजदूतों का स्वागत किया और भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत इन देशों के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और आपसी हितों को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा। इन राजदूतों की नियुक्ति और परिचय-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को मजबूत करने और आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। यह दोनों देशों के

बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में मदद करेगा। इन राजदूतों की नियुक्ति से भारत और इन चार देशों के बीच व्यापार, संस्कृति, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने की संभावना है। यह भारत के लिए अपने वैश्विक संबंधों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने का एक अवसर है।

आयुष सुरक्षा पोर्टल की शुरुआत, भ्रामक विज्ञापनों पर रखेगा नजर

एजेंसी

नई दिल्ली । भ्रामक विज्ञापनों और दवा को लेकर गलत सूचना को संबोधित करने के लिए आयुष मंत्रालय ने सुरक्षा पोर्टल लॉन्च किया। यह पोर्टल आयुष से संबंधित दवाओं के भ्रामक विज्ञापनों एवं गलत सूचनाओं पर निगरानी रखेगा। आयुष मंत्रालय में आयोजित प्रेसवार्ता में आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि आयुष सुरक्षा पोर्टल नागरिकों और पेशेवरों को सक्रिय भागीदार बनने के लिए सशक्त बना रहा है। यह पोर्टल भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ निगरानी तंत्र के रूप में कार्य करेगा और सुनिश्चित करेगा कि केवल विश्वसनीय उत्पाद ही लोगों तक पहुंचे। आयुष सुरक्षा पोर्टल राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों, राष्ट्रीय फार्मा को विजिलेंस केंद्रों और प्रमुख नियामक हितधारकों से डेटा एकीकृत करके, पोर्टल भ्रामक विज्ञापनों और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं पर निगरानी, व्यवस्थित विश्लेषण और समन्वित कार्रवाई की सुविधा प्रदान

करता है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि इस पोर्टल को जनता के लिए सुलभ बना दिया गया है ताकि कोई भी नागरिक सीधे पोर्टल के माध्यम से भ्रामक विज्ञापनों या एडीआर की रिपोर्ट कर सके। आयुष सुरक्षा पोर्टल को रिट याचिका (सिविल) संख्या में सुप्रीम कोर्ट के 30 जुलाई, 2024 के आदेश के अनुसार विकसित किया गया है, जिसमें कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं से संबंधित डेटा की निगरानी और प्रकाशन के लिए एक केंद्रीकृत डैशबोर्ड की आवश्यकता पर बल दिया था। कोर्ट ने भारत संघ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों को शिकायतों की रिपोर्ट करने, अंतर-राज्यीय रेफरल साझा करने और की गई कार्रवाई की स्थिति को अपडेट करने की अनुमति देने के लिए ऐसी प्रणाली स्थापित की जाए।

राहुल गांधी के रहते कांग्रेस के चार टुकड़े हो जाएंगे : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के 'पीओके' वाले बयान पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के रहते संभव है कि कांग्रेस पार्टी के चार टुकड़े हो जाएं। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि पीओके जल्द भारत में शामिल होगा। जहां तक राहुल गांधी का सवाल है, उनके रहते पीओके का तो पता नहीं, उनकी पार्टी के ही चार टुकड़े हो जाएंगे।रेवंत रेड्डी के बयान कितने राफेल नष्ट किए गए, इस पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कुछ लोगों को देश की जीत पर भ्रम पैदा करने और नकारात्मकता फैलाने की आदत हो गई है। वैसे लोग देश की सफलता पर दुर्भावना के गीत गाते हैं। ऐसे लोग अच्छी तरह जानते हैं कि हमारी सेना ने किस तरह आतंकवादियों को नष्ट किया है और बहादुरी और पराक्रम का परिचय दिया है। आतंकवादी रो

रहे हैं और उनके नेता उनके आंसू पोंछ रहे हैं। उनकी असहिष्णुता पीएम मोदी की सफलता के खिलाफ हो सकती है, लेकिन देश की सफलता के प्रति असहिष्णुता और नकारात्मकता उनके हित में नहीं है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि शशि थरूर कभी कांग्रेस पार्टी के चहेते थे। लेकिन, आज वे पार्टी की आंख की किरकिरी बन गए हैं, क्योंकि वह राष्ट्रहित में बोल रहे हैं, आतंकवाद को खत्म करने के लिए मजबूती से खड़े हैं। वह कांग्रेस की नकारात्मक मानसिकता से सहमत नहीं हैं और इसलिए उनके लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। जो व्यक्ति कभी उनका पसंदीदा हुआ करता था, वही अब उन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा है। यह कांग्रेस पार्टी की असली मानसिकता को दर्शाता है।

कांग्रेस सांसद सलमान खुर्शीद की ओर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की तारीफ पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जो भी जमीनी हकीकत को समझता है, वह कांग्रेस की तरह झूठा प्रचार नहीं करेगा।

यह सच है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोग प्रगति, समृद्धि और राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदार बने हैं। आपको याद होगा कि स्थानीय निकाय चुनाव, जो पहले कभी नहीं हुए, अब कराए गए हैं। विधानसभा और लोकसभा के चुनाव भी हुए हैं। 370 के खत्म होने के बाद 370 से अधिक समस्याएं खत्म हो गई हैं।

दिल्ली में कई न्यायिक अधिकारियों के तबादले

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में न्यायपालिका से जुड़ी बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के तहत कई न्यायिक अधिकारियों के तबादले किए गए। इस फेरबदल में कड़कड़डूमा कोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगों से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रहे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) समीर बाजपेयी और एएसजे पुलस्त्य प्रमाचला जैसे प्रमुख न्यायिक अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।दिल्ली उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी अधिसूचना के अनुसार, एएसजे समीर बाजपेयी को साकेत कोर्ट (दक्षिण-पूर्व जिला) में एएसजे-फास्ट ट्रैक कोर्ट (एफटीसी) के रूप में स्थानांतरित किया गया है।वह अब तक उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगों मामले की सुनवाई कर रहे थे, जो यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत दर्ज है। इस मामले में शेरजील इमाम, उमर खालिद, ताहिर हुसैन, खालिद सैफी और सफूरा जरगर सहित कई प्रमुख आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया चल रही थी।वहीं, एएसजे पुलस्त्य प्रमाचला, जो कड़कड़डूमा कोर्ट में कार्यरत थे, उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट में जिला न्यायाधीश (वाणिज्यिक न्यायालय) के रूप में स्थानांतरित किया गया है। प्रमाचला भी कई संवेदनशील मामलों की सुनवाई से जुड़े हुए थे। इसके अलावा, राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष सीबीआई जज संजीव अग्रवाल का भी तबादला किया गया है। वह अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले की सुनवाई कर रहे थे। उन्हें अब तीस हजारी कोर्ट में जिला जज (कमर्शियल कोर्ट) के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में जज संजीव अग्रवाल ने अगस्ता वेस्टलैंड केस में मुख्य आरोपी और ब्रिटिश बिचौलिये क्रिश्चियन मिशेल जेम्स से यह कहते हुए नाराजगी जाहिर की थी कि यह देखकर दुख हुआ कि सात साल में भी मुकदमा शुरू नहीं हुआ है।

नई दिल्ली में हुई भारत-अमेरिका आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण वार्ता हुई है। यह भारत-अमेरिका आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता है, जिसका आयोजन 28 से 30 मई तक नई दिल्ली में किया गया। भारतीय सेना के मुताबिक, इन विचार-विमर्शों का उद्देश्य मौजूदा समय में चल रहे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की समीक्षा करना है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का मूल्यांकन, सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान, अंतर-संचालन क्षमता को सशक्त बनाना और व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करना भी इस वार्ता का उद्देश्य था। भारतीय सेना के मुताबिक, दोनों पक्षों ने वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में एक मजबूत भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की है। गौरतलब है कि इससे पहले, लेफ्टिनेंट जनरल जे.बी. वॉवेल, डिप्टी कमांडिंग जनरल, यूएस आर्मी पैसिफिक ने 28वीं एग्जीक्यूटिव स्टीयरिंग ग्रुप (ईएसजी) बैठक के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि, उपसेनाध्यक्ष (वीसीओएएस) से मुलाकात की थी। यह संवाद भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत

करने और आर्मी-टू-आर्मी सहयोग को बढ़ावा देने के प्रति भारतीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सेना का कहना है कि हम मिलकर विश्वास, आपसी सहयोग और साझा रणनीतिक हितों की एक मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं। गौरतलब है कि भारत विश्व के विभिन्न देशों के साथ अच्छे सामरिक, आर्थिक और सामाजिक संबंध रखता है। जहां एक ओर अमेरिकी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता का यह दौर पूरा हुआ है, वहीं शनिवार से भारत और मंगोलिया की सेना एक संयुक्त सैन्य अभ्यास करने जा रही हैं। यह अभ्यास मंगोलिया में होगा। परंपरागत सैन्य अभ्यास से हटकर इस संयुक्त सैन्य अभ्यास की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि यहां दोनों सेनाएं साइबर युद्ध संबंधित एक्सरसाइज करती दिखाई देंगी। इसके अलावा, दोनों देशों के सैनिक एक-दूसरे के परिचालन अनुभवों से भी सीखेंगे।

एनसीआर में मौसम ने बदला मिजाज, अगले तीन दिन बारिश के आसार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तेज हवाओं ने मौसम का मिजाज बदल दिया। हालांकि तापमान में ज्यादा गिरावट न होने के कारण रात भर उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करती रही। से ही आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं और मौसम में नमी बनी हुई है। मौसम विभाग ने लिए एनसीआर में करीब 4 मिलीमीटर बारिश की संभावना जताई है। भारतीय मौसम विभाग की वेबसाइट पर जारी जानकारी के अनुसार, अगले तीन दिनों तक यानी 30 मई से 4 जून तक एनसीआर और इसके आसपास के इलाकों में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। 30 मई को आईएमडी ने गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की चेतावनी दी थी। 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई थी। हालांकि 31 मई और 1 जून को 'नो वार्निंग' रही, लेकिन मौसम में अस्थिरता बने रहने की संभावना है। 1 जून को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है। 2 जून को गरज-चमक के साथ बारिश का पूर्वानुमान है, वहीं 3 जून को भी मध्यम बारिश के साथ बादलों की मौजूदगी बनी रहेगी। 4 जून को बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। तापमान में मामूली गिरावट देखने को मिलेगी, लेकिन ह्यूमिडिटी अधिक रह सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस समय पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवाओं के कारण एनसीआर में लगातार मौसम में बदलाव हो रहा है। हालांकि मानसून के आगमन में अभी कुछ दिन बाकी हैं, लेकिन इससे पहले की यह प्री-मानसूनी गतिविधियां लोगों को थोड़ी राहत जरूर दे सकती हैं। अगले 3 दिनों के मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 2 जून को गरज के साथ बारिश, अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहने की संभावना है।

सौरभ भारद्वाज ने जारी किया दिल्ली सरकार के 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड, लगाए कई आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार के 100 दिनों को 'असफलताओं से भरा हुआ काल' करार देते हुए एक वैकल्पिक रिपोर्ट कार्ड जारी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने खुद का झूठा रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है, लेकिन आम आदमी पार्टी ने एक असली रिपोर्ट कार्ड पेश किया है। सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से दिल्लीवासियों की तरफ से पांच महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। जिनमें दिल्ली की महिलाओं को वादा किए गए 2500 प्रतिमाह कब मिलेंगे? 10,000 से ज्यादा बस मार्शलों को नौकरी से हटाया गया था, और उन्हें 60 दिन में पुनः बहाल करने का वादा किया गया था – अब तक नौकरी क्यों नहीं मिली? निजी स्कूलों द्वारा बढ़ाई गई फीस को वापस लेने का आदेश कब जारी किया जाएगा? डीपीएस द्वारका में बच्चों को प्रताड़ित करने की शिकायत पर अब तक एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई? क्या डीपीएस द्वारका को सरकार अपने नियंत्रण में ले रही है? अगर हां, तो कार्रवाई कब शुरू होगी? उन्होंने भाजपा सरकार पर जनहित की योजनाओं को बंद करने का आरोप भी लगाया। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा ने 'फरिश्ते

स्कीम' को बंद कर दिया, जिसके कारण हाल ही में एक 9 साल के बच्चे की मौत हो गई। इसके अलावा, भाजपा ने होली और दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन न केवल यह वादा अधूरा रहा, बल्कि सिलेंडर की कीमत 50 और बढ़ा दी गई। झुग्गी-झोपड़ी वालों से किए गए वादों को लेकर भी आम आदमी पार्टी ने भाजपा को घेरा। सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'जहां झुग्गी, वहां मकान' का वादा करके अब उन्हीं झुग्गियों पर बुलडोजर चलवाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार चोरी-छिपे फैसले ले रही है और अभिभावकों से अहम जानकारियां छुपा रही है, जबकि प्राइवेट स्कूलों को हर जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार एक नया एक्ट ला रही है, लेकिन उसे विधानसभा में प्रस्तुत करने की बजाय अध्यादेश के जरिए लागू करना चाहती है, ताकि जनता के बीच चर्चा न हो सके।

दिल्ली में कोरोना के नए वेरिएंट से पहली मौत, 60 साल की महिला ने तोड़ा दम

एजेंसी

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना से पहली मौत की पुष्टि हुई है। 60 वर्षीय मृतक महिला पहले से ही कई बीमारियों से जूझ रही थी। कोरोना को लेकर लोगों के बीच में डर का माहौल पैदा कर दिया है। दिल्ली में कोरोना के मामलों में तेजी देखने को मिल रही है। लेकिन, स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि वो हर प्रकार की परिस्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से दुरूस्त कर ली गई है। राजधानी में कोरोना के 104 मामले सक्रिय हैं। इनमें से 99 मामले पिछले एक सप्ताह के दौरान बढ़े हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में सबसे ज्यादा सक्रिय मामले केरल में हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और दिल्ली का नंबर आता है। केरल में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या 430, महाराष्ट्र में 209 और दिल्ली में 104 हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 मई तक 24 सक्रिय मामले थे। लेकिन, एक ही हफ्ते में 99 मामले और बढ़े, जबकि 24 मरीज अब तक रिकवर हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, कई राज्यों में सक्रिय मामले बढ़े हैं, जिनमें केरल (+355), महाराष्ट्र (+153) और दिल्ली (+24) शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ जगहों पर मौतों में भी इजाफा हुआ है, जिनमें महाराष्ट्र (+4) और कर्नाटक (+1) शामिल हैं। हालांकि, बहुत से राज्यों में कोई नया मामला या मौत नहीं दर्ज की गई है। इसके अलावा, कोविड-19 से सबसे ज्यादा मरीज महाराष्ट्र में ठीक हुए हैं। महाराष्ट्र में 8,29,849, केरल में 6,84,927 और आंध्र प्रदेश में 2,32,635 में सबसे अधिक मरीजों ने कोरोना को मात दी है। सबसे ज्यादा मौतें (कोरोना की पहली लहर से अब तक) :महाराष्ट्र (1,48,606), तमिलनाडु (38,086) और कर्नाटक (40,412) में हुई हैं। बता दें कि 19 मई के बाद देश के कई राज्यों में कोरोना वायरस के नए मामले दर्ज किए गए हैं। जिनमें आंध्र प्रदेश में (4), छत्तीसगढ़ में (1), गोवा में (1), गुजरात में (76), हरियाणा में (8), कर्नाटक में (34), मध्य प्रदेश में (2), राजस्थान में (11), तमिलनाडु में (3) और तेलंगाना में (1) मरीज शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुंदर कांड पाठ का हुआ आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - अंबा,औरंगाबाद,बिहार के श्रीमद् भागवत कथा वाचक आचार्य राजेश शास्त्री जी के द्वारा भव्य सुंदर कांड पाठ पर कथा जोड़ा मंदिर,ओझा मार्केट के सामने,विकास नगर में सुनाई गई। कथा वाचक आचार्य राजेश शास्त्री जी ने हनुमान जी की भक्ति,शक्ति,वीरता एवं बुद्धिमता,माता सीता जी,लंका दहन,विभीषण,रावण आदि आदि के प्रसंग पर भक्तिमय संगीत के साथ साथ विस्तार पूर्वक कथा सुनाई।इस धार्मिक आयोजन की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेविका सह भाजपा नेत्री सीमा मिश्रा ने किया।इस कथा मे रांची के लोकप्रिय विधायक सी.पी.सिंह,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, समाजसेवी ललित ओझा,मंतोष सिंह,सोनू सिंह,विक्की शर्मा,चंदन कुमार,सोनू भारद्वाज आदि उपस्थित हुए और कथा सुने।महाआरती एवं भोग लगा महाप्रसाद वितरण के साथ कथा की समापन हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से शुभम कुमार,गोलू चौधरी,किरण देवी,सरिता देवी, मीणा देवी,सविता देवी,भानु देवी,पूनम देवी,रानी देवी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आंधी तूफान से उड़े अल्वेस्टर घर का हुआ तहस-नहस घर का सामान भी हुआ नष्ट

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर प्रखंड कैम्बो पंचायत के सरगांव मुजुर्ली गांव में 1.एक मई 2025 को जो जोरदार आंधी तूफान और बारिश के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हो गया जिसमें सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हुआ रविंद्र उरांव पिता साधो उरांव का बताया जा रहा है कि पूरा घर का अल्बेस्टर हवा में उड़ गया जिससे एक भी अल्बेस्टर सही सलामत नहीं बचा और घर में बारिश होने के कारण सारा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया था और इस बार मौसम अचानक खराब कभी भी हो जा रहा है इससे उस घर परिवार के लोगों का डर का माहौल बना रहता है!

मांडर, 12वीं की परीक्षा में संत अन्ना इंटर कालेज मांडर के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन, सलोनी कुमारी सांइस व ईशा किंडो कॉमर्स की स्कूल टॉपर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - झारखंड बोर्ड के12 हवीं की परीक्षा में संत अन्ना इंटर कालेज मांडर के साइंस व कामर्स के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है. कालेज की प्राचार्या मेरी बागे के अनुसार साइंस में कालेज से कुल 251 छात्रों ने इंटर की परीक्षा दी जिसमें 159 प्रथम व 36 द्वितीय श्रेणी से व 1 तृतीय श्रेणी से उतीर्ण हुए हैं. (458) 91.6% अंक लाकर सलोनी कुमारी कालेज टॉपर हुई है. वहीं(443) 88.6 अंक प्राप्त कर रेहान अंसारी ने कालेज में दूसरा व मुस्कान परवीन ने (436) 84.6 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. जबकि कॉमर्स में (418) 83.6% अंक प्राप्त कर ईशा किंडो स्कूल टॉपर हुई है. वहीं (404) 83.6% अंक लाकर पृथ्वी कुमार साहू ने दूसरा व (400) 80% अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रिंसिपल मेरी बागे ने सभी छात्रों को बधाई दी है और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है!

उपायुक्त हेमंत सती ने किया करमपहाड़ चेक डैम एवं मोती झरना का निरीक्षण

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा करमपहाड़ स्थित चेक डैम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने डैम की वर्तमान स्थिति, जल संरक्षण की व्यवस्था एवं उसके रखरखाव की समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चेक डैम के माध्यम से ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिए ठोस योजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल मोती झरना का भी दौरा किया। उन्होंने पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए मोती झरना क्षेत्र के सौंदर्यीकरण, मूलभूत संरचना के विकास और जलप्रपात के आस-पास पर्यटक सुविधाओं की व्यवस्था हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (उढफ) तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने ज्योन्धार क्षेत्र का भी अवलोकन किया और संभावित निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि जिले में पर्यटन विकास से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

प्रत्येक प्रखंड में बनेंगे तीन-तीन मॉडल सामुदायिक शौचालय - डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने विडियो कॉन्फ्रेंस कर जिले में क्रियान्वित योजनाओं का समीक्षा किया। उन्होंने अबुआ आवास योजना अंतर्गत 28 मई को पंद्रह सौ आवासों के गृह प्रवेश को उपलब्धि बताया तथा इसे हर माह को आवास दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। आवास योजना के तहत अगले एक सप्ताह में 240 आवास पूर्ण करने का लक्ष्य प्रखंडों के बीच बांटा गया तथा प्रतिदिन इस-ाकी मानिटरिंग करने हेतु निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 10 जून से सभी प्रखंडों का भ्रमण करेंगे जिसमें कार्यालय निरीक्षण, चार पंचायतों में योजना जांच करेंगे तथा लाभुकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं से रूबरू होंगे। इसकी शुरूआत लिट्टीपाड़ा प्रखंड से करने की बात कही है। जेएसएलपीएस की दीदीयों के लिए दुकान जिला परिषद की योजना के माध्यम से कराया जाएगा ताकि उनको अपने उत्पादों को बेचने में सहुलियत हो सके। सभी प्रखंडों में पानी सप्लाई के लिए खरीदे गए टैंकर का भुगतान से संबंधित समीक्षा की गई जिसे एक सप्ताह में राशि भुगतान का निर्देश दिया गया। वही मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना में 80 प्रतिशत योजना ऑनगोइंग तथा पौधारोपण पूर्व कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। पूर्व से क्रियान्वित बिरसा हरित ग्राम योजना के बड़े पैंच में विडियोग्राफी करवाने जिसके पहले योजना में ट्रेंच, सीआईबी, निकाई गुड़ाई, जलकुंड, घेराबंदी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इन बड़े पैंच में पानी की आवश्यकता को देखते हुए डीप बोरिंग हेतु प्रस्ताव की मांग

की गई। उन्होंने 8 जून को सभी प्र-खंडों में गड्ढा कोड़ो अभियान चलाने का निर्देश दिया जिसके तहत पच्चीस हजार गड्ढा खुदाई करने का लक्ष्य रखा। बागवानी दिवस प्रत्येक माह के आठ तारीख को रखने की बात कही तथा आवास दिवस 28 तारीख एवं रक्तदान शिविर प्रत्येक माह की 24 तारीख को करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा में महिला भागीदारी 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 52 प्रतिशत करने हेतु निर्देश दिए गए। यह कदम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। आवास योजना में 63 प्रतिशत लाभुकों को मनरेगा के तहत पूर्णतः 90 मानव दिवस सृजन करने का निर्देश दिया गया।बचे हुए खराब चापानल एवं जलमीनार मरम्मति को अधिक से अधिक संख्या में गैंग लगाकर दुरूस्त करने हेतु कहा गया। राशन वितरण में पारदर्शिता लाने हेतु सभी पंचायतों में नोटिस बोर्ड पर सूचना जारी करने को कहा गया जिसमें यह उल्लेख रहे कि जून माह का अनाज 1 से 15 जून तक वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार 16 से 30 जून को जुलाई माह का अनाज तथा 1 से 15 जुलाई को माह अगस्त का राशन वितरण किया जाएगा। अंचल अधिकारी से संपर्क कर जमीन संबंधी मामलों का निष्पादन हेतु बीडीओ को निर्देश दिया गया। साथ ही पुराने जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़े भवनों को डिमालिस हेतु भवन निर्माण विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। प्रखंडों में बनने वाले मिल्क पार्लर का उद्घाटन 15 अगस्त को करने का लक्ष्य रखा गया। खेल तथा पर्यटन पर निर्माण संभावनाओं के लिए प्रस्ताव की मांग की गई। उन्होंने साइकिल वितरण की समीक्षा में कहा कि विद्यालय खुलने पर तुरंत साइकिल वितरण कर दिया जाय ताकि बच्चों को विद्यालय आने जाने में सुगमता हो सके। प्रखंड विकास पदाधिकारीयों को निर्देश दिया गया कि सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए स्थल चिन्हित किया जाय जिसमें एक 15 वें वित्त से तथा दो -दो अन्य मद से जिला स्तर पर निर्माण किया जाएगा। सामुदायिक शौचालय की देखभाल तथा सुव्यवस्थित रखने के लिए इसके इस्तेमाल पर राशि तय की जाएगी।

पाकुड़ पॉलिटेक्निक के छात्रों ने सामाजिक सेवा कर तंबाकू निषेध का फैलाया संदेश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शनिवार तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर पाकुड़ पॉलिटेक्निक, पाकुड़ के छात्रों ने एक जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए तंबाकू-मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा दिया और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समर्पण और उद्देश्य के साथ निभाया। मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी निखिल चंद्र की पहल और संस्थान के निदेशक अमिया रंजन बड़ाजेना के प्रोत्साहनपूर्ण समर्थन में यह अभियान आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। छात्रों ने प्रभावशाली पोस्टर और तख्तियाँ तैयार कीं और एक जन-संपर्क अभियान चलाकर स्वस्थ, तंबाकू-मुक्त जीवन जीने का संदेश प्रसारित किया। स्लोगन

और सूचनात्मक चित्रों के माध्यम से छात्रों ने आम जनता से बातचीत की, उन्हें तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जानकारी दी और एक बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्थानीय निवासियों ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना की और सकारात्मक सहयोग दिया। अभियान के अंतर्गत एक पोस्टर और तख्ती निर्माण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रथम स्थान पर पियूष सिंह, द्वितीय स्थान पर नंदनी कुमारी, तथा तृतीय स्थान पर सुबोध कुमार साहा रहे। ये तीनों विजेता प्रथम वर्ष के विद्युत इंजीनियरिंग विभाग से हैं। निदेश-ाक अमिया रंजन बड़ाजेना ने ऑनलाइन संदेश के माध्यम से छात्रों की सराहना की और इस प्रकार के जागरूकता अभियानों की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह समाज को जिम्मेदार और स्वास्थ्य-सचेत बनाने में सहायक होते हैं। यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि पाकुड़ पॉलिटेक्निक केवल तकनीकी शिक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से जागरूक और उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण के लिए भी प्रतिबद्ध है। संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने छात्रों के उत्साह की सराहना की और उनके प्रयासों को समर्थन प्रदान किया। पाकुड़ पॉलिटेक्निक छात्रों में नागरिक जिम्मेदारी, पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें कुशल पेशेवरों के साथ-साथ जिम्मेदार व्यक्तित्वों के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत प्रयासरत है।

सुधीर ने रक्तदान कर बचाई 17 वर्षीय बच्ची की जान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः सत्य सनातन संस्था के आह्वान पर शनिवार को कोर्ट कर्मचारी सुधीर कुमार सिंह ने रक्तदान कर 17 वर्षीय बच्ची खुशी पहाड़िया की जान बचाकर मानवता का परिचय दिया है। संस्था के जिला अध्यक्ष हर्ष भगत ने कहा कि शहर के किताझोर निवासी खुशी पहाड़िया बहुत की गरीब परिवार से है। वह अचानक बिमारी हो गई। बिमारी के ईलाज के लिए पड़ोस के मेघदूत घोष ने बच्ची को अस्पताल में भरती कराया था। चिकित्सकों ने ईलाज के दौरान बच्ची के शरीर में रक्त की कमी बताते ही रक्त उपलब्ध करने की सलाह दी। चिकित्सक के सलाह में मेघदूत ने रक्त के लिए संस्था से सहयोग की अपील की। संस्था के आग्रह पर न्यायालय कर्मचारी सुधीर सिंह ने पुराना सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष में पहुंचकर बच्ची को रक्तदान किया। सुधीर ने बताया कि रक्तदान महादान है। इस कार्य कि लिए कभी पीछे नहीं रहेंगे। किसी का जान बचाना यह एक अच्छा मौका है। सुधीर ने रक्तदान के लिए लोगों से बढ़-चढ़कर आगे आने की अपील की। संस्था के जिला अध्यक्ष ने कहा कि संस्था रक्तदान के प्रति लोगों को हमेशा जागरूक करती है। आगे भी इस कार्य को संस्था जारी रखेगा। रक्तदान महादान से इस कार्य के लिए सभी को आगे रहना चाहिए। रक्त मिलने के बाद बच्ची के परिजनों ने संस्था को धन्यवाद दिया है। मौके पर संस्था के अजय भगत, रक्त अधिकोष के नवीन कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

पाकुड़ नगर के वार्ड संख्या 03 में कांग्रेस का चला जनसंपर्क अभियान, दर्जनों समर्थक ने लिया हिस्सा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ नगर के वार्ड संख्या 03 में आज कांग्रेस पार्टी द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया गया। यह अभियान अशोक दास (पाकुड़ प्रखंड एवं नगर कांग्रेस प्र-वेक्षक) के दिशा-निर्देश पर आयोजित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व पाकुड़ जिला कांग्रेस कमिटी की महासचिव मोनिता कुमारी ने किया। कार्यक्रम में दर्जनों महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को अपनाने का संकल्प लिया। मोनिता कुमारी ने जनता से संवाद के दौरान कांग्रेस की नीतियों और महागठबंधन सरकार के जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो हर वर्ग के अधिकार और सम्मान

की लड़ाई लड़ती है। इस दौरान नगर अध्यक्ष वंशराज गोप भी मौजूद थे, जिन्होंने भी पार्टी के पक्ष में माहौल तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। जनसंपर्क अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की कई समस्याएं जैसे जल-जमाव, नाली की साफ-सफाई, राशन वितरण में अनियमितता, नाला निर्माण और सड़क मरम्मती की मांग को प्रमुखता से रखा। इन समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मोनिता कुमारी ने भरोसा दिलाया कि वे इन सभी मुद्दों को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव माननीय तनवीर आलम के समक्ष रखेंगी और उनके सहयोग से जल्द से जल्द समाधान निकालने का प्रयास करेंगी। मौके पर मौजूद लोगों ने तनवीर आलम की कार्यशैली, सादगी और जमीनी जुड़ाव की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि तनवीर आलम जैसे नेता कांग्रेस संगठन की असली ताकत हैं, जिनके मार्गदर्शन में कार्यकर्ता निडर होकर जनसेवा में लगे हैं। जनसंपर्क अभियान को क्षेत्रवासियों ने बेहद सकारात्मक रूप में लिया और कांग्रेस पार्टी को मजबूती से समर्थन देने का भरोसा जताया। इस दौरान इंद्राणी विश्वास, सरिता देवी, रोहित राउत, गोपाल कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

मुफस्सिल थाना में विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों को दिलाया गया शपथ

साहेबगंज:-विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर मुफस्सिल थाना प्रांगण में अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू के उपस्थिति में पुलिसकर्मियों को शपथ लिया गया। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों को तंबाकू उपयोग खिलाफ जागरूक किया गया। बताया गया कि तंबाकू जानलेवा है । यह प्रयोग करने वाले व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है वही लोग तंबाकू और तंबाकू उत्पादों से दूर रहे इसको लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस विभाग की ओर से अभियान चलाया गया। इस कड़ी में साहिबगंज जिले में पुलिस कर्मियों ने भी तंबाकू से दूर रहने की शपथ ली। तंबाकू निषेध दिवस पर थाना में पुलिस कर्मियों के साथ तंबाकू से दूर रहने की शपथ ली गई। इस मौके पर कहा गया कि लोग तंबाकू और तंबाकू उत्पादों से खुद तो दूर रहेंगे ही साथ ही अपने परिवार रिश्तेदारों और समाज के लोगों को भी इससे दूर रहने के लिए जागरूक करेंगे। वही बताया गया कि तंबाकू के उपयोग से होती है खतरनाक बीमारियां। इससे अनेकों घर तबाह हो रहे हैं।

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा बाजार समिति से अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर बाजार समिति के सचिव राहुल कुमार के पत्र के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी देवघर के द्वारा बाजार समिति से अतिक्रमण एवं अवैध निमार्णों को हटाने की कार्रवाई की गई बाजार समिति से अतिक्रमण हटाने के लिए दंडाधिकारी के रूप में अंचल अधिकारी देवघर अनिल कुमार देवघर को तैनात किया गया था। पुलिस बल की मौजूदगी में बाजार समिति परिसर में बने अवैध निर्माण झोपड़ी

होटल आदि को हटाया गया साथ ही सीओ के द्वारा वहां मौजूद व्यापारियों को निर्देश दिया गया कि समिति कार्यालय द्वारा जितनी जगह उपलब्ध कराई गई उतनी जगह पर ही व्यापार करें वैसे लोग जो अनधिकृत रूप से समिति परिसर की जमीन घेरकर व्यवसाय को संचालित करते हैं तथा जो कारोबारी बाजार समिति में पंजीकृत व्यापारी नहीं है वह सभी परिसर से बाहर ही व्यवसाय करें । गैर पंजीकृत लोगों के व्यवसाय पर पूर्णत रोक लगाने का निर्देश दिया गया है । वैसे व्यापारी जो आवंटित दुकान के अतिरिक्त अवैध निर्माण किए हुए हैं उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी और उनका आवंटन रद्द करते हुए विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

थाना परिसर में जनता दरबार, दो भूमि विवादों का हुआ ऑन स्पॉट निपटारा

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर।

भूमि विवादों के त्वरित निपटारे को लेकर शनिवार को तारापुर थाना परिसर में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार की अध्यक्षता अंचल अधिकारी (सीओ) संतोष कुमार ने थानाध्यक्ष राजकुमार के साथ संयुक्त रूप से की।जनता दरबार में कुल पाँच मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें दो पूर्व से लंबित और तीन नये मामले शामिल थे। वादी-प्रतिवादी की उपस्थिति में प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर दो मामलों का समाधान मौके पर ही आपसी सहमति से कर दिया गया।सीओ संतोष कुमार ने बताया कि शेष तीन मामलों में या तो जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, या फिर किसी एक पक्ष की अनुपस्थिति रही, अथवा दोनों पक्षों में आपसी सहमति नहीं बन पाई। ऐसे में इन मामलों का समाधान नहीं हो सका। उन्होंने संबंधित पक्षों को निर्देश दिया कि अगले जनता दरबार में भूमि से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों, ताकि निष्पक्ष रूप से मामलों का समाधान किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

कोडरमा के नए उपायुक्त ऋतुराज को दी गई बधाई, जनहित को सर्वोपरि रखने का आश्वासन

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा जिले के नवपदस्थापित उपायुक्त ऋतुराज को उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद आज अनेक जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। इस मौके पर पूर्व नगर उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह उर्फ.राजू भैया, पूर्व प्रमुख राजकुमार यादव, अवलोकन मीडिया प्रभारी रितेश कुमार सिंह, टूकलाल यादव समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बधाई देने पहुंचे प्रतिनिधियों ने उपायुक्त ऋतुराज से मुलाकात कर उन्हें जिले की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। उपायुक्त ऋतुराज ने आश्वस्त किया कि वे क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या को गंभीरता से लेंगे और जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि जनसेवा उनकी प्राथमिकता होगी और प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी तथा जनकल्याणकारी बनाना उनका लक्ष्य रहेगा। जनप्रतिनिधियों ने भी विश्वास जताया कि नए उपायुक्त के नेतृत्व में कोडरमा जिले में विकास की गति तेज होगी और आम जनता को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं मिलेंगी।

थाना में फरियाद लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें पुलिस पदाधिकारी,एसपी

दिव्य दिनकर: संवाददाता

चतरा पुलिस लाइन के सभागार में शुक्रवार को जिले के नए पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। बैठक में जिले के सभी एसडीपीओ, डीएसपी, इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ यह पहली बैठक थी। सबसे पहले एसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद जिले के प्रमुख समस्याओं पर चर्चा हुई। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को यह सख्त निर्देश दिया कि थाना में फरियाद लेकर पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं को थानेदार गंभीरता पूर्वक सुनें। लोगों को यह एहसास होना चाहिए कि थाना पुलिस उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। इसमें कोताही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कारवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि जो भी लोग अपनी समस्या लेकर पुलिस पदाधिकारियों के पास पहुंचते हैं, उनके समस्याओं का त्वरित निष्पादन होना चाहिए। चतरा पुलिस लोगों को बेहतर पुलिसिंग कर दिखाएगी। इसके बाद चतरा के लिए बड़ी समस्या बन चुकी अफीम और ब्राउन शुगर की तस्करी पर विसतृत चर्चा हुई। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को यह निर्देश दिया कि अफीम व ब्राउन शुगर की तस्करी में जुटे तस्करों, पेडलरों और इसके सेवन करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करें। किसी भी हाल में चतरा में अफीम और ब्राउन शुगर की तस्करी नहीं होने दिया जाएगा। जो भी लोग इसमें संलिप्त पाए जाते हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए जेल भेजें। बैठक में लंबित मामलों का निष्पादन जल्द से जल्द करने, फरार वारंटियों को गिरफ्तार करने तथा लंबित कुडकी जप्ती के मामलों का निष्पादन करने का भी निर्देश पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया।

झारखंड वॉलीबॉल कैंप का इनडोर स्टेडियम देवघर में हुआ समापन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पूरे झारखंड में 21मई से 30मई तक झारखंड वॉलीबॉल संघ के निदेर्शानुसार कोचिंग कैंप का आयोजन किया गया था ।इस के तहत आज स्थानीय इनडोर स्टेडियम में वॉलीबॉल कैंप का समापन हुआ ।इस कैंप में करीब 25 से 30 बच्चों ने प्रशिक्षण राष्ट्रीय खिलाड़ी सह किसलय क्रीड़ा केंद्र के प्रशिक्षक नितेश पंडित के द्वारा लिया।सभी खिलाड़ियों को कैंप समाप्ति के बाद देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष ध्रुव सिंह द्वारा टीशर्ट भी दिया गया।थ।देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष ध्रुव सिंह ने कहा कि झारखंड वॉलीबॉल संघ के निदेर्शानुसार ये आयोजन काफी अच्छा पहल रहा खिलाड़ियों को किसी प्रकार का कोई दिक्कत न हो इसका ख्याल संघ द्वारा रखा गया ।साथ हीं 8 जून को एक दिवसीय वॉलीबॉल टूनार्मेंट भी कराया जाएगा।इस आयोजन में संघ के सचिव नवीन शर्मा,ऋषि राज सिंह,संजय मालवीय ,मधु रंजन मालवीय, जोगिंद्र तिवारी,बंटी नंदन सिंह,,रोहित सिंह,सुधाकर चौधरी,प्रीतम भारद्वाज,कृष्णकुमार बर्नवाल, गोरे स,जिमी,सहित सभी पदाधिकारी लगे हुए थे।

सर्वब्राह्मण समाज एवं प्रशासन ने सड़क सुरक्षा जागरूकता चलाया

टंडवा-सिमरिया मार्ग ग्राम उड़सू मोड़ में सड़क यातायात परिवहन की पाठ व संदेश दिया

दिव्य दिनकर: संवाददाता

टंडवा, चतरा सर्व ब्राह्मण समाज एवंम् टंडवा प्रशासन द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से बचने और सड़क पर सभी के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश वाहन चालकों को दी गई। यह जागरूकता सड़क नियमों का पालन करने, सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार अपनाने और सड़क पर खतरों से बचने में मदद की नियमों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता के कुछ महत्वपूर्ण पहलू दी गई। सड़क नियमों का पालन, अंचल अधिकारी विजय दास ने बताया सड़क पर चलते समय यातायात नियमों, संकेतों और संकेतों का पालन करना महत्वपूर्ण है,सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार पर तेज गति से वाहन न चलाना, शराब पीकर गाड़ी न चलाना और गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना जैसे सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार,हेलमेंट अपनाने की बात बताया गया। सुरक्षित यात्रा पर सीओ ने कहा की सड़क पर चलते समय तथा पैदल चलते समय या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते समय सभी के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। जैसे में सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क पर सभी के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद मिलती है। सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए क्या किया जा सकता है इसके बारे में में संदेश दिया गया। सड़क सुरक्षा के नियमों और कानूनों के बारे में जागरूकता पैदा करना, सड़क पर सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देना।

बच्चों और युवाओं को सड़क सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना। सड़क सुरक्षा के बारे में प्रचार और जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया जायेगा। सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष उपेंद्र पांडेय के द्वारा भी जागरूकता अभियान में अहम योगदान देते हुए जागरूक कर उद्देश्य वाहन चालकों को दिया गया। जिन चालकों ने हेलमेंट, ओवरलोड, तेज रफ्तार चालकों को फूल की माला पहनकार तथा गुलाब की फूल देते हुए स्वागत कर नियमों को पालन करने का सख्त चेतावनी दिया। और सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करना,तेज गति से वाहन न चलाना,शराब पीकर गाड़ी न चलाना,गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना,सीट बेल्ट और हेलमेट पहनना,सावधान रहना और सड़क पर होने वाले खतरों के बारे में सचेत रहना।सड़क सुरक्षा जागरूकता में सुधार करने से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कम हो सकती है और सड़क पर सभी के लिए सुरक्षित वातावरण बनाया जा सकता है इसका प्रयोग व पालन करने का नियम बतलाया गया। मौके पर डीटीओ ऑफिस से नीरज कुमार समेत ब्राह्मण समाज से ईश्वर दयाल पांडेय, विजय गिरी, विकास धनंजय चौबे मिथिलेश पांडेय, अजीत पांडेय, बैजनाथ पांडेय, सरोज पांडेय समेत अन्य मौजूद थे।

पाकुड़ स्टेशन परिसर में बनेगा सेल्फी प्वाइंट एवं लगेगा एटीएम

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार के पहल पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा राहुल रंजन के निदेशानुसार पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिसर में सेल्फी प्वाइंट एवं यात्रियों तथा आमजनों को सुविधार्थ एटीएम के अधिष्ठापन हेतु पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में स्टेशन प्रबंधक, पूर्व रेलवे पाकुड़ लखीराम हेम्ब्रम,वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) पूर्व रेलवे पाकुड़ परितोष रंजन,वरिष्ठ विद्युत अनुभाग अभियंता (साङ्ग) पूर्व रेलवे पाकुड़ राजू कुमार,कनिय दूरभाष अभियंता संजय कुमार ओझा,नगर परिषद के कनिय अभियंता संजीत मालतो,साहिद सिद्दीकी,ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन,हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय,सचिव राणा शुक्ला,सह सचिव सुशील सहा एवं अनिकेत गोस्वामी मौजूद थे। जिला प्रशासन की ओर से नगर सौन्दर्यीकरण के दृष्टिकोण से नगर को सजाने संवारने का कार्य किया जा रहा है,उसी क्रम में पाकुड़ रेलवे स्टेशन भी सुंदर एवं स्वच्छ दिखे इस हेतु उपायुक्त मनीष कुमार ने पहल किया है।जिसका असर भी अब दिखने लगा है।अपराह्न में जिला प्रशासन की ओर से नगर परिषद के कनिय अभियंता तथा रेल प्रशासन की ओर से के वरिष्ठ पदाधिकारी में संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया तथा संयुक्त जांच प्रतिवेदन बनाकर रेलवे के वरिय पदाधिकारी को समर्पित किया गया है। जांचोपरांत स्टेशन प्रबंधक, पूर्व रेलवे पाकुड़ लखीराम हेम्ब्रम ने बताया कि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,पूर्व रेलवे हावड़ा के पत्र के आलोक में सेल्फी प्वाइंट तथा एटीएम कक्ष निर्माण हेतु संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण किया गया।जिसका संयुक्त जांच प्रतिवेदन बनाकर संबंधित रेल पदाधिकारी को भेजा जा रहा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंजः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि तंबाकू सेवन से मुंह का कैंसर, गले का कैंसर, फेफड़ों एवं पेट संबंधी गंभीर बीमारियों सहित कई अन्य घातक रोगों का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि तंबाकू की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि उनके पूरे परिवार के जीवन को भी संकट में डाल देती है। इस–के कारण आर्थिक हानि, शारीरिक पीड़ा और पारिवारिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं।सचिव श्री भगत ने यह भी बताया कि तंबाकू एवं अन्य नशा युक्त पदार्थों का सेवन समाज में नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है और यह कानूनन अपराध की श्रेणी में भी आता है। ऐसे मादक पदार्थों के सेवन पर विधि द्वारा दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है।उन्होंने यह भी बताया कि नशे की लत विशेष रूप से आम लोगों, श्रमिकों और निम्न आय वर्ग के लिए अत्यंत घातक सिद्ध होती है, जो उनके व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। पारा लीगल वॉलंटियर्स - न्याय मित्रों द्वारा जिले के सुदूरवर्ती गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया और दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गायत्री परिवार ने चलाया नशा मुक्ति भारत अभियान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गायत्री परिवार का नशामुक्त भारत अभियान,, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 म ई को देवघर जिला एवं सभी प्रखंडों के गायत्री परिवार द्वारा नशामुक्त भारत अभियान का संचालन 20 चयनित केन्द्रों से किया गया। इस अभूतपूर्व जनजागरण अभियान जिला समन्वयक बरूण कुमार के मार्गदर्शन तथा मुख्य ट्रस्टी देवनारायण रजक के सामंजस्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने मीडिया को बताया कि ऐसे आयोजन का उद्देश्य है शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकतम घरों के व्यक्तियों से संपर्क हो।ठेलाचालक,टैंपूचालक से लेकर चौक चौराहों पर प्रिंटेड पंपलेट, बैनर, नशामुक्ति संगीत एवं नशा मुक्ति नारे के माध्यम से नशा के कुप्रभाव को बताया गया तथा नशा से मुक्ति के लिए प्राणायाम, सूर्य-नमस्कार एवं गायत्री मंत्र जप को सार्थक बताया गया। आगे इन्होंने कहा कि नशा इतनी अपवित्र वस्तु है जो मानव को दानव बना देती है। नशा हमारे राष्ट्र की सभ्यता संस्कृति एवं मानवता पर कलंक है। तंबाकू, शराब, गुटखा,मादक औषधियां मित्र के रूप में हमारे शरीर में प्रवेश करती है और शत्रु बनकर हमें मार डालती है। गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम, जसीडीह , बेलाबगान, टावर चौक,करनीबाग, मधुपुर,सारठ,सारवां आदि 20 केन्द्रों से नशामुक्त जनजागरण अभियान चलाया गया। अग्रदूत की भूमिका निभाते हुए रतन भरद्वाज, बंशीधर सिंह, केदारनाथ शास्त्री, ब्रह्मचारी ज्ञान प्रकाश, मिलन कुमारी, अनुपमा देवी , निशा देवी, रेणु देवी, अनिता सिन्हा, राधा भारती आदि ने अभियान को जन जन तक पहुंचा कर सफल बनाया। उमाकान्त राय, जिला उपसमन्वयक, गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम देवघर।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर लोगों को धूम्रपान न करने की दिलाई गई शपथ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 31 मई, 2025 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन, देवघर डॉ०युगल किशोर चौधरी कि अध्यक्षता में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया । सबसे पहले फूल गुच्छ देकर सिविल सर्जन, जिला कुष्ट निवारण पदाधिकारी एवं जिला बी. वी. डी पदाधिकारी का स्वागत किया गया, इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इसके बाद सिविल सर्जन के द्वारा बतलाया गया कि तम्बाकू निषेध दिवस प्रत्येक साल 31 मई को मनाया जाता है और इसके मानाने का मुख्य उद्देश्य है कि आज कि युवा पीड़ी को तम्बाकू से होने वाले हानिकारक बीमारियों के बारे में अवगत करना है तथा युवा को तम्बाकू से बचाने के लिए स्वास्थ्य बिभाग से किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी देना है। इसके बाद नोडल पदाधिकारी एन. टी.सी. पी. डॉ. मनोज गुप्ता के द्वारा बतलाया गया कि इस वर्ष का थीम अपील को उजागर करना : तम्बाकू और निकोटिन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना । यह थीम तम्बाकू और निकोटिन उद्योगों द्वारा अपने असुरक्षित उत्पादों को आकर्षण बनाने के लिए नियोजित भ्रामक तकनीकों को उजागर करने और चुनौती देने और केंद्रित है- विशेष रूप से युवा लोगों के लिए। इसके लिए जिले में व्यापक जन-जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को तंबाकू मुक्त भविष्य निर्माण में आगे आना होगा। साथ ही बताया कि जागरुकता रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर ऑडियो संदेश देगा, जिसमें आम जनता को तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों, कोटपा 2003 एवं ई-सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के प्रावधानों की जानकारी देगा अंत में दन्त चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सरद कुमार के द्वारा सभागार में उपस्थित सभी लीगो को तम्बाकू नहीं खाने कि शपथ दिलाए गई साथ ही साथ कार्यक्रम में उपस्थित सभी लीगो के द्वारा हस्ताक्षर अभियान एवं फोटो सेल्फी का कार्यक्रम लोगो को जागरुक करने के लिए किया है और अंत में जागरूकता रथ एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला जिला बी. वी. डी पदाधिकारी डॉ. अभय यादव, जिला महामारी विशेषज्डॉ मनीष शेखर, जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रवीन सिंह, अभिमन्यु कुमार, राजेश कुमार वर्मा ,रवि सिन्हा,मनीष सिंह, राजीव कुमार, रवि चन्द्र मुर्मू ,अभिषेक कुमार इत्यादी उपस्थित थे

महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी महाराज ने आज बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष और नरेंद्र मोदी विकास मिशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ध्रुव प्रसाद शाह की पूरी टीम ने महामंडलेश्वर स्वामी के साथ आज पुनः बाबा बैजनाथ जी का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ कल पंडा समाज के द्वारा सिमरतल्ला के पहाड़ों पर बेलपत्र तोड़ा गया और आज उसी बेल पत्र को लाकर गुरु जी के द्वारा बाबा बैजनाथ पर अर्पित किया गया अनंत विभूषित, श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ, श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य, श्री श्री १००८, निरंजन पीठाधीश्वर, आचार्य महामंडलेश्वर, परमपूज्यपाद स्वामी कैलाशानंद गिरी

महाराज का आचार्य महामंडलेश्वर पद पर अभिषिक्त होने के उपरांत बाबा बैद्यनाथ का पूजा अर्चना किए और विश्व कल्याण का कामना किया समस्त देवघर वासी इस पुण्य अवसर पर हर्षोल्लास पूर्वक उनका हार्दिक वंदन, अभिनंदन एवं नंदन करते हैं। आपका यह आगमन निश्चित ही देवभूमि की आध्यात्मिक चेतना को और भी प्रखर करेगा तथा जनमानस को धर्म, सेवा और साधना के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देगा।

11 हजार वोल्ट के करंट से दो दुधारू गायों की मौत, मालिक ने विद्युत विभाग को ठहराया जिम्मेदार

देवघर। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहिद आश्रम रोड स्थित गोशाला के समीप 31 मई को करंट लगने से दो दुधारू गायों की मौत हो गई। गायों के मालिक शंभू सरण सिंह, पिता स्वर्गीय चुनचुन सिंह ने आरोप लगाया कि यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने बताया कि उनकी गायें रोज की तरह गोचर भूमि पर चरने के लिए सुबह 11 बजे निकली थीं। जब कुछ समय बाद वे अपनी गायों को ढूंढने निकले तो देखा कि उनके घर के पश्चिम दिशा में स्थित एक निजी बागान में 11,000 वोल्ट की हाई वोल्टेज विद्युत तार मात्र 3 फीट की ऊंचाई पर झूल रही थी। दोपहर करीब 12 बजे के आसपास, वही तार दोनों गायों के संपर्क में आ गई, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। शंभू सरण सिंह ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाए, दोषियों पर कार्रवाई हो और उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक चंद्रभूषण सिंह की विदाई समारोह

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बढ़ौनियाँ में प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत चंद्रभूषण सिंह शनिवार को अपने सफल कार्यकाल के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। चंद्रभूषण सिंह का कार्यकाल न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि पूरे प्रखंड के लिए प्रेरणास्रोत रहा। उनके नेतृत्व में विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन और स्वच्छता व्यवस्था जिले में उत्कृष्ट मानी जाती थी। वे अपने सरल, प्रभावी एवं प्रेरणादायक नेतृत्व शैली के लिए विशेष रूप से जाने जाते रहे। समारोह में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कमलेश कुमार, मुखिया वीर कुंवर, पूर्व मुखिया राजन कुमार सिंह सहित कई विद्यालयों के शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने चंद्रभूषण सिंह को पुष्पगुच्छ और उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। अपने विदाई संबोधन में चंद्रभूषण सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा कोशिश की कि कार्य को सरल तरीके से किया जाए और कभी भी अधिकारी बनकर नहीं, बल्कि एक सहभागी बनकर काम किया। उन्होंने कहा कि जब लोगों को यह एहसास हो जाए कि यह कार्य उनका अपना है, तो वे दिल से काम करते हैं। यही सोच लेकर उन्होंने पूरे कार्यकाल में कार्य किया। समारोह भावुक माहौल में सम्पन्न हुआ और चंद्रभूषण सिंह के योगदान को सभी ने हृदय से सराहा। समारोह में उपस्थित पदाधिकारी एवं शिक्षाक गण

शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' शो में जल्द खुलेंगे चमकीली के छिपे राज

शेमारू उमंग के चर्चित शो 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' में हाल ही में जारी प्रोमो ने यह साफ कर दिया है कि जल्द ही एक बड़ा खुलासा होने वाला है, जिसके साथ अब चमकीली के पापों का घड़ा फूटने वाला है। ऐसे में क्या अब चमकीली के कर्मों का फल उसे मिलेगा? या फिर एक बार फिर वो सबको चकमा देकर बच निकलने में कामयाब हो जाएगी? इसी उथल-पुथल के बीच खड़ी है चैना, एक ऐसा किरदार जो सही और गलत के बीच की महीन रेखा पर चलती है वो भी अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि अपने अपनों की रक्षा के लिए। दीक्षा धामी कहती हैं, ₹जब मैंने पहली बार चैना का किरदार पढ़ा, तो मुझे उसमें अच्छाई या बुराई नहीं दिखी बल्कि सिर्फ एक इंसान नजर आई। अगर चैना ने कभी झूठ बोला भी तो सिर्फ अपनों को बचाने के लिए। दीक्षा आगे कहती हैं, चैना की इंसाफ की लड़ाई, मेरे दिल के बहुत करीब है और अब जब चमकीली का राज खुल रहा है, तो असली सवाल ये है कि क्या वो टूट जाएगी या और भी खतरनाक बन जाएगी?

अधिवक्ता पेशा के प्रति आजीवन समर्पित रहे दयापात्र सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- अधिवक्ता पेशा के प्रति आजीवन समर्पित रहे दयापात्र सिंह,इस बात की जानकारी दयापात्र सिंह के शोकसभा में वक्ताओं ने कहा। लोकसभा अधिवक्ता संघ भवन औरंगाबाद में अध्यक्ष संजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि दया पात्र सिंह 1996 में अधिवक्ता संघ के सदस्य के रूप में अधिवक्ता पेशा की शुरूआत की तथा आजीवन अधिवक्ता पेशा के प्रति समर्पित रहे । पूर्व अध्यक्ष इन्द्र देव यादव,प्रो दिनेश प्रसाद,जयकृष्ण सिंह , प्रभात सिंह , उच्च न्यायालय अधिवक्ता सुनील कुमार, अधिवक्ता कल्याण समिति अध्यक्ष रामाश्रय पांडे सचिव अजीत कुमार सिंह ने बताया कि वे सरल और सहज स्वभाव के आदमी ने । यही कारण है कि उनसे सभी खुश रहते थे । अधिवक्ता मधूरेन्द्र सिंह , शक्ति मेहता , सुरेंद्र मेहता गिरजेश नारायण सिंह, शिवम सिंह आलोक कुमार यशवंत कुमार ने बताया कि वे संघ के विकास में हमेशा प्रयासरत रहे । अंत में उनकी दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिवार को इस बिपति को सहने की शक्ति भगवान दें इसके लिए दो मिनट का मौन रखकर भगवान से प्रार्थना की गयी । पुनः प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में उनके न्यायालय कक्ष में दया पात्र की बयक्ति और कृतित्व पर चर्चा करते हूये शोक सभा आयोजित हुई।शोकसभा में अंजनी श्रीवास्तव, बिनोद यादव, अनील कुमार सिंह बिट्टू कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी बच्चों के सर्वांगीण विकास में काफी प्रभावी :- डीईओ

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में बड़ी संख्या में रही पेरेंट्स की भागीदारी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किए। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों का अभिनंदन किया एवं कहा कि उनके सक्रिय भागीदारी से बच्चों में एक एक गुणात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने अपील किया कि सरकार एवं विभाग द्वारा लगातार मुहैया कराया जा रहे अनेकानेक सुविधाओं का तभी सार्थकता होगी जब अभिभावक विद्यालय एवं बच्चों से जुड़ाव रखेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालय में वह भी पढ़े है और उनके अभिभावक भी बहुत पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन वे मेरी पढ़ाई के प्रति सजग थें और नित्य ब्रह्म मुहूर्त में साथ जागकर अध्ययन के प्रति सचेत रखते थे।डीईओ ने पेरेंट्स को भी वैसे ही सचेत रहने हेतु कहा एवं बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की भी नसीहत दी।प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह का विद्यालय के उन्नयन में सार्थक भूमिका निर्वाहन के लिए डीईओ ने प्रशंसा किया।प्रधानाध्यापक ने अभिभावकों को नियमित पीटीएम में आने को कहा एवं बच्चों की पढ़ाई को अपनी प्राथमिकता सूची में रखने को कहा। बच्चों को समर वेकेशन की छुट्टियों में हैप्पी रीडिंग की आदत को डालने को कहा।प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने बड़ी संख्या में आए पेरेंट्स को स्कूल का भ्रमण कराने के क्रम में लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, कंप्यूटर रूम, स्मार्ट क्लास, वीसी नोड, वाटर कूलर प्लांट आदि को दिखलाया। अभिभावकों ने विद्यालय की अच्छी आधारभूत सुविधाओं एवं शैक्षणिक माहौल को सराहा। पीटीएम को प्रभावी तरीके से संपन्न कराने में वरीय शिक्षक योगेंद्र कुमार पाल, मंजु कुमारी, शारदा सिंह,करुणा सिन्हा, नैयर शाहीन, मीना कुमारी, आभा कुमारी, प्रभावती कुमारी, चंद्रमा कुमारी आदि में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए।

कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणव झा का देवघर एयरपोर्ट पर कांग्रेसियों ने किया स्वागत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर एयरपोर्ट पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणव झा का देवघर जिला कांग्रेस के नेताओं तथा कार्यकताओं द्वारा स्वागत किया गया। श्री झा का आगमन दिल्ली वाली शाम की फ्लाइट से देवघर एयरपोर्ट पर हुई। जहां देवघर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय तथा जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने राष्ट्रीय प्रवक्ता को पुष्ट गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया। वहां के बाद वो सीधे देवघर सर्किट हाउस के लिए प्रस्थान कर गए जहां वो रात्रि विश्राम करेंगें। इस दौरान जिला महासचिव-सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, नगर अध्यक्ष रवि केसरी, सोसल मीडिया प्रभारी अमित कुमार पांडेय, युवा जिलाध्यक्ष राहुल सिंह उर्फ कुमार राज,चंदन कुमार आदि आदि मौजूद थे।

कोल काली में रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ 5 जून से

दिव्य दिनकर (पवन कुमार चौधरी)

जमालपुर। महाभारत कालीन काली पहाड़ की तराई में धरहरा प्रखंड क्षेत्र के अमझर में स्थित कोल काली में आगामी 5 जून से 9 जून तक अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए अध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद यादव, सचिव शंभू पासवान तथा कार्यकारिणी सदस्य राजद नेता बमबम यादव ने कहा कि अमझर कोल काली पूजा समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का आयोजन किया जाता है। गुरुवार 5 जून को कलश शोभायात्रा के साथ पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। गुरुवार की संध्या बेला में वैदिक रीति रिवाज से महायज्ञ का आरंभ होगा। 72 घंटों तक चलने वाले इस महायज्ञ के दौरान रामधन संकीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। 8 जून की संध्या में अखंड राम धुन संकीर्तन तथा महायज्ञ का समापन होगा। इस दौरान जमालपुर एवं आसपास के क्षेत्र से आए श्रद्धालु भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। 9 जून को कलश विसर्जन के साथ दिवस के कार्यक्रम का समापन होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मीना बाजार का आनन्द लेंगे श्रद्धालु

5 जून से अमझर कोल काली में आरंभ हो रहे पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धालु भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन समिति की ओर से जमालपुर, मुंगेर, धरहरा एवं आसपास के क्षेत्र से आने वाले

श्रद्धालु भक्तों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही साथ, मेले में आने वाले बच्चों युवाओं एवं महिलाओं के मनोरंजन के लिए मीना बाजार की भी व्यवस्था होगी। जिसमें तरह-तरह के झूले और तारामाची, बच्चों के लिए खिलौने की दुकान, खाने-पीने के लिए विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे।

विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के द्वारा चलाया जाएगा पौधारोपण कार्यक्रम

आगामी 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस का मौके पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के द्वारा विशेष रूप से आधार ओपन कार्यक्रम चलाया जाएगा। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने बताया कि पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय के सहयोग से कोल काली क्षेत्र को हरा-भरा बनाए रखने के उद्देश्य से 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के मौके पर विशेष पौधारोपण अभियान के तहत सैकड़ो पौधे लगाए जाएंगे। जिसमें नीम, बरगद, पीपल, सहजन, कटहल, आम, देवदार जैसे महत्वपूर्ण वृक्ष शामिल है।

चार विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान का किया गया शुभारंभ

मुंगेर। शनिवार को मुंगेर जिला अंतर्गत विद्यालय में मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के तहत पैपिलोमा वायरस एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ सदर प्रखंड अंतर्गत चार पंचायत के प्लस टू उच्च विद्यालय में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने अभियान की शुरूआत की गई। पदाधिकारी ने बताया कि यह टीका विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा करता है। यह महिलाओं में एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। इस योजना के तहत 9 वर्ष से 14 वर्ष के बालिकाओं को यह टीका लगाया जाएगा। वही इस अभियान की निगरानी हेल्थ मैनेजर रवि कुमार स्वयं विद्यालय पहुंचकर कर रहे थे। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृष्ण मुरारी कुमार सहित अन्य सभी विद्यालय के प्रभारी उपस्थित रहे।

राजद नगर अध्यक्ष का चुनाव आज, वार्ड स्तरीय डेलीगेट चुनाव में लेंगे हिस्सा

जमालपुर। राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कमेटी के निर्देश पर मुंगेर जिलांतर्गत जमालपुर नगर राष्ट्रीय जनता दल के नगर अध्यक्ष पद के लिए रविवार को लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराया जाएगा। जानकारी देते हुए राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के नेता सेवानिवृत्त अधिकारी अशोक कुमार यादव ने कहा कि विगत सप्ताह राष्ट्रीय जनता दल की ओर से वार्ड स्तरीय डेलीगेट का चुनाव सम्पन्न कराया गया था। चयनित डेलीगेट के सहयोग से राजद के नगर अध्यक्ष का चुनाव किया जाना है। जमालपुर नगर अध्यक्ष चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में अनिल कुमार भूषण तथा सहायक निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में कंचन रजक को पार्टी की ओर से जिम्मेदारी सौंपी गई है। जमालपुर में राजद के संघटनात्मक चुनाव पर पार्टी आला कमान की है विशेष निगरानी 2022 में संपन्न हुए जमालपुर नगर राजद के संघटनात्मक चुनाव के दौरान मंटू यादव गुट के द्वारा की गई मारपीट की घटना को ध्यान में रखते हुए पार्टी की ओर से इस बार जमालपुर नगर राजद पद के लिए हो रहे संगठात्मक चुनाव पर विशेष निगरानी रखी गई है। नगर अध्यक्ष चुनाव से पहले दिल्ली गेट का चुनाव कराया गया। यही डेलीगेट जमालपुर नगर कमेटी के नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। नगर अध्यक्ष चुनाव के लिए इससे पहले 27 मई की तारीख तय की गई थी। परंतु, किसी भी विवाद को रोकने के लिए नगर अध्यक्ष का चुनाव रद्द कर डेलीगेट का चुनाव कराया गया। इसी आधार पर, नगर अध्यक्ष चुनाव के लिए अगली तारीख 31 मई तय की गई। परंतु, पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के उद्देश्य से तीसरी बार चुनाव की तारीख में बदलाव करते हुए 1 जून का दिन संगठनात्मक चुनाव के लिए तय किया गया है। ईस्ट कॉलनी बंगाली दुर्गा स्थान, जमालपुर नगर के प्रांगण में पार्टी के वरीय पदाधिकारियों तथा चुनाव पदाधिकारी की मौजूदगी में संगठनात्मक चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाएगी।

भाजपा की संयुक्त कार्यसमिति बैठक आयोजित, संगठन विस्तार पर जोर

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

शनिवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के ग्रामीण मंडल एवं नगर पंचायत मंडल की संयुक्त कार्यसमिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड स्तरीय भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विनय सिंह ने की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, हर बूथ पर अधिक से अधिक कार्यकताओं को जोड़ने तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। साथ ही, यह भी तय किया गया कि जो लाभार्थी अब तक योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक बूथ पर डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाने की रणनीति बनाई गई। इस दौरान कार्यकर्ता राज्य सरकार की विफलताओं के साथ-साथ केंद्र की डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएंगे। बैठक में नगर मंडल अध्यक्ष राकेश रौशन उर्फ बमबम, भाजपा नेता राणा कुमार सिंह, नीतीश राणा, पिंटू कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह, सुमित कुमार रजक, रामखेलावन शर्मा, मनोज साह, त्रिलोचन सिंह, रजनीश कुमार, पुरुषोत्तम शर्मा समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का समापन संगठन विस्तार और जनसंपर्क को लेकर एकजुटता के संकल्प के साथ किया गया।

जिला पदाधिकारी द्वारा डॉ.अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत महादलित टोलों में विशेष विकास शिविर का निरीक्षण किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला के हसपुरा प्रखंड अंतर्गत महादलित टोला सोनहथु एवं चौराही में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित विशेष विकास शिविर का निरीक्षण जिलाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित विभागीय पदाधिकारियों से शिविर में प्राप्त आवेदनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि अधिकांश आवेदन राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आधार नामांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल-जल योजना, नाली-गली योजना एवं आयुष्मान भारत योजना से संबंधित हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी आवेदनों को पोर्टल पर तत्क्षण अपलोड करते हुए उनका ऑन-द-स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थियों को त्वरित लाभ प्राप्त हो सके। शिविर का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के वंचित परिवारों को सरकारी योजनाओं का शीघ्र, समावेशी एवं व्यापक लाभ प्रदान करना है, जिससे उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने

ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया तथा योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी सेवाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित करना है। शिविर स्थल पर जिलाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री द्वारा लाभार्थियों के बीच आयुष्मान भारत कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि का वितरण भी किया गया। इससे लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का वास्तविक लाभ प्राप्त हुआ। शिविर में विभिन्न विभागों की सहभागिता रही तथा लाभार्थियों के ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन एवं सेवा वितरण की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं सुगमता के साथ संपन्न हुई। इस प्रकार के शिविरों से न केवल सेवाओं की पहुंच सुगम होती है, अपितु आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ होता है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस प्रकार के विशेष शिविरों का आयोजन जिले के सभी प्रखंडों में प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को किया जा रहा है, जिसकी शुरूआत दिनांक 19 अप्रैल 2025 से की गई है। इन शिविरों के माध्यम से कुल 22 चयनित सेवाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय, तत्परता एवं उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करते हुए शिविरों को सफल बनाएं, क्योंकि सरकार का उद्देश्य है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

विचार

> “ सबसे चिंताजनक घटना थी अशोका विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी। एक अत्यंत उपयुक्त पोस्ट में उन्होंने लिखा था, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि बहुत सारे दक्षिणपंथी लेखक कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं। वे आगे लिखते हैं, उन्हें यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने और मनमाने ढंग से घरों को ढहाए जाने और बीजेपी के घृणा अभियान की वजह से होने वाली अन्य घटनाओं के शिकारों को भी भारतीय नागरिकों की तरह सुरक्षा हासिल हो। कई मानवाधिकार समूहों ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है कि मुसलमानों के साथ होने वाली हिंसा और उनके खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए जाने की घटनाओं में पिछले एक दशक में काफी बढ़ोत्तरी हुई है।

पहलगाम त्रासदी, मुसलमानों के खिलाफ नफरत और भारतीय डेलिगेशन की विदेश यात्राएं

राम पुनियानी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारत की जनता पर गहरा असर हुआ है। जहां प्रधानमंत्री मोदी डींगें हांकते रहे और गोदी मीडिया दावा करता रहा कि भारतीय सेनाएं पाकिस्तान में घुस गई हैं, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने भारत के कई विमानों को मार गिराने का दावा किया। संघर्ष विराम की घोषणा सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने की और कहा कि यह उनकी मध्यस्थता से संभव हुआ है। वहीं मोदी ने दावा किया कि इसका श्रेय उन्हें जाता है और सेना के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने संघर्ष विराम का अनुरोध किया था जिसे भारत ने मंजूर किया जिससे दोनों ओर सैनिकों और नागरिकों का बड़े पैमाने पर संभावित रक्तपात रूक सका। सरकार ने अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कई प्रतिनिधिमंडल दुनिया के विभिन्न देशों में भेजे हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कई सांसदों को भी शामिल किया गया है। शशि थरूर के नेतृत्व में ऐसा ही एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका पहुंचा। इन प्रतिनिधिमंडलों को क्या कहने की हिदायत और सलाह दी गई है, यह थरूर के अमेरिका में दिए गए वक्तव्य से स्पष्ट होता है। अमेरिका में थरूर ने कहा, "पहलगाम के आतंकी हमले का प्रयोजन लोगों को बांटना था लेकिन इससे भारत के लोग धर्म और अन्य विविधताओं से परे हटकर एक हो गए। धार्मिक और अन्य विभाजनों से दूर हटते हुए, भड़काने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने असाधारण एकता प्रदर्शित की। संदेश साफ है कि इस कांड के प्रायोजकों का बहुत घातक इरादा था। क्या सभी प्रतिनिधिमंडलों को इसी तरह की बातें कहने की हिदायत दी गई है? स्पष्टतः यह आख्यान काफी हद तक सही है क्योंकि सभी भारतीयों, हिंदुओं और मुस्लिमों ने एकजुट होकर पहलगाम की कायरतापूर्ण घटना की निंदा की। लेकिन इसके बावजूद, अंदर ही अंदर मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम जारी है। पहलगाम की घटना के पहले भी मुसलमानों के प्रति नफरत लगातार बढ़ती जा रही थी, जो घटना के बाद तो तेजी से बढ़ते हुए शिखर पर पहुंच गई है।अपने पिछले लेख में मैंने इस अभागे समुदाय के प्रति नफरत फैलाने के लिए की गई हरकतों की आंशिक सूची प्रस्तुत की थी।इनका संकलन सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एन्ड सेकुलरिज्म, मुंबई द्वारा किया गया है। एक अन्य लेख में यह टिप्पणी की गई थी कि जहां भारत आतंकी हमले में हुई मौतों का शोक

मना रहा था, वहीं ऑनलाइन और ऑफलाइन एक समन्वित अभियान चलाया गया जिसका एक संदेश था कि मुसलमान हिंदुओं के लिए खतरा हैं, कभी न कभी सभी हिंदुओं का यही हाल होगा और मुसलमानों को हिंसा और बहिष्कार के जरिए दंडित किया जाना जरूरी है। सबसे चिंताजनक घटना थी अशोका विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी। एक अत्यंत उपयुक्त पोस्ट में उन्होंने लिखा था, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि बहुत सारे दक्षिणपंथी लेखक कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं। वे आगे लिखते हैं, उन्हें यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने और मनमाने ढंग से घरों को ढहाए जाने और बीजेपी के घृणा अभियान की वजह से होने वाली अन्य घटनाओं के शिकारों को भी भारतीय नागरिकों की तरह सुरक्षा हासिल हो। कई मानवाधिकार समूहों ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है कि मुसलमानों के साथ होने वाली हिंसा और उनके खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए जाने की घटनाओं में पिछले एक दशक में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इसके बाद हरियाणा राज्य महिला आयोग ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा कि मेहमूदाबाद के सोशल मीडिया पोस्ट से दोनों महिला सैन्य अधिकारियों का अपमान हुआ है और सुरक्षा बलों में उनकी भूमिका का अवमूल्यन हुआ है। यह समझ के परे है कि इस पोस्ट से कैसे इन महिला सैन्य अधिकारियों का अपमान हुआ या भारतीय सेना में उनकी भूमिका का अवमूल्यन हुआ। एक अन्य शिकायत बीजेपपी के एक युवा कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई। इन शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए अली खान को गिरफ्तार किया गया और बाद में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें अस्थायी जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश भी दिया कि वे इस मुद्दे पर कुछ न लिखें और अपना पासपोर्ट जमा करें। आदेश में कहा गया कि अली खान का पोस्ट 'डॉग विस्सल' है और इससे दबे-छुपे ढंग से कोई गलत सन्देश जा सकता है। हम जानते हैं कि "डॉग विस्सल" ऐसे सन्देश को कहा जाता है जिसमें विवाद पैदा करने वाली बातें परोक्ष ढंग से कही गई हों। न्यायाधीश ने इस पोस्ट को जारी किए जाने के समय और उसके पीछे क्या इरादा था इस पर शंका व्यक्त की। हालांकि जमानत देने का फैसला अत्यंत सराहनीय था। वहीं, बीजेपी के नेता और मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह के इस कथन के लिए भी न्यायालय ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई कि सोफिया कुरैशी आतंकवादियों की बहन हैं। बीजेपी नेता का यह कथन संभवतः इस असाधारण सैन्य अधिकारी पर की गई सबसे घृणित टिप्पणी थी। और यह तो निश्चित तौर पर 'डॉग विस्सल' की श्रेणी में आती है। हालांकि न्यायालय ने उनकी क्षमायाचना को खारिज कर दिया लेकिन उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी। प्रोफेसर खान की पोस्ट तो निश्चित तौर पर डॉग विस्सल नहीं है। वह तो अल्पसंख्यक समुदाय की पीड़ा का इजहार है। इसके विपरीत विजय शाह की 'डॉग विस्सल' नफरत की अभिव्यक्ति है। प्रोफेसर अली खान ने अत्यंत संवेदनशील ढंग से हमें आईना दिखाया है कि देश में अल्पसंख्यकों के साथ किस तरह का व्यवहार हो रहा है। विजय शाह का भाषण इस बात को खुलकर प्रदर्शित करता है कि कैसे हर अवसर का उपयोग अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत का बीज बोने के लिए किया जाता है। अल्पसंख्यक समुदाय के एक प्रोफेसर को इस बात पर फटकारा जाना एकदम अनुचित है कि उन्होंने बुलडोजरों और लिंचिंग के बारे में कुछ कहा। न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के बावजूद कई राज्य सरकारों द्वारा बुलडोजरों का इस्तेमाल जारी है। इसी तरह दो व्यंग्यकारों नेहा सिंह राठौर और मदिरी काकोटी, जिन्हें इंटरनेट की दुनिया में डॉ मेडुसा के नाम से जाना जाता है, के खिलाफ भी उनके मोदी सरकार की आलोचना करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट, जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी किए गए थे, को लेकर प्रकरण दर्ज किए गए। विजय शाह को उनके आपत्तिजनक कथनों के लिए उनकी पार्टी ने क्षमा कर दिया है। न उन्हें पार्टी से निष्कासित या निलंबित किया गया है और ना ही गिरफ्तार किया गया है। अल्पसंख्यकों के खिलाफ बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले स्तर तक के नेता जहर उगलते रहते हैं, जिसे न केवल मौन समर्थन दिया जाता है बल्कि यह उनके राजनैतिक करियर के उन्नयन में सहायक होता है। हमें याद है कि 2019 में दिल्ली में हुई हिंसा के कुछ ही समय पहले शांति और सद्भाव की अपीलें करने वाले उमर खालिद और शरजील इमाम पांच सालों से जेल में सड़ रहे हैं और उनके प्रकरणों की सुनवाई तक शुरू नहीं हुई है। वहीं उस समय के राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर को 'गोली मारो' का नारा लगवाने के बाद पदोन्नति देकर कैबिनेट मंत्री बना दिया गया था। हमारे सामाजिक एवं संवैधानिक प्रतिमानों को धर्म में रंगी राजनीति के माध्यम से धीरे-धीरे नष्ट किया जा रहा है। लोकतंत्र को अली खान, उमर खालिद, नेहा सिंह राठौर और हिमांशी नरवाल जैसे लोगों की जरूरत है जो सच्चे दिल से शांति का आव्हान कर रहे हैं और हमें हमारे समाज का आईना दिखा रहे हैं।

(लेख का अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया द्वारा)

संपादकीय

ठोस और सार्थक कदम उठाए जाएं

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार जहां एक ओर पूरी दुनिया को अचंभित करती है, वहीं एक कड़वा सच यह भी है कि करोड़ों परिवार आज भी बहुत मुश्किल से अपना घर चला पा रहे हैं। इनमें से अनेक लोगों को विश्वास है कि वे कर्ज लेकर व्यापार करेंगे, तो अधिक पैसे कमाएंगे और बेहतर भविष्य बनाएंगे। दूसरी ओर, कुछ को लगता है कि भविष्य के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय उन्हें वर्तमान में जी लेना चाहिए। मगर स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च बढ़ने से उनकी चुनौतियां भी लगातार बढ़ रही हैं। महंगाई और घटती आय की वजह से उनमें निराशा है। उनकी उम्मीदें टूटी हैं। चिंता का विषय है कि बैंकों का बकाया न चुकाने के कारण कई परिवार कर्ज में इस तरह डूब जाते हैं, जहां से निकलना उनके लिए संभव नहीं होता। कुछ लोग आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा लेते हैं। हरियाणा के पंचकूला में एक ही परिवार के सात लोगों की खुदकुशी ऐसा ही मामला है। सच्चाई यही सामने आई है कि इस परिवार पर बैंक का बहुत सारा पैसा बकाया था, जिसे चुकाना उसके लिए मुश्किल हो गया था। कर्ज में डूबा परिवार रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहा था। अगर देश के नागरिक घर और वाहन खरीदने के लिए कर्ज ले रहे हैं, तो निश्चित रूप से इसके पीछे बेहतर रोजगार और अच्छी आय की संभावनाएं छिपी हैं। मगर कारोबार के लिए लिया गया कर्ज कोई नहीं चुका पा रहा है, तो इस पर सोचने की जरूरत है कि विकास की तेज रफ्तार के बीच उनका कारोबार क्यों पिछड़ रहा है। अगर व्यापारी कर्ज लेकर भी लागत नहीं निकाल पा रहे हैं, तो इसके पीछे के कारणों को समझने और उनका हल निकालने की जरूरत है। इसके लिए नीति निर्माताओं को ही आगे आना होगा। यह सच भी छिपा नहीं है कि कर्ज में डूबे हजारों किसान खुदकुशी कर चुके हैं। फसलों की लागत न निकल पाने से उनमें भारी निराशा है। छोटे कारोबारियों की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं है। जरूरत है कि बेहतर जिंदगी जीने की करोड़ों लोगों की उम्मीदें और सपने बचाने के लिए अब ठोस और सार्थक कदम उठाए जाएं।

बढ़ती आबादी को ताकत बनाने की जरूरत

मोहन गुरुस्वामी

चिंता की बात है कि देश में जनसंख्या की विशालता से मिलने वाला लाभ कहीं आबादी से बना दुःस्वप्न बनकर न रह जाए। लंबे समय से जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से मिलने वाले फायदे-नुकसानों के बारे में बोलता-लिखता आया हूं। राजनेता और उनके दलाल यह जाने बिना कि शब्दों का अर्थ क्या है, इसको लपक कर दोहराने लगते हैं। चुनौतियां हमारे सामने हैं। वह भारत, जिसकी जनसंख्या 134 करोड़ है, अब विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है। लेकिन भारत हमेशा इतना बड़ा नहीं था, जितना कि आज है, चाहे यह जनसंख्या हो या अर्थव्यवस्था। वर्ष 1921, जिसे 'विभाजन का बड़ा साल' कहा जाता है, भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस साल मृत्यु दर में काफी गिरावट आई और जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत स्थिर रहने वाली लीक से हटकर तेजी से बढ़ने होने की शुरुआत हुई। वर्ष 1801-1921 के बीच जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार काफी धीमी रही, लगभग 20 करोड़ से 22 करोड़ होना। लेकिन 1921 के बाद से हमारी जनसंख्या बढ़ोतरी वास्तव में आज आकाश को छूने की कगार पर है। जनसंख्या में वृद्धि 1981 में 2.22 प्रतिशत की उच्चतम दर को छू गई थी, उसके बाद से बढ़ोतरी दर घटने की ओर है। एक सदी की अवधि के अंदर, भारत की जनसंख्या में छह गुना इजाफा हुआ। अनुमान बताते हैं कि भारत में पिछले सौ वर्षों में लगभग 200 मिलियन लोग जुड़े और वर्तमान सदी के मध्य तक 200 मिलियन और लोग जुड़ने की उम्मीद है। भिन्न अनुमानों का मध्य आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2005-50 के बीच, भारत की जनसंख्या में लगभग 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वृद्ध जनसंख्या (65 वर्ष से अधिक उम्र वाले) का अनुपात 2050 में 5 प्रतिशत से बढ़कर 14.5

प्रतिशत हो जाएगा, संख्या के मुताबिक कहें तो इनकी गिनती 5.7 करोड़ से बढ़कर 24 करोड़ हो जाएगी। उन्नत देशों की बुजुर्ग आबादी के अनुभवों के आधार पर हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वृद्धों की बढ़ती संख्या के लिए हमें कराधान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधित अपनी नीतियों में समुचित योजनाएं बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। वृद्धों की संभाल पर खर्चा अधिक होता है। चिंता का एक अन्य बड़ा पहलू है बढ़ता जनसंख्या घनत्व। अनुमान है कि जहां यह 2005 में 345 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, 2050 में बढ़कर 504 प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। बढ़ते शहरीकरण के चलन के साथ इसे जोड़कर देखने पर, आने वाले सालों में समस्याओं में इजाफे का संकेत मिलता है। साल 2000 में, कुल आबादी का केवल 28.7 प्रतिशत या लगभग 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में बसे हुए थे; अब अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या कुल आबादी की 40.7 प्रतिशत या लगभग 60 करोड़ हो जाएगी। इस भारी वृद्धि में विशेष रूप से मध्यम और कामकाजी वर्ग की बढ़ती आर्थिक शक्ति की भूमिका है। इसके मद्देनजर, पर्याप्त रूप से उन्नत आवास एवं शहरी बुनियादी ढांचा, मसलन, जल, सीवरेज, जन सुविधाएं, तीव्र गति परिवहन, यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग, ऊर्जा और दूध एवं दुग्ध उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य व बागवानी उत्पाद जैसे भोज्य पदार्थों की अधिक खपत और उनके कुशल वितरण के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ेगी। अनुमान है कि 15-64 वर्ष आयु वर्ग की गिनती जो कि 2005 में कुल आबादी का 62 प्रतिशत थी, 2050 में बढ़कर लगभग 67.3 प्रतिशत हो जाएगी, संख्या के हिसाब से कहें, तो 70 करोड़ से 112 करोड़ होना। फिलहाल भारत में हर साल कामकाजी वर्ग में 1 करोड़ 20 लाख लोग जुड़ रहे हैं। इस आयु वर्ग में वृद्धि 2030 तक तेज रहेगी, जिसके बाद से इसमें शुरू हुई गिरावट इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि 2045-50 के बीच शायद ही कोई वृद्धि हो, जो कि 15-64 जनसंख्या समूह की संख्या में स्थिरीकरण और उसके बाद से इसके बुढ़ाते जाने का संकेत है। यह चक्र प्राकृतिक है क्योंकि जनसंख्या वृद्धि में ठहराव आता रहता है। अगले तीन दशकों की तात्कालिक चुनौती है, पहले करोड़ों नौकरियों का सृजन करना और फिर श्रमिकों की उपलब्धता में तेज गिरावट से निपटना। एनपीपी 2000 में परिकल्पना की गई थी कि वर्ष 2045 तक भारत को जनसंख्या स्थिरीकरण बनाना पड़ेगा। यह लक्ष्य इस धारणा पर आधारित है कि देश को वर्ष 2010 तक जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर टीएफआर 2.1 तक ले आना चाहिए था। हम यह पाने में चूक गए। हालांकि टीएफआर के हालिया आंकड़े 2045 तक भी इस लक्ष्य की प्राप्ति न हो पाने का संकेत दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय अब जनसंख्या स्थिरीकरण पाने के वास्ते वर्ष 2060 को एक संभावित लक्ष्य के रूप में देखने लगा है। यहां पर यह उल्लेख करना उचित होगा कि जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रतिस्थापन प्रजनन क्षमता (यानी जितने मरें, उतने पैदा हों) बनने के बहुत बाद जाकर बनता है। वर्ष 1996 में योजना आयोग द्वारा गठित 'जनसंख्या पर तकनीकी समिति' द्वारा किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि भारत 2026 तक प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर प्राप्त कर पाएगा। लेकिन, हिंदी भाषी राज्यों में यह बिहार में 2039 तक, राजस्थान 2048 तक, मध्य प्रदेश 2060 से आगे और उत्तर प्रदेश में 2100 के बाद ही संभव होगा। हमें 2060 या 2070 से पहले राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरीकरण पाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ये क्षेत्रीय असमानताएं इन राज्यों में अनुमानित जनसंख्या में खतरनाक वृद्धि के रूप में फलीभूत होंगी। 1991-2050 के दौरान भारत की जनसंख्या में होने वाली 77.3 करोड़ की वृद्धि में अकेले उत्तर प्रदेश का हिस्सा 19.8 करोड़ रहेगा। जोकि सकल राष्ट्रीय जनसंख्या वृद्धि का लगभग एक-चौथाई बनता है। आइए एक नजर डालते हैं कि आने वाले वर्षों में प्रति व्यक्ति आय कितनी रहेगी। साल 2005 में एक शोधपत्र आया था 'क्या भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन पाएगा, क्या वास्तव में और इसमें क्या-क्या रूकावट बन सकता है।' विश्व बैंक में भारत के लिएइसके प्रमुख अर्थशास्त्री स्टीफन होवेस ने ऐतिहासिक विकास दरों के आधार पर 2050 तक प्रति व्यक्ति आय का अनुमान लगाया था। यह दर्शाता है कि बिहार, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2050 में प्रति व्यक्ति आय 1000 अमेरिकी डॉलर सालाना से कम रहेगी, जो कि वर्तमान प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद से कम है। निश्चित तौर पर 2050 में होने वाली आय से तो और भी कम। कोई हैरानी नहीं कि ये सूबे वही हैं, जिनकी जनसंख्या वृद्धि दर बहुत ज्यादा है। वर्ष 2020 में, भारत में 15-24 आयु वर्ग के लोगों की गिनती 24.5 करोड़ से अधिक थी। यदि बचत दरें आज जितनी बनी रहें और 2020 वाली उच्च उत्पादन क्षमता कायम रहे, तब जाकर 2050 तक हमारे पासभारत को एक विकसित और समृद्ध अर्थव्यवस्था बनाने का एक बड़ा अवसर बनेगा। यह तभी संभव होगा यदि हम लोगों को शिक्षित और सशक्त बना पाएंगे। जनसांख्यिकीय आंकड़ों का ऐसा समुच्चय फिर कभी देखने को नहीं मिलेगा। अगर हमें अगली आधी सदी में गरीबी के मकड़जाल से बाहर निकलना है, तो मानव और आर्थिक विकास में बड़े निवेश करने का समय अभी है। दुर्भाग्य से, ऐसा कोई संकेत मिल नहीं रहा।

(लेखक एक जनबुद्धिजीवी हैं।)

ज्यादा सोने से याददाश्त जाने का खतरा

विजय गर्ग

यह बात तो जगजाहिर है कि नींद पूरी न होने से याददाश्त जाने का खतरा बढ़ सकता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि बहुत ज्यादा नींद लेना भी इस मामले में उतना ही हानिकारक हो सकता है। शोध में पाया गया है कि नौ घंटे या उससे ज्यादा नींद लेने से याददाशत में गिरावट देखने को मिली है। यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास हेल्थ साइंस सेंटर के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि लंबी नींद की अवधि याददाशत के लिए जोखिम कारक हो सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस शोध में 27-85 वर्ष की उम्र के 1,853 स्वस्थ वयस्कों का चयन किया गया। यह देखने की कोशिश की गई कि उनकी नींद की अवधि उनके दिमाग को कैसे प्रभावित करती है। इसके बाद हर चार साल में प्रतिभागियों की याददाश्त, तर्कशक्ति और 'दृश्य - स्थानिक जागरूकता व प्रतिक्रिया के मानकों की जांच की गई। हर चार साल में प्रतिभागियों ने एक सर्वेक्षण में भी हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने बताया कि वे हर रात कितने घंटे सोए। जांच और सर्वेक्षण से पता चला कि जो लोग दो दशक के अध्ययन के दौरान हर रात नौ या उससे ज्यादा घंटे सोए, उन्होंने चारों परीक्षणों में काफी खराब प्रदर्शन किया। शोध में इसी आधार पर लंबी नींद को

अल्जाइमर के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है। अल्जाइमर रोग याददाश्त का सबसे आम कारण है। यह रोग चिंता, भ्रम और अल्पकालिक स्मृति हानि का कारण बन सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि सबसे खराब परिणाम उन लोगों में देखे गए जिनमें अवसाद के लक्षण दिखाई दिए और उनमें जो औसतन रात में नौ या उससे ज्यादा घंटे सोते थे। क्यों खतरनाक है ज्यादा सोना विशेषज्ञ पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं कि अत्यधिक नींद डिमेंशिया में कैसे योगदान दे सकती है। हालांकि स्वीडन के एक शोध ने सुझाव दिया है कि इसका कारण हमारे 'सर्कैडियन' लय पर पड़ने वाले प्रभाव में छिपा हो सकता है। सर्कैडियन लय यानी हमारे सोने और जागने का प्राकृतिक चक्रजो शरीर के कई कार्यों को निर्धारित करता है। स्टाकहोम में कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों ने तर्क दिया है कि दिन के समय सोने से दिमाग की दिन के दौरान जमा होने वाले अपशिष्ट को साफ करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, लेकिन वैज्ञानिकों ने कहा कि यह भी संभव है कि शुरुआती अल्जाइमर के कारण होने वाली मस्तिष्क क्षति अत्यधिक नींद की आवश्यकता को बढ़ावा दे सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो सभी वयस्कों को रात में कम से कम सात से आठ घंटे की गहरी नींद लेनी चाहिए, ताकि दिमाग दिनभर की जानकारी को अच्छी तरह से रख सके। अगर लोगों को पर्याप्त नींद नहीं मिलेगी तो इससे दिमाग की सेहत पर असर पड़ सकता है। तमाम शोध के आधार पर कहा जा सकता है कि अच्छी नींद दिमाग के लिए बेहद लाभकारी है और यह हमारी याददाश्त को तेज करने में मदद करती है। मालूम हो कि नींद के दौरान दिमाग सक्रिय रहता है, जिससे हम दिनभर की जानकारी को अच्छे से समझ और याद रख सकते हैं। मगर, जरूरत से ज्यादा नींद लेना हानिकारिक है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

मध्य विद्यालय धनौती धर्मपुरा में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय धनौती धर्मपुरा में बिहार सरकार शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक बबन प्रसाद के अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी का संचालन शिक्षक सतीश कुमार पांडेय द्वारा किया गया गोष्ठी में शिक्षकों एवं अभिभावकों ने विचार समन्वय किया एवं छात्र हित में विभिन्न निर्णय लिए गए।विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक बबन प्रसाद के द्वारा सभी अभिभावकों से सहयोग की अपील की गई।वहीं विद्यालय के वरीय शिक्षक प्रशांत प्रियदर्शी के द्वारा विद्यालय में सरकार के द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं आज के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक भृगुनाथ प्रसाद, गणेश शर्मा, बृजमोहन सिंह, संजय सिंह, शोभा कुमारी, एकता यादव, वन्दना देवी,एवं दीपक कुमार मौजूद रहें। आज के बैठक में अभिभावकों ने भी अपनी राय मशविरा स-ाझा की।जिसमें अभिभावक काशीनाथ पांडेय, युगेश सिंह,शंभू प्रजापति, मुन्ना पाल, अंजू देवी, उषा देवी, राजदेव राम, आनंद राजवंशी, सोनी देवी, प्रतिमा देवी आदि मौजूद रहें।

आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित, उपायुक्त ने जल्द निष्पादन के दिए निर्देश

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय में आधार निगरानी समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आ रही आधार से जुड़ी विभिन्न शिकायतों की समीक्षा की गई तथा इनके त्वरित निपटारे हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने कहा कि आम जनता की सुविधाओं से जुड़ी आधार सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से उन शिकायतों का जिक्र किया जिनमें आधार अपडेट, नाम सुधार, बायोमेट्रिक त्रुटि तथा विलंब से आधार जारी होने की बात सामने आई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में 08 प्र-खंडों में आधार केन्द्र संचालित है। बैठक में जिले में संचालित आधार केन्द्रों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सभी केन्द्रों पर आधार पंजीकरण और अद्यतन कार्य मानकों के अनुरूप होना चाहिए। इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, वक्ल्अकके परियोजना पदाधिकारी संदीप कुमार, तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर से आधार से जुड़ी गतिविधियों की प्रगति से उपायुक्त को अवगत कराया।

बांका के गौरीपुर गांव को 15 दिनों में पेयजल संकट से मिली आजादी, हर घर तक पहुंचा नल का जल

पटना: बांका जिला के दोमुहान पंचायत के गौरीपुर गांव में देश की आजादी के 77 वर्ष बाद एक नई सुबह ने दस्तक दी है। अब गांव की महिलाओं को नदी का बालू खोदकर चुआरी से पीने और खाना बनाने के लिए पानी का इंतजाम करने वाली समस्या से मुक्ति मिल चुकी है। गौरीपुर गांव में महज 15 दिनों के अंदर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रयास से न केवल तीन चापाकल स्थापित किए गए बल्कि गांव के कुल 210 घरों में हर घर नल का जल निश्चय योजना के तहत पाइप लाइन के माध्यम से पीने के शुद्ध पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इस गांव में पेयजल की समस्या कोई नई नहीं थी। बताया जाता है कि आजादी से पहले और उसके बाद भी लोगों को पीने के पानी के लिए नदियों की रेत खोदकर चुआरी से पानी एकत्र करना पड़ता था। इसके अलावा गांव के कुछ पुराने कुओं पर ग्रामीणों का जीवन निर्भर था। ऐसा नहीं है कि बांका जिले के दोमुहान पंचायत का गौरीपुर गांव सूबे के किसी सुदूर गांव में शामिल है। यह गांव बांका जिला मुख्यालय से महज 12 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को इसकी जानकारी बांका के जिलाधिकारी के माध्यम से प्राप्त हुई थी। उपलब्ध कराई गई जानकारी पर विभाग ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अपनी कार्रवाई शुरू की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हर घर नल का जल निश्चय योजना के तहत गौरीपुर गांव के कुल 210 घरों में पाइप लाइन के माध्यम से 1,000 से ज्यादा लोगों को अब सीधे घरों में ही शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इतना ही नहीं, ग्रामीणों की सुविधा के लिए गांव के बसावट के समीप तीन चापाकल भी स्थापित किए गए हैं। ताकि ग्रामीणों को बिजली के अभाव में भी जल संकट का सामना न करना पड़े। अब गांव की महिलाओं को चुआरी से पानी एकत्र करने की पुरानी समस्या से पूरी तरह आजादी मिल चुकी है। इस पहल के लिए गौरीपुर गांव के निवासियों ने विभाग को सार्वजानिक धन्यवाद ज्ञापन भी दिया है। इस सन्दर्भ में मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग,नीरज कुमार सिंह ने कहा कि, ₹मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार सभी ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रति संकल्पित है। विभाग की प्राथमिकता है कि किसी भी पेयजल संबंधित शिकायत पर त्वरित कार्रवाई हो और हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर बन रहा है औरंगाबाद जिले का महिला संवाद कार्यक्रम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल के रूप में ₹महिला संवाद₹ कार्यक्रम निरंतर प्रगति कर रहा है। दिनांक 31 मई 2025 को जिले के सभी ग्यारह प्र-खंडों के चयनित कुल तीस ग्राम संगठनों में महिला संवाद का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिहार सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित करने हेतु चलाया जा रहा है, जो न केवल राज्य की महिला सशक्तिकरण नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य कर रहा है, बल्कि महिलाओं को अपने विचार, समस्याएँ, अनुभव और अपेक्षाएँ सरकार के समक्ष रखने का मंच भी प्रदान कर रहा है। अब तक औरंगाबाद जिले के कुल 1240 ग्राम संगठनों में महिला संवाद का आयोजन किया जा चुका है। जिले में प्रतिदिन दो पालियों में 15 महिला संवाद रथों का संचालन किया जा रहा है, जो निर्धारित ग्राम संगठनों में जाकर महिलाओं के साथ संवाद स्थापित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन आदि से जुड़ी जानकारी सीधे महिलाओं तक पहुँचाई जा रही है। महिलाओं द्वारा इन योजनाओं से प्राप्त लाभ की जानकारी भी साझा की जा रही है और योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव भी संजीदगी से प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

महिला संवाद कार्यक्रम ने ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के भीतर आत्मविश्वास का संचार किया है और उन्हें अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने का अवसर प्रदान किया है। महिलाएँ अब न केवल

अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही हैं, बल्कि अपने गाँव और समाज के विकास में सक्रिय भागी-दारी भी सुनिश्चित कर रही हैं। इस संवाद के माध्यम से अभी तक कुल 31,696 अपेक्षाएँ मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज की जा चुकी हैं, जिन्हें आगे की नीति और योजनाओं के निर्माण में उपयोग किया जाएगा। महिला संवाद रथ के माध्यम से विभिन्न योजनाओं पर आधारित प्रेरणात्मक लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिससे महिलाएँ योजनाओं के वास्तविक प्रभाव और उपयोगिता को समझ पा रही हैं। साथ ही, योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री और जानकारीपरक लीफलेट का वितरण किया जा रहा है, ताकि जो महिलाएँ अब तक लाभ से वंचित हैं, वे जागरूक होकर आगे आ सकें और योजनाओं का लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री, बिहार श्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के नाम प्रेषित विशेष संदेश भी महिला संवाद के माध्यम से सभी ग्राम संगठनों में साझा किया जा रहा है, जो उन्हें प्रेरणा देने का कार्य कर रहा है। आज हसपुरा प्रखंड अंतर्गत चनहट पंचायत के मनोरमा ग्राम संगठन में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, जहाँ जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री स्वयं उपस्थित होकर कार्यक्रम की समीक्षा और सहभागिता सुनिश्चित की। उनके साथ अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर श्री अमित राजन, प्रखंड विकास पदाधिकारी हसपुरा श्री प्रदीप कुमार एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्री आलोक कुमार भी उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी महोदय ने उपस्थित महिलाओं को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और छात्रवृत्ति योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, बालिका शिक्षा योजना जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी बताया कि बिहार सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक सशक्तिकरण हेतु सतत प्रयासरत है। महिला संवाद कार्यक्रम औरंगाबाद जिले में नारी शक्ति को पहचान, अवसर और आवाज देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह कार्यक्रम महिलाओं को जागरूक करने, उन्हें संगठित करने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन चुका है। आने वाले समय में इस अभियान को और अधिक प्रभावी व व्यापक बनाने की दिशा में जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है।

दानिका के संस्थापक यमुना राम जी की तीसरी पुण्यतिथि पर कवि सम्मेलन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित दानी विगहा के समीप दानिका संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में दानिका के संस्थापक पूर्व अध्यक्ष यमुना राम जी की तीसरी पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व हेड मास्टर विगन बैठा, रंगमंच के सिद्धहस्त कलाकार मथुरा रंजन,दानिका के डायरेक्टर डॉ र-विंद्र कुमार केंद्राधीक्षक शशि देवी, समाजसेवी दिनेश राम,राजू सिंहा, शिक्षक अरविंद कुमार, डॉ अरविंद कुमार, पत्रकार सूरज पांडेय सहित अन्य लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उपस्थित सभी लोगों ने यमुना राम जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि यमुना राम

जी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के कलाकार के रूप में जाने जाते थे।नृत्य वाद्य एवं संगीत जैसी विधाओं में उन्हें महारत हासिल थी। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया करते थे। शिक्षा के प्रति उनकी गहरी अभिरुचि थी तभी तो उनके चारों पुत्र सार्वजनिक क्षेत्र के अच्छे पदों पर आसीन हैं।कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।कवि सम्मेलन की अध्यक्षता जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी द्वारा किया गया जबकि संचालन की जिम्मेवारी सचिव विनय मामूली बुद्धि ने निभाई।कवि एवं लेखक सुरेश विद्यार्थी द्वारा स-रस्वती वंदना विद्या के देवी माई हंस की सवारी कवि सम्मेलन की शुरूआत की गई।नागेंद्र केसरी ने सुनाऊं रात का किस्सा पाठ किया तो जनार्दन मिश्र जलज ने दिन अब बड़े हुए रात अब छोटी हुई शीर्षक कविता पाठ किया तो अनुज बेचैन द्वारा जब मां ने सिंदूर लगाया था पिता को हषार्या था काव्य पाठ किया।मथुरा रंजन ने घर में एगो दाना नईखे पॉकेट में सैयां मोबाइल लेके मेला घुमे पाठ किया।विनय मामूली बुद्धि ने एक बार खोजिए तो आज आप कहां हैं के काव्य पाठ पर खूब तालियां बजी।धनंजय जयपुरी द्वारा बाबूजी देख ताक के हमर करा दा शादी पाठ किया तो लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ र-विंद्र कुमार ने दानिका के विविध कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संस्था जरूरतमंद लोगों के लिए हमेशा खड़ी रहती है यहां से सैकड़ो विद्यार्थी संगीत की शिक्षा पाकर नौकरी कर रहे हैं।मौके पर प्रेम प्रकाश, मिथिलेश कुमार, वेद प्रकाश ,सविता सिंहा,शिवांगी सिंह,अंजली सिंह,किशन प्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा के जिला प्रवक्ता आदित्य श्रीवास्तव ने प्रेस रिलीज के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय बिहार यात्रा को ऐतिहासिक बताया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता आदित्य श्रीवास्तव ने अपने प्रेस रिलीज के माध्यम से देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय बिहार यात्रा को ऐतिहासिक यात्रा बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का यह यात्रा बिहार को विकास की तेज गति देने वाला यात्रा था, ह-वाई,रेल ,सड़क और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में चतुर्द्रिक विकास से मुद्दाविहीन विपक्ष बौखलाया हुआ है। अपने दो दिवसीय बिहार दौरा के दौरान देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 50000 करोड़ से अधिक की सौगात देकर बना केवल बिहार के सम्यक एवं संतुलित विकास को गति दी है। बल्कि विपक्ष को खरा जवाब दिया है, अपनी बिहार यात्रा दूसरे दिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने रोहतास में 48,520 करोड रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास, लोकार्पण किया। इसकी कुल पटना में उन्होंने हार्डिंग पार्क टर्मिनल प्लेटफार्म की शिलान्यास के साथी सोन नगर और मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाइन तथा सासाराम अनुग्रह रोड तक ऑटोमेटिक सिग्नलिंग राष्ट्रपति समर्पित कर बिहार में रेलवे के विकास एवं विस्तार करने द्वारा को खोल दिया। बिजली के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए उन्होंने औरंगाबाद के नबीनगर में 29,930 करोड रुपए से अधिक की लागत वाली सुपर थर्मल पावर परियोजना की द्वितीय चरण 3 गुना 800 मेगावाट की आधारशिला रखी जिसका उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बिहार में सड़क और अवसंरचना और संपर्क को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 119 ए के पटना आरा सासाराम खंड को चार लेन का बनाने वाराणसी रांची कोलकाता राजमार्ग एनएच 319 वी और रामनगर कच्ची दरगाह खंड एनएच 119 डी छह लेन का बनाने तथा बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण सहित विधि सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं राज्य में निर्बाध हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने के साथ-साथ व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने में सहायक होगी। बिहार के बढ़ते हुए गति की तेज रफ्तार को देखकर विपक्ष बौखलाया हुआ है, बिक्रमगंज की जनसभा के समर्थन ने विपक्ष को संकेत दे दिया है इस बार भी बिहार में एनडीए की सरकार बना तय है।

विश्व तम्बाकु दिवस पर शपथ समारोह का आयोजन

शौख कब लत में परिवर्तित हो जाता है इसका पता ही नहीं चलता

प्रत्येक लोगो को इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराने हेतु व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता- जिला जज।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :-जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार स्थित विधिक सेवा में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर शपथ समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी न्यायिक पदाधिकारीगण, न्यायालय के कर्मीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मीगण पैनल अधिवक्तागण उपस्थित हुए। विश्व तम्बाकु दिवस पर आयोजित शपथ समारोह का संचालन कानूनी रक्षा बचाव प्रणाली के अधिवक्ता अभिनन्दन कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राज कुमार ने उपस्थित लोगों को अपने सम्बोधन में कहा कि हर साल 31 मई को विश्व तम्बाकु दिवस मनाया जाता है इस दिन को मनाने की शुरूआत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में की थी। पुरी दुनिया में प्रति वर्ष लगभग 80 लाख लोग तम्बाकू के प्रयोग के कारण मर जाते हैं इसलिए इस दिन को मनाने के पीछे का ध्येय यहीं है कि आम जनता तम्बाकू से होने वाले नुकसान को जाने और

तम्बाकू से बने पदार्थो से दूर रहें। तम्बाकू एक धीमा जहर है जो सेवन करने वाले व्यक्ति को धीरे-धीरे करके मौत के मुंह में धकेलता रहता है और लोग जाने-अंजाने में तम्बाकू उत्पादों का सेवन करते रहते हैं और धीरे-धीरे शौक कब लत में परिवर्तित हो जाता है लोगो को इसका पता ही नहीं चलता है इसलिए आज दिनांक 31-05-2025 को विश्व तम्बाकू दिवस पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राज कुमार ने यह भी संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को तम्बाकू का निषेद्य करना चाहिए जिससे कि शारीरिक दुष्प्रभाव से बचा जा सके साथ ही साथ अनेक प्रकार की बीमारियों से सभी व्यक्ति का बचाव हो सके। एक बार तम्बाकू के गिरफ्त में आने के उपरान्त अगर वह व्यक्ति कोई बीमारी से ग्रसित हो जाता तो उस व्यक्ति का पूरा परिवार विखर जाता है। तम्बाकू का सेवन करने वाले लोगो का रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है जिस-का प्रभाव सीधे उनके स्वास्थ्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों से यह अपील भी किया गया कि अपना दायित्व समझकर कम से कम प्रत्येक लोग 50 लोगो को तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में प्रेरित करें, और आपके प्रयास से कुछ लोगो पर भी इसका साकारात्मक प्रभाव पड़ता है और इससे प्रेरित होकर तम्बाकू एवं तम्बाकू से बने पदार्थो का निषेध करते हैं तो आपके द्वारा किये गये प्रयास किसी की जिन्दगी को हमेषा के लिए बदलकर खुषहाली की ओर ले जायेगा। इस शपथ कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम श्री इसरार अहमद उपस्थित जन समूह के समक्ष ही तम्बाकू को निषेध करन हेतु शपथ कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री विश्व विभूति गुप्ता, लक्ष्मीकान्त मिश्रा, निशित दयाल, कन्हैया लाल यादव, आनन्द भूषण, पंकज पाण्डेय, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्री लाल बिहारी पास-वान, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्री प्रदीप चन्द्रा, न्यायिक दण्डाधिकारी श्री राजीव कुमार, शोभित सौरभ, शुभान्कर शुक्ला सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहें। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव डा0 दीवान फहन खान ने उपस्थित लोगों के साथ-साथ अपने सभी कर्मियों को तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में अवगत कराया तथा तम्बाकू का सेवन नहीं करेंगें और लोग भी तम्बाकू का सेवन न करें इसके लिए उन्हें प्रेरित करने तथा इसके सेवन से होने वाले शा-रीरिक दुष्प्रभाव और नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने तथा तम्बाकू रहित समाज एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में अपना योगदान देने से सम्बन्धित शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर प्रजापिता प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के दिनेश भाई, प्रीति बहन, रामानुज भाई, करण भाई ने भी नशामुक्त समाज के लिए व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले इच्छाशक्ति की चर्चा करते हुए कहा कि आप सोच लेंगें तो किसी प्रकार की नशा को छोड़ना मुश्किल नहीं है। उनके द्वारा कई चित्र के माध्यम से इसके दुष्प्रभाव से लोगो को अवगत कराया गया। इस पर प्रीति बहन द्वारा गया गया गीत कि भारत फिर भरपुर बढेगा कोई नहीं कमी होगी, हिरो से अकाश भरा होगा मोती से जमीं होगी को खुब सराहा गया।

नव गठित विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में विद्यालय के विकास पर की गई चर्चा

जमालपुर। ज्योति युगल सरस्वती शिशु मंदिर फुलका के तत्वावधान में नवगठित विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के नव मनोनीत सचिव सुनील कुमार एवं संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने किया। बैठक के आरंभ में नव गठित विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के पदाधिकारियों तथा सदस्यों का परिचय विद्यालय के आचार्य समूह से कराया गया। परिचयात्मक सत्र में सचिव सुनील कुमार एवं उपाध्यक्ष दीनानाथ साव ने कहा कि विद्यालय की शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू तौर पर संपन्न कराने की दिशा में प्रधानाचार्य व आचार्यगणों को सहयोग प्रदान करने हेतु विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति का गठन किया जाता है। सह सचिव महेश प्रसाद तथा कोषाध्यक्ष शशांक कुमार घोष ने कहा कि विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रबंधकारिणी समिति हमेशा निगरानी बनाए रखती है। साथ ही, विद्यालय की क्रियाकलाप को आगे बढ़ाने में समिति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस दौरान समिति के नव मनोनीत पदाधिकारियों व सदस्यों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा किया। साथ ही, नए छात्रों के नामांकन को लेकर योजनाएं बनाई। मौके पर समिति सदस्य राहुल कुमार, पवन कुमार चौधरी, मनीषा देवी, अभिभावक प्रतिनिधि आदित्य कुमार, मोनिका कुमारी, आचार्य प्रतिनिधि पुष्पेंद्र भारती, प्रतिभा प्रवांचना, कविता कुमारी, अनिता कुमारी, मनीषा रानी, मनोज मंडल मौजूद थे।

सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं युवा: ओएसडी वीरेंद्र

सिरसा। भारतीय नारी शक्ति एसोसिएशन के बैनर तले 'नायाब सपना स्वस्थ-समृद्ध हरियाणा अपना' अभियान के तहत सिरसा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के ओएसडी वीरेंद्र बढखालसा बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए। ओएसडी वीरेंद्र बढखालसा ने अपने संबोधन में युवाओं को भविष्य के भारत का निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। क्रार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से बहन बिंदु व खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में भारत को युवा देश बताते हुए स्वस्थ, समृद्ध हरियाणा के नायाब सपने में योगदान के विषय पर विचार रखे। संस्था की अध्यक्ष निताशा सिहाग ने बताया कि संस्था पिछले लंबे समय से नशा उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता जैसे जनजागरण अभियान के सामाजिक सरोकारों में जुटी हुई है। नशे को छोड़ो रिश्ते जोड़ो अभियान से लेकर हर शहर-गांव, पेड़ की छांव के अलावा चूल्हे से चौपाल तक मुहिम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के अनेक कार्यक्रम चलाए। सिरसा जिला में ऐलनाबाद के बड़े गांव जमाल में संस्था के आह्वान पर नशे की विरुद्ध महिलाओं ने तीन किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर एक संदेश देने का काम किया। अभी फिर से संस्था का उद्देश्य है कि नायाब सपना, स्वस्थ समृद्ध हरियाणा अपना मुहिम के माध्यम से युवाओं व महिलाओं सहित जन-जन के बीच जाएंगे। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

डिप्टी स्पीकर ने पचास लाख से करवाए विकास कार्यों का किया उद्घाटन

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने गांव अमरहेड़ी में 50 लाख रुपये से करवाए गए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इन कार्यों में गांव के खेत के रास्ते, शमशान घाट के रास्ता, कच्ची गलियों को पक्का करवाया जाना शामिल था। सभी कार्य पूरे होने पर डिप्टी स्पीकर ने गांव अमरहेड़ी की महिला सरपंच अंजू रानी द्वारा उद्घाटन किया। इस मौके पर गांव में जनसभा का भी आयोजन किया गया।हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी सरकार गांवों का विकास भी शहरी तर्ज पर करवा रही है ताकि ग्रामीणों किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इन विकास कार्यों को लेकर सरकार किसी भी तरह का भ्रष्टाचार, काम में देरी को बिल्कुल भी सहन नही कर रही हैं। गांव के विकास को प्राथमिकता देते हुए जो-जो योजनाएं हैं उनको जल्द से जल्द लागू करने का काम किया जा रहा है। अगर किसी भी अधिकारी, कर्मचारी की अगर गांव के विकास में देरी को लेकर शिकायत आती है तो वो सहन नही होगी। डिप्टी स्पीकर ने स्पष्ट किया कि गांवों में विकास को लेकर जो-जो अस्टीमेट बने हैं, उनको अधिकारी जल्द से जल्द तैयार करें। जो काम होने हैं, उस पर तेजी होनी चाहिए। विकास परियोजनाओं के लिए नायब सरकार द्वारा पैसे की कमी आड़े नही आने दी जाएगी।

जनसमस्याओं के निपटान के लिए गंभीरता से कार्य करें अधिकारी : उपायुक्त

सिरसा। सिरसा के उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि समाधान शिविर व अन्य माध्यम से आ रही शिकायतों के समाधान के लिए सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें। विभागाध्यक्ष जनसमस्याओं के समाधान के लिए स्वयं मॉनिटरिंग करें ताकि जल्द से जल्द लोगों की समस्याओं का हल किया जा सके। उपायुक्त समाधान प्रकोष्ठ के तहत साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सीएम विंडो व अन्य माध्यम से आई शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि आमजन समाधान शिविरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाकर अपनी समस्याएं हल करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष, जो शिकायतें उनके कार्यालय से संबंधित है, उन पर संज्ञान लें और अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश जारी करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से स्थायी समाधान करना है, इसलिए सभी अधिकारी समाधान शिविर या अन्य माध्यम से आने वाली जन शिकायतों के निवारण के लिए किसी भी प्रकार की देरी न करते हुए तय समय में स्थायी समाधान करें। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर हर सोमवार व सुबह 10 से 12 बजे समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है।

हिंदी पत्रकारिता शिक्षा और संवाद की नई चेतना: सतपाल ब्रह्मचारी

सोनीपत। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर पूर्णमूर्ति शिक्षा संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में सोनीपत ने शिक्षा और संवाद के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका को एक बार फिर स्थापित किया। इसमें शिक्षा पत्रकारिता क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन में प्रमुख वक्ता के रूप में सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, मेयर राजीव जैन, पद्म श्री डॉ. संतराम देशवाल और पीठाधीश्वर श्रीमहंत राजेश स्वरुप, खारखौदा से विधायक पवन खरखौदा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के माई राम कौशिक डायरेक्टर विजयपाल नैन रहे जिन्होंने पत्रकारिता के महत्व पर रोशनी डाली। सभी वक्ताओं ने पत्रकारिता, शिक्षा और तकनीकी विकास के संगम की महत्ता को रेखांकित करते हुए भविष्य की दिशा को दर्शाया। डायरेक्टर विजय पाल नैन ने संस्था की ओर से स्वागत किया।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में मध्य प्रदेश होगा पार्टनर राज्य

- **48 कोस के तीर्थों पर गूंजेंगी गीता वाणी, ग्राम पंचायतें भी बनेंगी सहभागी**

एजेंसी

चंडीगढ़। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस बार इस आयोजन का स्वरूप बढ़ाया जाएगा। गीता महोत्सव ब्रह्मसरोवर की परिधि से बाहर भी किया जाएगा। इसके साथ ही 48 कोस के हर तीर्थ पर गीता वाणी की गूंज सुनाई देगी। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्यों ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की और गीता महोत्सव तथा 48 कोस के तीर्थों के जीर्णोद्धार को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गीता महोत्सव में पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए इसे व्यवस्थित और विस्तारित करने का सुझाव दिया। इसके साथ ही पार्किंग व्यवस्था से लेकर पर्यटकों के आने-जाने के लिए

बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिए। इस बार गीता महोत्सव में मध्य प्रदेश स्टेट पार्टनर होगा। वहीं कंट्री पार्टनर को लेकर कई देशों से बातचीत चल रही है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी दिनों में जल्द ही कंट्री पार्टनर को भी फाइनल कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बैठक में 48 कोस के तीर्थों के जीर्णोद्धार में ग्राम पंचायतों व प्रबुद्ध लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज पहली दिसंबर से होगा, जोकि 21 दिन चलेगा। 21 दिन की अवधि में तीन और तीन ही रविवार आएंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के साथ हर पंचायत को साथ जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 के आयोजन का एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए देते हुए कहा कि ब्रह्मसरोवर के चारों ओर कला, अध्यात्म और संस्कृति की झलक दिखाई देती है। हर तरफ पर्यटकों का हुजूम रहता है। शनिवार, रविवार तथा छुट्टी वाले दिन पर्यटकों की तादाद ज्यादा रहती है। लिहाजा, तादाद को देखते हुए ब्रह्मसरोवर के बाहर भी गीता महोत्सव का आयोजन किया जाए। पुरुषोत्तमपुरा बाग के साथ मेला ग्राउंड में भी धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि गीता महोत्सव पर आने वाले पर्यटकों को किसी तरह की असुविधा न हो। 48 कोस तीर्थ निगरानी कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने तीर्थों पर चल रहे विकास कार्यों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की।

जींद की तमन्ना बनी एमएनएस में लेफ्टिनेंट

एजेंसी

जींद। उचाना खुर्द की बेटी तमन्ना पुत्री जगदेव सिंह ने अपने अथक परिश्रम और संकल्प से मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में उन्होंने अपनी पासिंग आउट परेड को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। अब वह भारतीय सशस्त्र बलों की सेवा के लिए पूर्णतः तैयार हैं। तमन्ना साधारण किसान परिवार से है। दाडन खाप के मीडिया प्रभारी शिवदेव ने बताया कि तमन्ना की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे उचाना खुर्द गांव और जींद जिले के लिए भी प्रेरणास्पद है। एक किसान परिवार से निकल कर सैन्य सेवा में अधिकारी स्तर तक पहुंचना हर उस युवा के लिए मिसाल है, जो बड़े सपने देखता है और उन्हें मेहनत से साकार करना चाहता है। शिवदेव ने बताया कि बचपन से ही तमन्ना का सपना देश की सेवा करने का था। इसी को लेकर उन्होंने पढ़ाई की और अपने अथक परिश्रम और संकल्प से मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस)

में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित हुई। तमन्ना के अभिभावकों ने बेटा और बेटी में कोई फर्क नही समझा और बेटी को भी बेटों की तरह ही पढ़ाया। आज तमन्ना की इस उपलब्धि पर हर कोई गर्व महसूस कर रहा है।

हरियाणा सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास उड़ाने की धमकी, खाली करवाकर चलाया गया सर्च अभियान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सिविल सचिवालय तथा चंडीगढ़ स्थित हरियाणा के मुख्यमंत्री आवास को बम से उड़ाने की धमकीभरा मेल मिला है। इसके बाद तीन घंटे तक दोनों जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाने के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इससे पहले 22 मई को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। बताया गया कि सीआईडी के सीनियर अधिकारियों को एक मेल मिला है, जिसमें कहा गया कि चंडीगढ़ में सिविल सचिवालय तथा मुख्यमंत्री नायब सैनी के आवास पर फिदायीन हमले होंगे। यह हमले तीन बजे किए जाने का दावा किया गया था। यह मेल मद्रास टाइगर के नाम से भेजी गई थी। सचिवालय में मुख्यमंत्री तथा अन्य सभी मंत्रियों के अलावा विभागीय अधिकारियों के कार्यालय हैं। सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस की टीमें एक्टिव हो गईं। मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई। सचिवालय में अनाउंसमेंट कराकर पूरी इमारत को

खाली करवाया गया। चंडीगढ़ पुलिस तथा हरियाणा पुलिस की टीमों ने बम और डॉग स्क्वायड बुलाकर सर्च ऑपरेशन चलाया। बताया गया कि जिस समय धमकी का मेल आया, उस समय मुख्यमंत्री नायब सैनी आवास पर नहीं थे। वह रोहतक के पहरावर गांव में परशुराम जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रोग्राम में गए हुए थे। इस बीच चंडीगढ़ पुलिस की जांच पड़ताल की क्लीयरेंस मिलने के बाद सचिवालय में कामकाज सामान्य हुआ। एहतियात के तौर पर चंडीगढ़ में सचिवालय तथा सीएम आवास की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

हाई-वे के सभी अवैध कट तुरंत किए जाएं बंद, सड़कें हो गड्ढा मुक्त

एजेंसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि जिला के जितने भी राज्य व राष्ट्रीय राजमार्ग है, उन सभी के अवैध कटों को तुरंत बंद किया जाए। सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करके दुरूस्त किया जाए ताकि सम्भावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके। सड़क सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करके हम दुर्घटनाओं पर अंकुश लगा सकते हैं और इससे किसी के अमूल्य जीवन को बचाया जा सकता है। यातयात के नियमों का उल्लघंन करने वालों के चालान किए जाए। डीसी मोहम्मद इमरान रजा स्थानीय सड़क सुरक्षा, सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की बैठक ले रहे थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिन्हित करके उन स्थानों पर सड़क सुरक्षा से संबंधित व्यापक प्रबंध किए जाएं। सड़क सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही सहन नहीं की जाएगी। अगर किसी सड़क पर कोई खामी होने पर दुर्घटना घटती है तो संबंधित विभाग और साइट इंजिनियर की जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई

जाएगी। नए बस अड्डा के सामने बैरिकेटिंग की उचित व्यवस्था की जाए ताकि कोई भी बस सीधा हाईवे पर नहीं आकर सर्विस लेन से मुख्य मार्गों पर आए ताकि कोई भी दुर्घटना घटित न हो। उन्होंने कहा कि सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत स्कूली बसों की नियमित चैकिंग होनी चाहिए। जरूरी जगहों पर कैट आई या साइन बोर्ड लगाएं जाएं ताकि हादसे न हों। एनएचआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी सर्विस रोडों की मुरम्मत करवाना सुनिश्चित करें। डीसी ने एजेंडे में शामिल सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। इस दौरान आरटीए सचिव गिरीश ने रोड सेफ्टी के बारे में समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की।

भगवान परशुराम के आदर्श और संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की देते हैं प्रेरणा: नायब सैनी

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव पहरावर में गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को कैंपस-III के शिक्षण संस्थानों के निर्माण कार्यों हेतु प्रदेश सरकार की ओर से मैचिंग ग्रांट देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जितना पैसा समाज इन संस्थानों के लिए एकत्रित करेगा, उससे ज्यादा की राशि हरियाणा सरकार द्वारा मैचिंग ग्रांट के रूप में प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में किसी एक बड़े पार्क का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं जिला रोहतक के गांव पहरावर में भगवान परशुराम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने समाज की

संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा रखी गई अन्य मांगों को भी विभागों को भेजकर उनकी फिजिबिलिटी चैक करवाकर प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का काम किया जाएगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 61 करोड़ 23 लाख रुपये लागत की कुल 9 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 54 करोड़ 26 लाख रुपये लागत की 5 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 6 करोड़ 97 लाख रुपये लागत की 4 परियोजनाओं का उद्घाटन शामिल है।सीएम सैनी ने भगवान परशुराम जयंती, सिख गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस और अरूट महाराज की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि सभी महापुरुषों ने धर्म की स्थापना, सामाजिक एकता, सद्भाव और संस्कृति के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। इनकी जीवनयात्रा हम सभी को सदा धर्म पथ पर चलने और मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी। भगवान परशुराम को पराक्रमी योद्धा, वेदों के ज्ञाता और एक महान समाज सुधारक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे ऐसे महान योद्धा थे, जिन्होंने ब्राह्मण होते हुए भी शस्त्र धारण कर अन्याय और अधर्म का नाश किया।

पत्रकारिता का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान : अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर उपायुक्त अभिषेक मीणा ने जिला के सभी मीडियाकर्मियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर वर्तमान समय तक पत्रकारिता का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि 30 मई को पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने 1826 में प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन आरंभ किया था। यह दिन हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिस ने देश में पत्रकारिता की दिशा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता दिवस देश के लिए एक गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में हिंदी के बढ़ते वर्चस्व व सम्मान में हिंदी पत्रकारिता का विशेष योगदान है। हिंदी पत्रकारिता की एक ऐतिहासिक व स्वर्णिम यात्रा रही है जिसमें संघर्ष, कई पड़ाव व सफलताएं भी शामिल है। उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम या उसके बाद के उभरते नये भारत की बात हो, तो उसमें हिंदी पत्रकारिता के भागीरथ प्रयास को नकारा नहीं जा सकता। समाज का प्रत्येक वर्ग फिर चाहे वो किसान हो, मजदूर हो, शिक्षित वर्ग हो या फिर समाज के प्रति चिंतन-मनन करने वाला आम आदमी, सभी हिंदी पत्रकारिता के साथ अपने आपको जुड़ा हुआ मानते हैं। हिंदी पत्रकारिता सही मायनों में सरकार व जनता के बीच एक सेतु का कार्य भी करती है।

शिकायतों का समाधान हो शीघ्र, जनता न हो परेशान : गौरव गौतम

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में युवा खेल, अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर जन शिकायतों का त्वरित समाधान करें ताकि जनता को बार-बार भटकना न पड़े। वे लघु सचिवालय में आयोजित जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में प्रस्तुत 24 शिकायतों में से अधिकांश का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। राज्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि इन बैठकों का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान है, और किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। डॉ. राज सिंह की धोखाधड़ी संबंधी शिकायत पर मंत्री ने पुलिसको मामले की निष्पक्ष जांच हेतु अन्य अधिकारी को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए। पिंकी नामक प्रार्थी की मांग पर बीएसएनएल टावर हटाने हेतु नियमों के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए। गांव रिढाऊ में पीने के पानी की समस्या पर ट्यूबवेल योजना की जानकारी दी गई। नांगल कलां निवासी सुरेंद्र की मारपीट की

शिकायत की जांच एसीपी को सौंपी गई। गांव भुर्री की सोहना देवी के लिए आवास निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश उपायुक्त को दिए गए। भीमनगर के निवासियों की गंदे पानी की निकासी की शिकायत पर स्थायी समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विधायक निखिल मदान, विधायक पवन कुमार, जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया, पुलिस आयुक्त ममता सिंह, उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार, नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा में बुकिंग करते समय फर्जी वेबसाइट से रहें सावधान : शशांक सावन

पुलिस ने किया नागरिकों को सचेत, ठगी हो भी जाए तो तुरंत करे शिकायत

(ज्योति दर्पण)

हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा है कि चारधाम की यात्रा प्रारंभ हो चुकी है। इसके लिए आमजन द्वारा विभिन्न वेबसाइट के माध्यम से होटल, टूर पैकेज और हेलीकॉप्टर आदि की बुकिंग की जा रही है। आमजन साइबर ठगी से बचने के लिए ऑनलाइन बुकिंग करते समय सावधानी बरतें क्योंकि साइबर ठग चारधाम यात्रा के लिए किसी भी तरह की ऑनलाइन बुकिंग करने वालों को अपना शिकार बना रहे हैं। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि साइबर ठग नकली वेबसाइट, सोशल मीडिया प्रोफाइल और वट्सअप अकाउंट के जरिए लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं। आमजन चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर, गेस्ट हाउस, होटल बुकिंग, कैब, टैक्सी सर्विस बुकिंग, हॉलिडे पैकेज और धार्मिक टूर जैसी सेवाओं को ऑनलाइन बुक करवाते

हैं। साइबर ठग इन वेबसाइट्स के नकली वर्जन बनाकर लोगों के साथ ठगी रहे हैं। अगर कोई नागरिक इन ठगों की वेबसाइट से बुकिंग करवाता है, तो उसके अकाउंट से पैसे तो पूरे कट जाते हैं लेकिन बुकिंग का कन्फर्मेशन नहीं मिलता। साथ ही वहां किसी से संपर्क करने से जुड़ी कोई जानकारी भी नहीं मिलती।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अगर नागरिक चारधाम यात्रा पर जा रहे हैं और किसी भी तरह की सर्विस को ऑनलाइन बुक करना चाहते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। कभी भी किसी भी सेवा का भुगतान करने से पहले वेबसाइट को अच्छे से जांच लें, वेबसाइट का एड्रेस कंफर्म जरूर करें, वेबसाइट के पते में हल्का सा भी फर्क होने पर पेमेंट न करें, साइबर ठग ऑफिशियल वेबसाइट्स से मिलते-जुलते वेबसाइट पते पर ही ठगी का रैकेट चलाते हैं। पहले ऑफिशियल सोर्स से सही वेबसाइट का पता मालूम करें और फिर बुकिंग करें। गूगल, व्हाट्सऐप या फेसबुक पर किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अगर बुकिंग के लिए किसी लिंक पर क्लिक करना है तो जांच लें कि आपको सही जगह से लिंक मिला है या नहीं। ट्रैवल एजेंसी को चुनते वक्त ध्यान रखें। किसी ऐसी एजेंसी को चुनें जो कि काफी समय से इस तरह की सेवाएं दे रही हैं।

विवाहिता के साथ दहेज उत्पीड़न,मामला दर्ज

पानीपत। पानीपत में महिला के साथ दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया है। शादी के बाद ससुराल वाले उसे दहेज कम लाने का ताना देने लगे और मारपीट करने लगे। महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ थाना इसराना में मामला दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार रोहतक की शारदा रानी शुक्रवार को थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी पानीपत में अजमेर से हुई थी। शारदा के पिता सुरेश कुमार ने अपनी हैसियत से बढ़कर दहेज देकर बेटी को विदा किया था। शुरुआती दिनों में सब ठीक रहा, लेकिन कुछ समय बाद उसके ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर शारदा को प्रताड़ित करने लगे, शारदा ने बताया कि उसकी सास वीरमति, ससुर भीम सिंह और जेठ प्रीतम सिंह रोजाना मारपीट करते थे। उसे दहेज कम लाने के ताने दिए जाते थे। उसका पति बिजली मिस्त्री है। वह भी परिवार का साथ देते हुए उसके साथ मारपीट करता था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसका जेठ शराब के नशे में रहता था।

झज्जर जिले में तीन स्थानों पर चलेगा दूसरा सिविल डिफेंस अभ्यास ऑपरेशन शील्ड

एजेंसी

झज्जर। राष्ट्रीय सुरक्षा के वर्तमान परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशानुसार शनिवार को जिले में उपमंडल बहादुरगढ़, बादली व बेरी में चिह्नित स्थानों पर दूसरा सिविल डिफेंस अभ्यास ऑपरेशन शील्ड आयोजित किया जाएगा।उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों पर आधारित यह मॉक ड्रिल अभ्यास 31 मई को जिले में तीन चिह्नित स्थानों पर शाम 5 बजे से प्रारंभ होगा। यह अभ्यास 29 मई गुरुवार को आयोजित होना था, लेकिन प्रशासनिक कारणों से कार्यक्रम में बदलाव किया गया था। उन्होंने बताया कि शनिवार को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के दौरान कई महत्वपूर्ण आपातकालीन स्थितियों का अभ्यास किया जाएगा। इसमें सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स की सामान्य/साइलेंट रिकॉल, एयर रेड व सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम्स के बीच हॉटलाइन का संचालन और एयर रेड साइरनों का साझा अभ्यास शामिल है। डीसी ने कहा कि सिविल डिफेंस अभ्यास ऑपरेशन शील्ड की व्यापक योजना तैयार की गई है व इसमें संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। डीसी ने कहा कि इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य किसी भी आपात या संकट की स्थिति में जिले की प्रतिक्रिया प्रणाली की क्षमता का परीक्षण करना, नागरिक प्रशासन, रक्षा बलों और स्थानीय समुदायों के बीच समन्वय को मजबूत बनाना तथा संभावित कमजोरियों की पहचान कर उन्हें दूर करना है। डीसी ने बताया कि सिविल डिफेंस अभ्यास के दौरान पूरे जिले में सायं 8 बजे से 15 मिनट का ब्लैकआउट किया जाएगा। ब्लैकआउट नागरिक क्षेत्रों, महत्वपूर्ण स्थलों में किया जाएगा। यह ब्लैकआउट आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी पर लागू रहेगा।

जिसमें आवश्यक सेवाएं जैसे अस्पताल, अग्निशमन केंद्र और पुलिस स्टेशन शामिल नहीं होंगे। यह अभ्यास नागरिकों को बिना घबराए संयम बनाए रखते हुए सतर्क रहने की दृष्टि से किया जाएगा। नागरिकों को पहले ही इसके बारे में समय पर सतर्क रहें व ब्लैक आउट करते हुए सिविल डिफेंस अभ्यास में सक्रिय सहभागी बनें।

आयकर विभाग ने आईटीआर-1, आईटीआर-4 के लिए एक्सेल सुविधा उपलब्ध कराई

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 में आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी फॉर्म को उपलब्ध करा दिया है। आयकर दाता अब इस फॉर्म का इस्तेमाल कर वित?त व्र्ष 2024-25 में अर्जित आय के लिए अपना आयकर रिटर्न आईटीआर दाखिल करना शुरू कर सकेंगे।आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि उसने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के लिए एक्सेल सुविधा उपलब्ध करा दी है, जिससे करदाता अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ ही करदाता वित्त वर्ष 2024-25 में अर्जित आय के लिए अपना आईटीआर दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इसी हफ्ते इस साल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ा कर 15 सितंबर कर दी है। आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म ऐसे व्यक्ति, एचूएफ और संस्थाएं भरते हैं, जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं करवाना पड़ता।उल् लेखनीय है कि करदाता सूचीबद्ध शेयर से 1.25 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पाने वाले आय को आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में दिखा सकते हैं। इससे पहले उन्हें आईटीआर-2 फार्म भी भरना पड़ता था।

एनपीएस ग्राहक 30 जून तक कर सकते हैं यूपीएस के अतिरिक्त लाभ का दावा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के सेवानिवृत्त नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) ग्राहक जो न्यूनतम 10 वर्ष की अर्हक सेवा सहित सेवानिवृत्त हुए हैं, वे एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत अतिरिक्त लाभ का दावा कर सकते हैं। यह यूपीएस लाभ पहले से दावा किए गए एनपीएस लाभों के अतिरिक्त होंगे। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्र सरकार के एनपीएस ग्राहक जो 31 मार्च, 2025 या उससे पहले न्यूनतम 10 वर्ष की अर्हक सेवा के साथ सेवानिवृत्त हुए हैं, वे 30 जून, 2025 तक पहले से दावा किए गए एनपीएस लाभों के अलावा एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत अतिरिक्त लाभों का दावा कर सकते हैं। इस फॉर्म को निम्न www.npscra.nsdl.co.in/ups.php से डाउनलोड किया जा सकता है। ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए www.npscra.nsdl.co.in/ups.php पर आप जा सकते हैं। केंद्र सरकार की ये नई स्कीम उन कानूनी रूप से विवाहित जीवनसाथियों पर भी लागू होती है जिनके पति या पत्नी, जो एनपीएस के लाभार्थी थे, अब इस दुनिया में नहीं हैं। इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने की अंतिम तारीख 30 जून 2025 निर्धारित है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स साइटों पर रेडियो उपकरणों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए मानदंड जारी किए हैं। सीसीपीए ने ऐसे उपकरणों की 16,970 लिस्टिंग की जांच के बाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किए है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग के साथ अंतर-मंत्रालयी परामर्श के बाद इस दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 का उद्देश्य उन वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाना है, जो उपभोक्ता सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और आईटी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मास्यूटिकल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में 'भारत' वैश्विक स्तर पर सबसे भरोसेमंद साझेदार : केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में 'भारत' वैश्विक स्तर पर सबसे भरोसेमंद साझेदार बना हुआ है। उन्होंने इस भरोसे का श्रेय राजनीतिक स्थिरता, दूरदर्शी नेतृत्व, सांस्कृतिक मूल्यों और सस्टेनेबल भविष्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दिया। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में केंद्रीय मंत्री ने भारत की जलवायु नीति संरचना के बारे में बताया, जिसमें तीन प्रमुख चालकों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने बताया, 'भारत लीनियर से एक सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल में बदल रहा है, जिसका लक्ष्य अपशिष्ट को कम करना और संसाधन दक्षता को बढ़ाना है। सरकार ने रीसाइक्लिंग और सस्टेनेबल उपभोग को बढ़ावा देने के लिए टायर, बैटरी, प्लास्टिक और ई-कचरे सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर

रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) दिशानिर्देश पेश किए हैं। 2022 और 2024 के बीच, रीसाइक्लिंग सेक्टर ने कुल 10,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया, जो सस्टेनेबल प्रैक्टिस के प्रति उद्योग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अनुमान है कि 2050 तक सर्कुलर इकोनॉमी सेक्टर का मूल्य 2 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा, जिससे लगभग 10 मिलियन नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 'मिशन लाइफ' (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) और राष्ट्रव्यापी अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' शुरू किया है, जो पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक समुदाय-संचालित पहल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मिशन लाइफ के तहत ग्रीन क्रेडिट नियमों की शुरूआत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में स्वैच्छिक कार्यों को प्रोत्साहित करती है, जिससे सस्टेनेबिलिटी के कल्चर को बढ़ावा मिलता है।' सरकार ने जलवायु वित्त वर्गीकरण का ड्राफ्ट फ्रेमवर्क जारी किया है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) को प्रस्तुत की जाने वाली पहली राष्ट्रीय अनुकूलन योजना का विकास, अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने, ज्ञान प्रणालियों को मजबूत करने और जलवायु जोखिमों को कम करने पर केंद्रित है। केंद्रीय मंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं से आत्मनिर्भर सर्कुलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

उन्होंने उन्हें नॉलेज शेयरिंग और सस्टेनेबल प्रैक्टिस को सुविधाजनक बनाने के लिए एक सहयोगी मंच के रूप में भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के तहत शुरू किए गए 'संसाधन दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था उद्योग गठबंधन' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने एडीबी अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की, एडीबी के समर्थन और निवेश पर चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामले तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारतीय शहरीकरण में एडीबी के निरंतर समर्थन और निवेश पर चर्चा की। विद्युत मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने श्रम शक्ति भवन में एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने भारत की शहरी विकास पहलों के लिए एडीबी के निरंतर समर्थन पर चर्चा की। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में भारत के शहरी परिवर्तन को गति देने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो कि विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। दोनों पक्षों ने देशभर में समावेशी, टिकाऊ तथा तकनीकी रूप से नवीन शहरी समाधानों को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय बजट 2025-26 में उल्लिखित प्राथमिकताओं के अनुरूप ज्ञान ढांचे को विकसित करने में एडीबी के सहयोग की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने एडीबी द्वारा प्रदर्शन परियोजनाओं की शुरुआत करने में रुचि व्यक्त की, जो भविष्य के शहरी विकास के लिए प्रकाश स्तंभ मॉडल के रूप में काम कर सकती है।एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कांडा ने रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) में भारत की प्रगति की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने जमीनी स्तर पर नवाचार और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए एकीकृत नियोजन और निजी क्षेत्र की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

इंडियाएआई मिशन के तहत जीपीयू की संख्या बढ़कर 34,000 से अधिक हुई, एआई इकोसिस्टम को मिलेगा बढ़ावा: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी
नई दिल्ली।इंडियाएआई मिशन ने दूसरे दौर में लगभग 16,000 अतिरिक्त ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) को सूचीबद्ध किया गया है, जिससे मिशन के तहत उपलब्ध जीपीयू की संख्या बढ़कर 34,300 से अधिक हो गई है। इससे देश के एआई इकोसिस्टम को बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह जानकारी केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। केंद्रीय मंत्री ने इंडियाएआई मिशन के कार्यक्रम में कहा कि बीते डेढ़ साल में हमने काफी प्रगति की है। हमने जीपीयू सूचीबद्ध करने का दूसरा चरण पूरा कर लिया है और तीसरा चरण भी जल्द पूरा होगा और उसके बाद काफी सारे जीपीयू और जुड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि तकनीक को कुछ लोगों के हाथों में न छोड़ा जाए। समाज के एक बड़े वर्ग की तकनीक तक पहुंच होनी चाहिए, उन्हें नए समाधान विकसित करने में सक्षम होना चाहिए और बेहतर अवसर मिलने चाहिए। यही वह उद्देश्य है जिसके साथ इंडिया एआई मिशन की

शुरुआत की गई थी। मार्च 2024 में 10,372 करोड़ रुपए के बजट के साथ लॉन्च किए गए इंडियाएआई मिशन का लक्ष्य सात प्रमुख स्तंभों के माध्यम से एक मजबूत और समावेशी एआई इकोसिस्टम का निर्माण करना है। इसके सात स्तंभों में स्केलेबल जीपीयू आधारित कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल डेवलपमेंट, गुणवत्तापूर्ण डेटासेट तक पहुंच, सेक्टर विशिष्ट एआई एप्लीकेशन, एआई लैब के माध्यम से अपस्किलिंग, डीप-टेक स्टार्टअप के लिए फंडिंग और नैतिक, जिम्मेदार एआई प्रोजेक्ट के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय शामिल हैं। इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत, इंडियाएआई मिशन ने 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' के लिए 10 स्टार्टअप को चुने जाने की घोषणा भी है।

चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी भारतीय अर्थव्यवस्था

एजेंसी
नई दिल्ली।जनवरी-मार्च तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने के बल पर वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुये दुनिया की 'सबसे तेजी से बढ़ने वाली' अर्थव्यवस्था का तमगा बरकरार रखा, लेकिन यह वृद्धि दर चार वर्ष में सबसे कम है। केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी जीडीपी के आंकड़ों के अनुसार अंतिम तिमाही जनवरी-मार्च में जीडीपी उम्मीद से बेहतर 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछली तीन तिमाहियों से अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही थी। दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों को संशोधित कर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 10.8 रहने का अनुमान लगाया गया है। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में नॉमिनल जीडीपी में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 के वास्तविक जीडीपी के आंकड़े पिछले चार वर्ष में हालांकि सबसे कम है। वित्त वर्ष 2021-22 में यह वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत, 2022-23 में 7.6 प्रतिशत और 2023-24 में 9.2 प्रतिशत रही थी। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के दौरान निर्माण क्षेत्र में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। इसके बाद 'लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं' क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर और 'वित्तीय, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाओं' क्षेत्र में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी या स्थिर कीमतों पर जीडीपी 51.35 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 47.82 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 7.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में नॉमिनल जीडीपी या मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 88.18 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो 2023-24 की चौथी तिमाही के 79.61 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 10.8 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीवीए 45.76 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 42.86 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 6.8 प्रतिशत अधिक है।

ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट में भारत की 47 प्रतिशत भागीदारी, यूपीआई का दायरा वैश्विक स्तर पर बढ़ा : सिंधिया

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जोर देकर कहा कि कुल डिजिटल लेन-देन का लगभग 47 प्रतिशत भारत से होता है और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का दायरा अब वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है। इसके अलावा, भारत आज टेक्नोलॉजी और दूरसंचार क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने सीआईआई के 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में उदाहरण देते हुए बताया, 'भारत को डिजिटल-फर्स्ट इकोनॉमी के रूप में देखा जाता है और वर्तमान में दूरसंचार क्रांति चल रही है। स्केलेबिलिटी ने संचार की लागत को कम कर दिया है, जो वर्तमान में दुनिया में सबसे कम है। देश ने

दूरसंचार में 'आत्मनिर्भरता' हासिल की है और टेक्नोलॉजी स्टैक का निर्माण करने वाले चार देशों में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी पोस्टल डिपार्टमेंट को भी बदल रही है और पोस्टल सिस्टम में नई सेवाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना एक सराहनीय उपलब्धि है। केंद्रीय मंत्री ने भारत की प्रगति के केंद्र बिंदु के रूप में पूर्वोत्तर के महत्व को भी रेखांकित किया, जहां दशकीय विकास दर 12-13 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा, 'देश के 8 राज्य विकसित भारत की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने वाले इंजन के रूप में उभरेंगे। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने 'राइजिंग नॉर्थ-ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' से 4.3 लाख करोड़ रुपए के निवेश में रुचि दिखाने के लिए केंद्रीय मंत्री को बधाई देते हुए कहा कि पूर्वोत्तर भारत दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में बदल रहा है, जो व्यापार, कनेक्टिविटी और विकसित भारत के लिए हमारी महत्वाकांक्षा को शक्ति प्रदान कर रहा है।हाल ही में हुए राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र वैश्विक साझेदारी और आपसी हितों के केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने पिछले दिनों, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत के रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में पूर्वोत्तर क्षेत्र की बढ़ती महत्ता को लेकर एक आर्टिकल भी लिखा था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी
नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त हफ्ते में 6.99 अरब डॉलर बढ़ कर 692.72 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 23 मई को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.99 अरब डॉलर बढ़ कर 692.72 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घट कर 685.73 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 23 मई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़ कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर बढ़ कर 83.58 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़ कर 18.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी

तीन करोड़ डॉलर बढ़ कर 4.40 अरब डॉलर हो गया। उल्लेखनीय है कि सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

34 गीगावाट सौर क्षमता स्थापित करके राजस्थान की पूरे देश में सर्वाधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता : ऊर्जा मंत्री

एजेंसी
जयपुर। जयपुर में आयोजित रीकनेक्ट शिखर सम्मेलन-25 में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राजस्थान वर्तमान में स्थापित सौर क्षमता के मामले में भारत में सबसे आगे है, जिसमें 34 गीगावाट पहले से ही चालू है। राज्य में देश में सबसे अधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता है, जिसमें सौर ऊर्जा में 142 गीगावाट और पवन ऊर्जा में 284 गीगावाट तक की क्षमता है, । ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में ही हमने 10,772 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। एकीकृत ऊर्जा नीति के तहत हमारा लक्ष्य 2030 तक 125 गीगावाट हासिल करना है। यह 500 गीगावाट के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें राजस्थान प्रमुख भूमिका निभा रहा है। राजस्थान भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति के केंद्र में है। आज, देश भर के निवेशक सौर और अन्य स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में अवसरों के लिए राजस्थान की ओर देख रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में, हमारी सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं - जिसमें एक समर्पित ऊर्जा नीति शुरू करना भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में भूमि है, हमने भूमि आवंटन नीति को सरल बनाया है ताकि निवेशक आ सकें, निवेश कर सकें और राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। इससे हमें अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में अन्य राज्यों को बिजली देने में मदद मिलेगी। वे जयपुर, राजस्थान के क्लार्क्स आमेर होटल में एनर्जेटिका इंडिया पत्रिका द्वारा आयोजित रीकनेक्ट शिखर सम्मेलन-25, जयपुर में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री ने राजस्थान को बैटरी ऊर्जा भंडारण के लिए राष्ट्रीय केंद्र बनाने की योजना का भी अनावरण किया, जिसका लक्ष्य केंद्र सरकार के सहयोग से 5,000 मेगावाट भंडारण क्षमता हासिल करना है। उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री इस पर चर्चा करने के लिए दिल्ली गए हुए हैं। उन्होंने निवेशकों से ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सौर प्रतिष्ठानों के साथ कम से कम 25-30 प्रतिशत बैटरी भंडारण को एकीकृत करने का आग्रह किया। नागर ने घोषणा की कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा घोषित रूफटॉप सोलर सिस्टम द्वारा संचालित राज्य की महत्वाकांक्षी 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना बहुत जल्द शुरू होने जा रही है। नागर ने कहा कि हमारा लक्ष्य 33,000 रुपये की केंद्रीय सब्सिडी और 17,000 रुपये की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के साथ 1.1 किलोवाट की छत पर सौर प्रणाली स्थापित करना है। इस छत पर सौर योजना से राज्य की क्षमता में 4,000-5,000 मेगावाट की वृद्धि होने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन में सौर पीवी विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण अपनाने, कृषि को सौर ऊर्जा से जोड़ने, विनियामक सुधार और वाणिज्यिक, औद्योगिक और आवासीय छत विकास पर चर्चा हुई।

खाद्य पदार्थों के लेबलिंग और प्रचार में '100 प्रतिशत' के दावे का उपयोग न करें एफबीओ: एफएसएसएआई

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य पदार्थों की लेबलिंग में 100 प्रतिशत शब्द के उपयोग के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किया है। निर्देश के मुताबिक 100 प्रतिशत शब्द के उपयोग को उपभोक्ताओं के लिए गुमराह करने वाला बताया है। शीर्ष खाद्य नियामक ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) से मौजूदा नियामक प्रावधानों के तहत इसकी अस्पष्टता और गलत व्याख्या की आशंका के कारण खाद्य लेबल, पैकेजिंग और प्रचार सामग्री पर इस शब्द का उपयोग करने से परहेज करने को कहा है। जारी सलाह में, एफएसएसएआई ने खाद्य उत्पाद लेबल और प्रचार प्लेटफार्मों पर 100 प्रतिशत शब्द के उपयोग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी पर प्रकाश डाला। प्राधिकरण ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की शब्दावली न केवल वर्तमान नियमों के तहत अपरिभाषित है, बल्कि भ्रामक भी है और उपभोक्ताओं के बीच एक गलत धारणा पैदा करने की आशंका है। खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 के अनुसार, 100 प्रतिशत शब्द को एफएसएस अधिनियम, 2006, या उसके तहत बनाए गए नियमों और विनियमों में किसी भी तरह से परिभाषित या संदर्भित नहीं किया गया है। इसके अलावा, उपरोक्त विनियमों का उप-विनियम 10(7) किसी भी विज्ञापन या दावे को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है जो प्रतिस्पर्धी उत्पादों को बदनाम करता है या उपभोक्ताओं को गुमराह करता है। उप-विनियम 4(1) यह अनिवार्य करता है कि सभी दावे सत्य, अस्पष्ट सार्थक और भ्रामक नहीं होने चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि उपभोक्ता जानकारी को सही ढंग से समझ और व्याख्या कर सकें। 100 प्रतिशत शब्द का उपयोग - चाहे अकेले या अन्य विवरणकों के साथ संयुक्त रूप से - पूर्ण शुद्धता या श्रेष्ठता का एक गलत प्रभाव पैदा करने की संभावना है। यह उपभोक्ताओं को यह विश्वास करने के लिए गुमराह कर सकता है कि बाजार में अन्य तुलनीय उत्पाद नियामक मानकों के अनुरूप निम्न या गैर-अनुपालक हैं।

लंदन और एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी इंडिगो

एजेंसी
नई दिल्ली। एयरलाइन इंडिगो चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लंदन और एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने को तैयार है। इस कदम से एयरलाइन का वैश्विक नेटवर्क सिर्फ एक साल में 40 से 50 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंच जाएगा। एयरलाइन का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 100 से अधिक नए मार्गों के जरिए 40 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों और 20 भारतीय शहरों को जोड़ना है, जिससे भारत की 90 फीसदी आबादी तक इसकी पहुंच और बढ़ जाएगी।

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी के आगामी अंतरराष्ट्रीय विस्तार में एम्स्टर्डम (नीदरलैंड), मैनचेस्टर (यूके), कोपेनहेगन (डेनमार्क), सिएम रीप (कंबोडिया) और मध्य एशिया के चार गंतव्यों के लिए नए मार्ग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र में जबरदस्त अवसर हैं, जहां बढ़ती मांग के साथ-साथ तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जुलाई से इंडिगो मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 विमानों का उपयोग करके सीधी उड़ानें शुरू करेगी।

झारखंड ने 16वें वित्त आयोग से मांगे 3 लाख 3 हजार करोड़, मंत्रियों और अधिकारियों ने पेश की रिपोर्ट

एजेंसी
रांची । झारखंड सरकार ने 16वें वित्त आयोग से राज्य के विकास के लिए कुल 3 लाख 3 हजार 527 करोड़ रुपए का ग्रांट मांगा है। राज्य के चार दिवसीय दौरे पर आई आयोग की टीम के समक्ष राज्य सरकार के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने विभिन्न क्षेत्रों में समेकित और समावेशी विकास के संभावित रोडमैप पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया।

सरकार ने आयोग को बताया कि देश की आवश्यकताओं के लिए खनिज एवं प्राकृतिक संपदा संपन्न इस राज्य के संसाधनों का जितने बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता है, उस अनुपात में उसे केंद्रीय अनुदान में हिस्सा अब तक नहीं मिल पाया है।

आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य सरकार की ओर से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, उच्च शिक्षा, नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, जल संसाधन मंत्री योगेंद्र प्रसाद एवं अन्य ने कहा कि झारखंड को विकास की दौड़ में आगे लाने के लिए इसे विशेष संरक्षण

और सहायता की जरूरत है। राज्य में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए उठाए जा रहे कदमों से भी आयोग को अवगत कराया गया।

आधिकारिक तौर पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने आधारभूत संरचना के विकास के लिए सबसे ज्यादा 2 लाख 1 हजार 772 करोड़ रुपए की मांग रखी है। इसके तहत सड़क, पुल, ग्रामीण विकास, परिवहन, शहरी विकास, ऊर्जा, उद्योग और पर्यटन आदि से संबंधित जरूरतों को रेखांकित किया गया है।

सामाजिक सेक्टर में विकास के लिए 44 हजार 447 करोड़, कृषि, वन एवं जल संसाधन के क्षेत्र के लिए 41 हजार 388 करोड़ और गृह, पंचायती राज, भूमि सुधार, राजस्व आदि क्षेत्र के लिए 17 हजार 918 करोड़ की मांगें आयोग के समक्ष रखी गई हैं।

बैठक के बाद मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि आयोग ने हमारे रोडमैप, राज्य की परिस्थितियों और जरूरतों के बारे में विस्तृत जानकारी ली है और हमारी मांगों के प्रति उनका रुख सकारात्मक है। आयोग ने संवैधानिक संस्था के रूप में समुचित कदम उठाने के प्रति हमें आश्वस्त किया है।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि आयोग के समक्ष हमारी सरकार ने राज्य की विशिष्ट परिस्थितियों और जरूरतों के बारे में विस्तृत प्रतिवेदन रखा है। हम आयोग की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं। हमें विश्वास है कि झारखंड के प्रति पूरा न्याय होगा और हर क्षेत्र के विकास के लिए हमें हमारी मांग के अनुसार अनुदान प्राप्त होगा।

खराब मौसम ने खेल बिगाड़ा : एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के उद्घाटन दिवस पर प्रतियोगिता स्थगित

एजेंसी

मंगलुरु। छठवें एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के पहले दिन की सभी प्रतियोगिताएं रद्द कर दी गईं। तन्निरभवी ईको बीच पर आयोजित इस राष्ट्रीय सर्फिंग प्रतियोगिता की शुरुआत भारी बारिश और समुद्र में खतरनाक हालात के कारण नहीं हो सकी। अरब सागर में चक्रवातीय गतिविधियों और मानसून के समय से पहले आगमन के चलते समुद्र में ऊंची लहरें और अनियमित वेव पैटर्न देखे गए, जिससे सर्फिंग के लिए स्थितियां असुरक्षित हो गईं। आयोजकों, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, मंत्रा सर्फ क्लब और सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन ने सावधानी बरतते हुए दिन की सभी प्रतियोगिताएं स्थगित करने का निर्णय लिया। तीन दिवसीय यह प्रमुख सर्फिंग प्रतियोगिता 2025 की नेशनल सर्फिंग चैंपियनशिप सीरीज़ का दूसरा चरण है, जिसका आयोजन सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है और मंत्रा सर्फ क्लब इसकी मेजबानी कर रहा है। यह आयोजन सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अधीन हो रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में मौसम विभाग के चेतावनी के अनुसार प्रतियोगिता स्थल को ससिहिथलु बीच से तन्निरभवी ईको बीच स्थानांतरित कर दिया गया था। हालांकि, मौसम में सुधार नहीं हुआ और लगातार बारिश ने पहले दिन के सभी मुकाबलों को बाधित कर दिया।

चिकमंगलूर में भारतीय राष्ट्रीय टीएसडी रैली चैम्पियनशिप (4डब्ल्यू) 2025 के सीज़न-ओपनिंग क्वालीफायर के लिए रिकॉर्ड 130 एन्ट्री

चिकमंगलूर। कर्नाटक की कॉफी पहाड़ियों में एक बार फिर मोटरस्पोर्ट्स का रोमांच लौट आया है क्योंकि 31 मई और 1 जून को आयोजित होने जा रही रैली ऑफ चिकमंगलूर के साथ एफएमएससीआई इंडियन नेशनल टाइम स्पीड डिस्टेंस रैली चैंपियनशिप (4डब्ल्यू) 2025 का सीज़न शुरू हो रहा है। मोटर स्पोर्ट्स क्लब ऑफ चिकमंगलूर (एमएससीसी) द्वारा आयोजित और जेके टायर मोटरस्पोर्ट के सहयोग तथा वम्सी मेरला स्पोर्ट्स फाउंडेशन के सह-प्रायोजन में आयोजित यह साउथ ज़ोन का पहला राउंड है, जो चिकमंगलूर की खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण टारमार्क सड़कों पर ड्राइवरों और नेविगेटरों की तकनीकी दक्षता और मानसिक मजबूती की परीक्षा लेगा। एक्शन की शुरुआत 31 मई को शाम 4:30 बजे (16:30 बजे आईएसटी) सिग्नेचर अपार्टमेंट, के.एम. रोड, एपीएमसी के पास, चिकमंगलूर से सेरेमोनियल स्टार्ट के साथ होगी। रैली लेग 2 का आरंभ अगले दिन सुबह 7:00 बजे (1 जून) होगा, जिसमें प्रतिभागी लगभग 210 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। कार्यक्रम का समापन उसी स्थल पर 1 जून को दोपहर 2:00 बजे (14:00 बजे आईएसटी) पुरस्कार वितरण समारोह के साथ किया जाएगा।

एपीजीसी जूनियर चैंपियनशिप: रणवीर और कृष लड़कों की टीम स्पर्धा में पांचवें स्थान पर

हांगकांग। भारतीय गोल्फरों रणवीर मित्रो और कृष चावला ने एशिया-पैसिफिक गोल्फ कन्फेडरेशन (एपीजीसी) जूनियर चैंपियनशिप के दौरान हांगकांग गोल्फ क्लब में लड़कों की टीम स्पर्धा में कुल चार ओवर 430 के स्कोर के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। चीनी जोड़ी जिन हेंग यान और जिन हान ने चार-अंडर 422 के कुल स्कोर के साथ लड़कों की टीम स्पर्धा का खिताब जीता। बारिश के मौसम ने कम स्कोर बनाना मुश्किल बना दिया, लेकिन रणवीर ने टूर्नामेंट में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए तीसरे और अंतिम राउंड में दो ओवर 73 का स्कोर जमा किया और व्यक्तिगत स्पर्धा में छठा स्थान हासिल किया। उनका कुल स्कोर दो-अंडर 211 रहा, जो भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) द्वारा भेजी गई चार-सदस्यीय टीम में सबसे अच्छा था। कृष ने कुल छह ओवर 219 के स्कोर के साथ 22वां स्थान प्राप्त किया। न्यूज़ीलैंड के कूपर मूर ने तीन-दिवसीय नौ-अंडर 204 के कुल स्कोर के साथ लड़कों की व्यक्तिगत स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया जबकि वियतनाम के तुआन अन्ह गुयेन दूसरे स्थान पर रहे। रणवीर ने कहा कि यह टूर्नामेंट उनके लिए एक 'अमूल्य सीखने का अनुभव' रहा और इससे उन्हें अपनी ताकत और सुधार के क्षेत्रों को समझने में मदद मिली।

लोनाटो वर्ल्ड कप के लिए 12 सदस्यीय शॉटगन टीम की घोषणा, रायज़ा ढिल्लों और अनंतजीत की वापसी

नई दिल्ल,। पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके स्कीट शूटर रायज़ा ढिल्लों और अनंतजीत सिंह नरूका एक बार फिर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा होंगे। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की चयन समिति ने उन्हें उस 12 सदस्यीय शॉटगन टीम में शामिल किया है। दोनों खिलाड़ी 4 से 14 जुलाई 2025 के बीच इटली के लोनाटो डेल गर्डा में होने वाले इस साल के चौथे और अंतिम इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप स्टेज में हिस्सा लेंगी। इस महीने की शुरुआत में निकोसिया में हुए तीसरे शॉटगन वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों में से, जहाँ भारत ने नए ओलंपिक इवेंट-ट्रैप मिक्स्ड टीम-में अपना पहला आईएसएसएफ पदक (कांस्य) जीता, केवल अनुभवी मीराज अहमद खान (पुरुष स्कीट) और महेश्वरी चौहान (महिला स्कीट) ही अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

मुंबई सिटी ने बिपिन सिंह के सम्मान में जर्सी नंबर 29 को रिटायर करने का किया फैसला

एजेंसी

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने पुष्टि की है कि विंगर बिपिन सिंह का क्लब के साथ अनुबंध 31 मई 2025 को समाप्त हो गया है और वह अब टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे। क्लब ने उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करते हुए उनकी जर्सी नंबर 29 को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। मणिपुर से ताल्लुक रखने वाले बिपिन सिंह ने 2018 में शिलॉन्ग लाजोंग और एटीके जैसे क्लबों में खेलकर अनुभव हासिल करने के बाद मुंबई सिटी से जुड़ाव बनाया था। इसके बाद वह क्लब के इतिहास के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक बन गए। बिपिन ने मुंबई सिटी के साथ रहते हुए दो बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप और दो बार लीग शील्ड अपने नाम की। उन्होंने क्लब के लिए कई अहम मौकों पर निर्णायक प्रदर्शन किए। बिपिन सिंह 2020-21 के ऐतिहासिक सीजन में टीम के अहम सदस्य थे, जब मुंबई

सिटी एफसी आईएसएल इतिहास में पहली बार कप और शील्ड दोनों जीतने वाली टीम बनी। फाइनल में एटीके मोहन बागान के खिलाफ नाम किया। फाइनल में एक और शानदार गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। 2022-23 में टीम के लीग शील्ड जीतने वाले दल का भी वह हिस्सा रहे। बिपिन सिंह ने 158 मैचों में 28 गोल किए और इस तरह वह मुंबई सिटी एफसी के इतिहास में सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। बिपिन ने भावुक विदाई संदेश में कहा, अलविदा कहना आसान नहीं है, लेकिन मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं। मुंबई सिटी पिछले सात सालों में मेरा घर रहा है और इस क्लब ने मुझे सब कुछ दिया। फैंस, साथियों, स्टाफ और हर उस व्यक्ति का शुक्रिया जो इस सफर का हिस्सा रहा। मुंबई सिटी हमेशा मेरे दिल में रहेगा। मुंबई सिटी के सीईओ कंदर्प चंद्रा ने कहा, 'बिपिन का सफर मुंबई सिटी के साथ बेहद खास रहा है। उन्होंने मैदान पर और बाहर दोनों जगह अपना गहरा प्रभाव छोड़ा है। उनका फैनबेस से जुड़ाव और क्लब के लिए उनकी प्रतिबद्धता अतुलनीय रही है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग: सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बॉक्सरों के लिए अनिवार्य होगी जेंडर टेस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने घोषणा की कि वह अपने सभी टूर्नामेंट्स में भाग लेने वाले पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य जेंडर टेस्टिंग (लिंग परीक्षण) लागू करेगा। अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग महासंघ ने यह फैसला उस विवाद के बाद लिया है, जो पिछले साल पेरिस ओलंपिक में अल्जीरिया की महिला गोल्ड मेडलिस्ट इमान खलीफ समेत कुछ खिलाड़ियों को लेकर हुआ था। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने कहा कि उसने अल्जीरियाई बॉक्सिंग फेडरेशन को सूचित कर दिया है कि अगर इमाने खलीफ नीदरलैंड्स में 5 से 10 जून के बीच होने वाले आइंधोवन बॉक्स कप में हिस्सा लेना चाहती हैं, तो उन्हें पहले लिंग परीक्षण से गुजरना होगा। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने अपने बयान में कहा,वर्ल्ड बॉक्सिंग ने अल्जीरियाई बॉक्सिंग फेडरेशन को पत्र लिखकर सूचित किया है कि इमान खलीफ को तब तक महिला वर्ग में आइंधोवन बॉक्स कप या किसी भी वर्ल्ड बॉक्सिंग इवेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक वह जेंडर टेस्ट नहीं करवा लेतीं।गौरतलब है कि वर्ल्ड बॉक्सिंग 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा।

बंगाल प्रो टी20 लीग: सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने सीजन 2 के लिए किया पुरुष टीम का ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने जून में होने वाले बंगाल प्रो टी20 लीग सीजन 2 के लिए हाल ही में आयोजित खिलाड़ियों के ड्राफ्ट के बाद एक मजबूत पुरुष टीम की घोषणा की है। टीम प्रबंधन ने 7 टेस्ट मैच खेलने वाले व आखिरी सीजन में भी टीम के मार्की खिलाड़ी रहे आकाश दीप को बरकरार रखा है।

हाल ही में सर्वोटेक स्पोर्ट्स से मेंटर के रूप में जुड़े अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ÷हमने अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के संयोजन से एक संतुलित टीम तैयार की है। इस अनुभव और युवा जोश का मिश्रण हमें हर परिस्थिति में ढलने और पूरे आत्मविश्वास से मुकाबला करने की क्षमता प्रदान करता है।टीम संयोजन पर विश्वास जताते हुए सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने कहा, हमने ऐसी टीम चुनी है जो चुनौतियों का सामना करते हुए दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। मुझे विश्वास है कि यह टीम एक शानदार प्रतिस्पर्धी बनकर उभरेगी और हमें गर्व महसूस कराएगी। पूरे उत्तर बंगाल की खेल भावना को समेटे सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, अलीपुरद्वार और कालिम्पोंग जिलों का प्रतिनिधित्व करती है। सीजन 1 में मजबूत नींव रखने के बाद, फ्रेंचाइजी का मकसद इस वर्ष अपने प्रदर्शन को और ऊंचाई पर ले जाने का है। बंगाल प्रो टी20 लीग सीजन 2 की पुरुष प्रतियोगिताएं 11 जून से ईडन गार्डन्स में शुरू होगी, जिसमें पिछले सीजन की संयुक्त विजेता टीमें सोबिस्को स्मैशर्स मालदा और मुर्शिदाबाद किंग्स रात 8 बजे

आमने-सामने होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 26 जून को ईडन गार्डन्स में डबल-हेडर के रूप में खेले जाएंगे, जिनका समय दोपहर 1 बजे और रात 7 बजे होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 28 जून को शाम 7 बजे से संपन्न होगा। वहीं महिला लीग की शुरुआत 12 जून को डबल-हेडर मुकाबलों के साथ होगी। पिछले सीज़न की उपविजेता मुर्शिदाबाद कुइन्स सुबह 9 बजे हार्बर डायमंड्स से भिड़ेगी। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे गत विजेता लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स का मुकाबला सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स से होगा।

फ्रेंच ओपन 2025: स्वियातेक चौथे राउंड में पहुंचीं, राइबाकिना और पाओलिनी ने भी किया शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

पेरिस। मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन 2025 के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। पोलैंड की पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने रोमानिया की जैक्लेलिन क्रिस्टियन को 6-2, 7-5 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। छठे दिन पेरिस की गर्मी ने खिलाड़ियों की परीक्षा जरूर ली, लेकिन स्वियातेक ने पहले सेट में बेहतरीन खेल दिखाते हुए दो ब्रेक की मदद से 6-2 से जीत हासिल की। उन्होंने इस सेट के बाद खुद को बर्फीले टॉवल से ठंडक पहुंचाई और पूरी तरह से तैयार दिखीं।दूसरे सेट में क्रिस्टियन ने बेहतरीन टक्कर दी और 4-4 की बराबरी तक मैच को ले गईं। कोर्ट सुसान लैंग्लेन पर खेला गया यह मुकाबला दोनों खिलाड़ियों के दमदार शॉट्स से भरपूर रहा। स्वियातेक ने 12वें गेम में तीन ड्यूस के बाद अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए सेट और मैच दोनों अपने नाम किया।स्वियातेक ने कहा, मैं खुश हूं कि आखिरी गेम में मैं बेहद सॉलिड रही और कोई फ्री पॉइंट नहीं दिया। यह एक शानदार मुकाबला था और हम दोनों ने अच्छा खेल दिखाया।

राइबाकिना की दमदार जीत

कजाखस्तान की 12वीं वरीय

एलेना राइबाकिना ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको को 6-2, 6-2 से हराया। क्ले कोर्ट पर राइबाकिना की यह जीत उनके बेहतरीन फॉर्म का संकेत है। उन्होंने पहले ही मैच प्वाइंट पर फोरहैंड विनर के साथ मुकाबला समाप्त कर दिया।

पाओलिनी ने सीधे सेटों में मारी बाजी

इटली की चौथी वरीय जैस्मिन पाओलिनी ने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्त्सेवा को आसानी से सीधे सेटों में हराया। पिछले साल की फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट पाओलिनी अपने अगले मुकाबले में यूक्रेन की एलीना स्विटोलिना या अमेरिका की बर्नाडा पेरा से भिड़ेंगी।

भरत अरुण श्रीलंका में चलाएंगे तेज गेंदबाजों के लिए दो हफ्ते का स्पेशल कोचिंग कैंप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण अब श्रीलंका के शीर्ष क्रिकेटरों को ट्रेनिंग देने वाले भारतीय कोचों की श्रृंखला में नया नाम बन गए हैं। वे 2 जून से शुरू होने वाले 14 दिन के विशेष कोचिंग प्रोग्राम का संचालन करेंगे, जिसका उद्देश्य श्रीलंका के जूनियर और सीनियर स्क्वॉड्स के तेज गेंदबाजों के स्तर को ऊंचा उठाना है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि यह प्रोग्राम हाई परफॉर्मेंस सेंटर में आयोजित किया जाएगा और इसका नेतृत्व भरत अरुण करेंगे, जो 2014 से 2021 तक भारतीय पुरुष टीम के गेंदबाजी कोच रह चुके हैं। इससे पहले मई में भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने श्रीलंका में 10

दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया था। वहीं पिछले साल राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर जुबिन भरूचा ने भी श्रीलंका में एक शॉर्ट बैटिंग कोचिंग प्रोग्राम का संचालन किया था। ये सभी पहल सनथ जयसूर्या के मुख्य कोच कार्यकाल के दौरान हुई हैं। एसएलसी के मुताबिक भरत अरुण, श्रीलंका की राष्ट्रीय पुरुष और महिला टीम, महिला 'ए' टीम, अंडर-19 पुरुष टीम, और हाई परफॉर्मेंस सेंटर के कोचों, क्लब व प्रांतीय कोचों, और कोच-एजुकेटर्स के साथ काम करेंगे। वे रेड-बॉल और व्हाइट-बॉल पुरुष टीमों के साथ अलग-अलग रणनीतिक सेशन, तेज गेंदबाजों के लिए तकनीकी और कौशल आधारित ट्रेनिंग, वीडियो व प्रदर्शन विश्लेषण सत्र, और मैच सिचुएशन आधारित गेम समझ विकसित करने वाली गतिविधियाँ संचालित करेंगे। फिलहाल श्रीलंका पुरुष टीम का इंटरनेशनल शेड्यूल बेहद हल्का है। अगले मई तक उन्हें केवल दो टेस्ट मैच खेलने हैं और वे इस साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर पाए हैं।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: कड़े मुकाबले में ट्रांस टाइटंस की पहली जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के चौथे दिन दोपहर 3:30 से शुरू हुआ दिन का पहला मुकाबला काफी धमाकेदार रहा। इस हाइ स्कोरिंग मुकाबले में ट्रांस टाइटंस ने यूरोपियन ग्लेडिएटर्स के खिलाफ 204 रनों का पीछा करते हुए अंतिम गेंद में 4 विकेट से जीत दर्ज की।टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी यूरोपियन ग्लेडिएटर्स ने शुरुआत तो सधी हुई की लेकिन राघव धवन (15) और अमित पौनीकर (29) के आउट होने के बाद टीम ने प्रवीण गुप्ता (4) और हिमांशु चावला (6) के रूप में जल्द ही दो और विकेट गंवा दिए। लेकिन फिर बल्लेबाजी करने आए गौरव धीमान (56) और आदिल रेशी के 31 गेंदों में नाबाद 64 रनों ने टीम को मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। अंत में अनुरीत सिंह ने 5 गेंदों में 22 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। टीम की ओर से अबु नीशम एक मात्र गेंदबाज रहे जिन्होंने सभी 4 विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्रांस टाइटंस शुरू से ही आक्रामक दिखी। शुरुआत करने उतरे पूर्व धाकड़ बल्लेबाज जैसी राइडर (17) और कप्तान ऋषि धवन ने 14 गेंदों में 30 रन बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। जिसके बाद प्रतीक अठावले के 38 गेंद में 62 और पीनल शाह के 36 गेंदों में 62 रनों ने टीम को जीत की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया। हालांकि अबु नीशम ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर ग्लेडिएटर्स को एक बार फिर वापसी कराने की कोशिश की।

प्रज्ञान ओझा बने 'द लेजेनज़ी टी 10' के लीग कमिश्नर

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में 25 जून से शुरू हो रही टेनिस बॉल क्रिकेट लीग 'द लेजेनज़ी टी 10' के लिए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कमिश्नर नियुक्त किया गया है। 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके प्रज्ञान लीग के संचालन की देखरेख और इस नए तरह की प्रतियोगिता की सफलता व विकास को सुनिश्चित करेंगे। द लेजेनज़ी टी 10 का विज़न भारत के स्ट्रीट क्रिकेटर्स को मंच प्रदान करना है। 'गली से टीवी तक' के नारे पर केंद्रित यह लीग जुनून को पहचान में बदलने का अवसर देती है। लीग के बारे में बात करते हुए लीग कमिश्नर प्रज्ञान ओझा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, द लेजेनज़ी टी10 का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह ऐसा मंच है जो ग्रासरूट क्रिकेट को बड़ी पहचान से जोड़ता है। मैं भी ऐसे जुनूनी खिलाड़ियों के साथ काम करने और कुछ खास बनाने को लेकर बहुत उत्सुक हूं।द लेजेनज़ी टी 10 के

चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने कहा, हमने अपने स्थानीय पार्कों और गलियों में बहुत सारी असाधारण प्रतिभाएं देखी हैं। द लेजेनज़ी टी 10 का मंच ऐसी ही युवा प्रतिभाओं के लिए है, जिनमें अद्भुत कौशल और प्रदर्शन की भूख है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो टेनिस बॉल क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल कर रख देगा।÷ लीग में चार चांद लगाने के लिए पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इरफान पठान भी इससे जुड़े रहेंगे, जो न ही सिर्फ खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे, बल्कि मैदान पर उनके साथ खेलते भी नजर आएंगे। इच्छुक खिलाड़ी अपना 6 गेंदों का वीडियो और नामांकन शुल्क जमा कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले हर खिलाड़ी को द लेजेनज़ी टी10 क्रिकेट बैट स्मृति चिन्ह के रूप में दिया जाएगा। इनमें से शीर्ष 5,000 खिलाड़ियों को चयनित करके उन्हें सिल्वर टिकट दिया जाएगा, जिससे वे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर में आयोजित होने वाले ट्रायल्स में भाग ले सकेंगे। इन खिलाड़ियों को एक साल की ऑनलाइन क्रिकेट ट्रेनिंग मॉड्यूल तक विशेष पहुंच भी दी जाएगी। ट्रायल्स से चुने गए सर्वश्रेष्ठ 150 खिलाड़ियों को गोल्डन टिकट मिलेगा, जिनमें से 72 खिलाड़ी ऑक्शन के माध्यम से डायमंड टिकट प्राप्त करेंगे और द लेजेनज़ी टी10 लीग में खेलेंगे। बाकी 78 खिलाड़ी गोल्डन टिकट बनाए रखेंगे और अगले सीज़न में सीधे खेलने का मौका पाएंगे।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप: पारुल ने बनाया नेशनल रिकॉर्ड, पूजा और गुलवीर ने दिलाया स्वर्ण

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए दिन ऐतिहासिक रहा। पारुल चौधरी ने 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए रजत जीता। युवा हाई जम्पर पूजा और लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने स्वर्ण जीतकर भारत का परचम लहराया।

नेशनल रिकॉर्ड के साथ पारुल को रजत पदक

भारतीय धाविका पारुल चौधरी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में 9:12.46 मिनट का समय लेकर रजत पदक जीता। यह प्रदर्शन उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ रहा और इसी के साथ उन्होंने 2025 दोहा डायमंड लीग में बनाया गया अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड (9:13.39) तोड़ दिया।

आईपीएल 2025 में गुजरात का सफर समाप्त, मुंबई ने 20 रन से हराया

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटन्स को 20 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम क्वालिफायर-2 में पहुंच गई है। अब उसका सामना एक जून को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स से होगा। न्यू चंडीगढ़ में खेले गए एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 228 रन बनाए। जवाब में गुजरात निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर सिर्फ 208 रन बना पाई और यह मुकाबला 20 रन से हार गई। गुजरात के लिए साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 80 रन बनाए। लक्ष्य पीछा करने उतरी गुजरात टीम की शुरुआत झटके के साथ हुई थी। कप्तान शुभमन गिल सिर्फ एक रन बना पाए। उन्हें ट्रेंट बोल्ट ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद क्रीज पर आए कुसल मेंडिस हिट विकेट होकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ 34 गेंदों में 64 रनों की साझेदारी निभाई। इसमें मेंडिस का 20 रनों का योगदान रहा। फिर सुदर्शन को वाशिंगटन सुंदर का साथ मिला। दोनों के बीच 44 गेंदों में 84 रनों की साझेदारी हुई। सुंदर ने 48 और सुदर्शन ने 80 रन बनाए। वहीं, रदरफोर्ड ने 24, शाहरुख खान ने 13 रन बनाए। राहुल तेवतिया 16 और राशिद खान खाता खोले बिना नाबाद रहे। मुंबई इंडियंस के लिए ट्रेंट बोल्ट ने दो विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, रिचर्ड ग्लीसन, मिचेल सैंटनर और अश्विनी कुमार ने एक-एक विकेट झटके। इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा और जॉनी बेयरस्टो की सलामी जोड़ी ने मुंबई को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई। साई किशोर ने इस मैच में डेब्यू करने वाले बेयरस्टो को गेराल्ड कोएत्जी के हाथों कैच कराया। वह 22 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 47 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित को सूर्यकुमार यादव का साथ मिला। दोनों ने 34 गेंदों में 59 रन जोड़े। इस दौरान सूर्यकुमार ने 20 गेंदों का सामना किया और 33 रन बनाकर पवेलियन लौटे।इस मैच में रोहित शर्मा ने 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने आईपीएल में 300 छक्के भी पूरे कर लिए। वह आईपीएल में 300 छक्के का आंकड़ा छूने वाले पहले सक्रिय खिलाड़ी बन गए। अब उनके नाम 302* छक्के दर्ज हो गए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम दर्ज है।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए की मजबूत शुरुआत, करुण नायर ने ठोका नाबाद शतक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ए के अनुभवी बल्लेबाज़ करुण नायर ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन नाबाद शतक जड़कर इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में अपनी दावेदारी पेश की है। नायर ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी की और दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद रहे।

जल्दी गिरे विकेट, नायर ने संभाली कमान

मैच की शुरुआत में ही भारत ए को बड़ा झटका तब लगा जब कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन महज़ 8 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद छठे ओवर में बल्लेबाज़ी के लिए उतरे नायर ने शुरुआत में ही एक बाउंड्री लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए। यशस्वी जायसवाल ने कुछ देर साथ निभाया और एक शानदार छक्का भी जड़ा, लेकिन वह 24 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

सरफराज के साथ 181 रनों की साझेदारी

इसके बाद करुण नायर को सरफराज खान का साथ मिला और दोनों ने मिलकर इंग्लैंड लायंस के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाना शुरू किया। दोनों बल्लेबाज़ों ने तेज़ी से रन बनाए और स्कोरबोर्ड को

लगातार आगे बढ़ाते रहे। जब दोनों खिलाड़ी 90 के करीब थे, तभी लायंस को सफलता मिली और सरफराज 92 रन पर आउट हो गए। उनकी और नायर की साझेदारी 181 रनों की रही।

जुरेल के साथ एक और बड़ी साझेदारी

सरफराज के आउट होने के बाद करुण नायर ने विकेटकीपर बल्लेबाज़ ध्रुव जुरेल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने अगले 34 ओवरों तक कोई और विकेट नहीं गिरने दिया और लायंस की गेंदबाज़ी की कमर तोड़ दी। आईपीएल के बाद कम समय में ही मैदान में उतरे इन दोनों बल्लेबाज़ों ने थकान को दरकिनार कर ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की।

नायर 186 और जुरेल 82 रन पर नाबाद

करुण नायर और ध्रुव जुरेल के बीच 177 रनों की नाबाद साझेदारी हुई और भारत ए ने दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट पर 409 रन बना लिए। नायर 186 रन पर नाबाद हैं और अब वह अपने दोहरे शतक के बेहद करीब हैं। वहीं जुरेल ने भी 82 रनों की नाबाद पारी खेली। दिन का खेल खत्म होना पर भारत ए ने 3 विकेट पर 409 रन बना लिए हैं।

सुकून और सुंदरता

का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पड़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें

खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

अनन्या पांडे

के भाई का बॉलीवुड डेब्यू, साथ में दिखेगी ये खूबसूरत एक्ट्रेस, फिल्म का टीजर आ गया

अपने चाचा चंकी पांडे और कजन अनन्या पांडे की राह पर चलते हुए अहान पांडे भी बॉलीवुड में एंट्री कर रहे हैं. वो एक रोमांटिक-म्यूजिकल फिल्म के साथ शुरुआत कर रहे हैं. फिल्म का निर्माण देश के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में से एक YRF ने किया है. पिक्चर का नाम है 'सैयारा'. 30 मई को मेकर्स ने एक टीजर वीडियो जारी करके फिल्म की झलक भी दिखा दी है.
इस फिल्म में अहान पांडे के साथ अनीत पड्डा नजर आने वाली हैं. बतौर लीड ये उनकी पहली फिल्म है. टीजर वीडियो की शुरुआत अनीत पड्डा की खूबसूरत आवाज से होती है. वो कहती हैं, मुझे तसल्ली दे दो जो, वो शब्द उधारा ढूंढ रहा है, एक सितार ढूंढ रहा है, दिल सैयारा ढूंढ रहा है.

यहां देखें अहान पंडे की पहली फिल्म का टीजर

टीजर में आगे अहान की झलक दिखाई जाती है. वो बाइक पर एंट्री करते हैं. आगे वो हाथ में गीटार लिए कहीं परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं. वो काफी डैशिंग लग रहे हैं. उनके साथ अनीत पड्डा की केमिस्ट्री भी दिखाई जाती है. दोनों की जोड़ी काफी खूबसूरत लग रही है.
अनीत आगे सैयारा का मतलब बताती हैं. वो कहती हैं, सैयारा मतलब तारों में एक तन्हा तारा, खुद जलके जो रौशन करदे जगिया सारा, वो आवारा ढूंढ रहा है, दिल सैयारा ढूंढ रहा है. एक तरफ जहां इस फिल्म को [illegible] ने बनाया है, तो वहीं इसकी एक और खास बात ये है कि इसे डायरेक्ट मोहित सुरी ने किया है, जो पहले 'आशिकी 2', 'एक विलेन' और 'राज' जैसी फिल्में बना चुके हैं.

कब रिलीज होगी 'सैयारा' ?

'सैयारा' के टीजर में आपको मोहित सुरी की झलक साफ दिखेगी और एक पल के लिए ऐसा भी लगेगा कि ये फिल्म 'आशिकी 2' जैसा ही कुछ है. 18 जुलाई को ये पिक्चर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. इस टीजर को तो लोग पसंद कर रहे हैं. अब देखना होगा कि अहान इस फिल्म के जरिए कैसा कमाल दिखाते हैं. अहान चंकी पांडे के छोटे भाई चिक्की पांडे के बेटे हैं.

'दिल मिल गए' की डॉ रिद्धिमा बन छा गई थी ये एक्ट्रेस, जानें आज कल क्या कर रहीं हैं?

'दिल मिल गए' लगभग 3 साल स्टार वन चैनल पर चला था और इसमें अरमान-रिद्धिमा की जोड़ी फेमस हो गई थी. ये सीरियल डॉक्टर्स की लाइफ पर बेस्ड था जिसमें डॉ अरमान मलिक और डॉ रिद्धिमा गुप्ता की लव स्टोरी खासतौर पर दिखाई गई. पहले तो रिद्धिमा का रोल शिल्पा शिवानंद ने निभाया था, लेकिन बाद में ये रोल जेनिफर विंगेट ने निभाया था.जेनिफर विंगेट का ये सुपरहिट सीरियल था, हालांकि इसके अलावा भी उन्होंने कई हिट सीरियल में काम किया है. 30 मई 1985 को मुंबई में जन्मीं जेनिफर आज अपना 40वां बर्थडे मना रही हैं. इस मौके पर आइए उनके करियर पर एक नजर डालते हैं और आजकल जेनिफर क्या कर रही हैं, ये भी बताते हैं.

जेनिफर विंगेट का एक्टिंग करियर

जेनिफर विंगेट ने 1995 में रिलीज हुई आमिर खान और मनीषा कोईराला की फिल्म अकेले हम अकेले तुम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी. इसके बाद उन्होंने रानी मुखर्जी की डेब्यू फिल्म राजा की आएगी बारात (1997) में स्कूल किड का रोल प्ले किया था. 18 साल की उम्र में जेनिफर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की फिल्म कुछ ना कहो (2003) में भी अहम किरदारों में नजर आई थीं.
टीवी पर जेनिफर ने पहला सीरियल 'शाका लाका बूम-बूम' किया था और दूसरा सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' था. ये दोनों ही सीरियल स्टार प्लस के सुपरहिट शोज थे. 2009 में जेनिफर विंगेट ने 'दिल मिल गए' ज्वाइन किया था और आखिर तक वो इस शो का हिस्सा रहीं. इसके बाद जेनिफर ने 'बेपनाह', 'सरस्वतीचंद्रा', 'बेहद', 'संगम' जैसे टीवी सीरियल किये जो हिट रहे.

आजकल क्या कर रही हैं जेनिफर विंगेट ?

'दिल मिल गए' करने के दौरान ही जेनिफर का अफेयर उस शो में डॉ अरमान मलिक का रोल प्ले करने वाले करण सिंह ग्रोवर के साथ शुरू हुआ था. 2012 में जेनिफर और करण ने शादी कर ली थी लेकिन 2014 में जेनिफर ने करण से तलाक ले लिया था. करण ने बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु से 2016 में शादी कर ली थी जबकि जेनिफर अभी भी सिंगल लाइफ जी रही हैं. फिल्मों और टेलीविजन के अलावा उन्होंने ओटीटी पर भी काम शुरू कर दिया है.

तुम एक्ट्रेस नहीं बन सकती, जिस हीरोइन को डायरेक्टर ने कही थी ये बात, उसने बॉलीवुड के 5-5 कपूर संग किया काम

बॉलीवुड में हमेशा से ही देखा जाता रहा है कि कभी सेलेब्स को लुक्स तो कभी रंगत के चलते डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रिजेक्ट कर देते हैं. लेकिन, ऐसे कई सेलेब्स हैं जिन्हें फिल्ममकेर्स ने कम आंका और बाद में वो फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन गए. दिग्गज एक्ट्रेस हेमा मालिनी को भी छोटी उम्र में एक डायरेक्टर ने अपनी फिल्म से बाहर कर दिया था.हेमा मालिनी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. बॉलीवुड में सालों तक राज करने वाली हेमा अब भाजपा की सांसद हैं. 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के तिरुच्चिराप्पल्ली में जन्मी हेमा ने महज 14 साल की छोटी सी उम्र में तमिल फिल्म 'इंधु साथियम' में छोटी सी भूमिका के जरिए अपनी शुरुआत कर दी थी.

फिल्म से निकाल दिया था

14 साल की उम्र में हेमा मालिनी काफी दुबली पतली हुआ करती थी और ऐसे में उन्हें एक डायरेक्टर ने अपनी फिल्म से निकाल दिया था. तमिल डायरेक्टर सीवी श्रीधर ने हेमा को अपनी एक फिल्म के लिए कास्ट किया था. लेकिन, बाद मे उन्होंने ये कहते हुए एक्ट्रेस को बाहर कर दिया कि तुम बहुत दुबली-पतली हो और एक्ट्रेस नहीं बन सकती. बताया जाता है कि फिल्म से बाहर होने के बाद हेमा डिप्रेशन में चली गई थीं. हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी.

बड़े नाम के साथ किया काम

बॉलीवुड में आने से पहले हेमा मालिनी ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई छोटे मोटे किरदार निभाए थे. हिंदी सिनेमा में उनकी शुरुआत 1968 की फिल्म 'सपनों का सौदागर' से हुई थी. इस पिक्चर में उन्होंने दिग्गज एक्टर-डायरेक्टर राज कपूर के साथ काम किया था.
हेमा को अपनी फिल्म में लेने के दौरान ही राज कपूर ने ये साफ कह दिया था कि ये लड़की एक दिन बहुत आगे जाएगी.बॉलीवुड में हेमा को अपने करियर की शुरुआत में ही राज कपूर जैसी दिग्गज शख्सियत के साथ काम करने का मौका मिल गया था. इसके बाद हेमा ने अपने लंबे और सफल करियर में राज कपूर के परिवार के शम्मी कपूर, शशि कपूर, रणधीर कपूर और ॠषि पूर के साथ भी फिल्में कीं. वहीं कई दिग्गज एक्टर्स संग भी स्क्रीन शेयर की और 'ड्रीम गर्ल' कहलाईं.

शोले के सेट पर

हेमा मालिनी

संग ऐसे टाइम बिताते थे धर्मेंद्र, लाइटमैन को गलती करने के लिए देते थे पैसे

बॉलीवुड के 'हीमैन' यानी कि धर्मेंद्र और 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी की जोड़ी रील लाइफ और रियल लाइफ दोनों ही जगह काफी पसंद की गई. दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया था और इस दौरान दोनों एक दूसरे पर दिल हार बैठे. प्यार का रिश्ता साल 1980 में शादी तक पहुंच गया और आज उस बात को 45 साल बीत चुके हैं. धर्मेंद्र और हेमा ने साथ में 10-20 या 30 नहीं बल्कि 35 फिल्मों में काम किया और फिल्म दर फिल्म उनका प्यार परवान चढ़ते गया.

धर्मेंद्र और हेमा की कई फिल्मों ने बड़े पर्दे पर फैंस का दिल जीता. हालांकि दोनों की सबसे पसंदीदा फिल्म रही 'शोले'. ये भारतीय सिनेमा के इतिहास की भी सबसे कामयाब पिक्चर में से एक है. इसकी शूटिंग के दौरान धर्मेंद्र जान बूझकर उन सीन में देरी करते थे जिनमें उन्हें हेमा के साथ होना होता था. इसके लिए उन्होंने लाइटमैन को भी पटा रखा था. धर्मेंद्र ने लाइटमैन को गलतियां करने के लिए कहा था जिससे कि वो हेमा के साथ ज्यादा वक्त बिता सकें.

गलतियां करने के लिए लाइटमैन को देते थे पैसे

शोले 1975 में रिलीज हुई थी. इसमें धर्मेंद्र ने वीरू और हेमा ने बसंती नाम का किरदार निभाया था. दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई. इस ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर पिक्चर का हिस्सा अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, अमजद खान, संजीव कुमार, सचिन पिलगांवकर, सत्येंद्र कपूर और ए के हंगल जैसे कलाकार भी थे.
शोले के सेट पर ही धर्मेंद्र और हेमा का प्यार परवान चढ़ा था. जब धर्मेंद्र और हेमा का साथ में कोई सीन होता था तो धर्मेंद्र लाइटमैन को गलतियां करने के लिए कहते थे. ऐसे में सीन बिगड़ जाता और उसे वापस से करना पड़ता था. ये धर्मेंद्र का हेमा के पास ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताने का तरीका था. लेकिन बदले में वो लाइटमैन की जेब भी भरते थे.

दो बेटियों के पैरेंट्स हैं धर्मेंद्र-हेमा

धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे. उनकी शादी 1954 में प्रकाश कौर से हो गई थी. दोनों के चार बच्चे दो बेटे और दो बेटियां भी थीं. हालांकि फिर भी धर्मेंद्र और हेमा को एक दूसरे से मुहब्बत हो गई. कई साल तक अफेयर चला और फिर 1980 में हेमा मालिनी, धर्मेंद्र की दूसरी दुल्हन बन गई. शादी के बाद दोनों के घर दो बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल हुईं.